MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 28 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-145

सुप्रीम बोला-यस SIR

ईसी को मतदाता सूची शुद्ध करने का अधिकार

नई दिल्ली, मई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार चुनाव से पहले वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण, यानी एसआईआर प्रक्रिया को वैध और संवैधानिक करार दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व वाली बेंच ने बुधवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि चुनाव आयोग को एसआईआर के लिए विशेष प्रक्रिया अपनाने का अधिकार है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ इसलिए एसआईआर प्रक्रिया को रद्द नहीं किया जा सकता क्योंकि यह सामान्य वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया से अलग है। अदालत ने माना कि यह प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के उद्देश्य से जुड़ी हुई है। कोर्ट ने कहा कि कानून चुनाव आयोग को किसी भी समय विशेष पुनरीक्षण कराने का अधिकार देता है, इसलिए एसआईआर को अवैध नहीं कहा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया जनप्रतिनिधित्व कानून और उससे जुड़े नियमों की जगह नहीं लेती।

अदालत के मुताबिक यह प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग की जिम्मेदारी को मजबूत करती है। कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग ने अपने अधिकारों से बाहर जाकर काम नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि एसआईआर प्रक्रिया में लोगों को अपनी बात रखने के कई मौके दिए गए।

अदालत ने कहा कि नोटिस देने और सुनवाई जैसे जरूरी सुरक्षा उपाय इस प्रक्रिया में मौजूद थे। कोर्ट के मुताबिक एसआईआर का मकसद वोटर लिस्ट को सही, पूरी और भरोसेमंद बनाना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस प्रक्रिया में अपनाए गए कदम जरूरत से ज्यादा कठोर नहीं हैं। अदालत ने माना कि लोगों को मनमाने तरीके से वोटर लिस्ट से बाहर होने से बचाने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए।

कोर्ट ने साफ किया कि चुनाव आयोग केवल वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने या हटाने तक सीमित फैसला ले सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग नागरिकता पर अंतिम फैसला नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि अगर किसी का नाम नागरिकता के आधार पर हटाया जाता है, तो उस मामले का अंतिम फैसला सक्षम प्राधिकरण करेगा। कोर्ट ने माना कि चुनाव आयोग की पूरी प्रक्रिया कानून के मुताबिक है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दस्तावेजों का वर्गीकरण तर्कसंगत आधार पर किया गया और इसका सीधा संबंध वोटर लिस्ट की शुद्धता बनाए रखने से है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए क्या-क्या टिप्पणी की, उन्हें बिंदुवार जानते हैं –

1. चुनाव आयोग की शक्तियां बरकरार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसे निष्पक्ष और शुद्ध मतदाता सूची तय करने का अधिकार है। अदालत ने यह भी माना कि विशेष परिस्थितियों में अलग प्रक्रिया अपनाना संविधान और कानून के खिलाफ नहीं है। इसलिए डखठ पूरी तरह वैध है और इसे प्रोसेस करने का अधिकार चुनाव आयोग के पास है। आयोग इसकी शक्ति रखता है।

2. कोई प्रक्रिया थोड़ी अलग हो तो अवैध नहीं हो जाती है (सुप्रीम कोर्ट

बिहार में यह प्रक्रिया शुरू होने के बाद इसे चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि यह सामान्य संशोधन प्रक्रिया से अलग है और मतदाताओं के अधिकारों को प्रभावित कर सकती है। अदालत ने कहा, यह प्रक्रिया कानूनी रूप से मान्य है। 11 दस्तावेजों पर विचार करने और हमारे आदेश के माध्यम से आधार कार्ड को शामिल किए जाने के बाद हम इस तर्क को स्वीकार नहीं कर सकते कि चुनाव द्वारा मांगे गए दस्तावेजों का समूह मनमाना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एसआईआर प्रक्रिया को केवल इसलिए अल्ट्रा वायर्स (अवैध) करार देकर रद्द नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह मतदाता सूचियों के संशोधन ▶8पर

सिद्दी का आज इस्तीफा या बगावत?

कर-नाटक अभी बाकी!

बेंगलुरु, 27 मई (एजेंसियां)।

कर्नाटक की राजनीति में फिर बड़ा उलटफेर होने के संकेत हैं। हर किसी के मन में एक ही सवाल है ¯ मुख्यमंत्री सिद्धारमैया इस्तीफा देंगे या कोई नया राजनीतिक नाटक शुरू होगा? राज्य के इस माहौल में उनकी चुप्पी ने सस्पेंस बढ़ा दिया है। रविवार को उनके करीबी मंत्रियों, विधायकों की एक अहम बैठक हुई। नेताओं ने सिद्धारमैया से साफ कहा कि वे चुप न रहें, वे अपना रुख स्पष्ट करें। इतनी हलचल के बावजूद मुख्यमंत्री ने अभी कोई खुला संकेत नहीं दिया है।

बैठक में मौजूद मंत्रियों, विधायकों ने एकजुटता दिखाने का सुझाव रखा। कुछ नेताओं ने कहा कि सभी विधायकों के हस्ताक्षर जुटाकर कांग्रेस हाईकमान को समर्थन पत्र भेजा जाए। इसमें साफ बताया जाए कि विधायक सिद्धारमैया को ही मुख्यमंत्री बनाए रखने के पक्ष में हैं। नेताओं का यह भी सुझाव था कि पार्टी के पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर्स) या हाईकमान के नेता बेंगलुरु आएं, तब मंत्री, विधायक खुलकर सिद्धारमैया के समर्थन में अपनी बात रखें।

सूत्रों के मुताबिक, अपने करीबियों के इस प्लान पर सिद्धारमैया का रुख काफी चौंकाने वाला रहा। उन्होंने विधायकों के दस्तखत कराकर हाईकमान को चिट्ठी भेजने के प्रस्ताव को मानने से इनकार कर दिया। मंत्रियों, विधायकों ने उन पर अपनी चुप्पी तोड़ने के लिए बार-बार दबाव बनाया। इसके बावजूद सिद्धारमैया पूरी बैठक के दौरान शांत ही बैठे रहे। उन्होंने नेताओं की मांग पर कोई वादा नहीं किया। बैठक के आखिर में उन्होंने बस इतना कहा, आप लोगों की मांगों पर मैं अपनी राय कल बताऊंगा।

इस बैठक में कई वरिष्ठ नेताओं ने मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रमों पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि वे इस संकट की घड़ी में साफ स्टैंड लें। कर्नाटक कांग्रेस के भीतर इस समय लीडरशिप में बदलाव को लेकर अंदरूनी खींचतान चल रही है। सिद्धारमैया की यह चुप्पी इशारा कर रही है कि वे कोई बड़ा कदम उठाने से पहले सोच-विचार कर रहे हैं। वे दिल्ली कमान के अगले आदेश का इंतजार कर रहे हैं। अब सबकी नजरें कल होने वाले उनके अगले फैसले पर टिकी हैं।

महाराष्ट्र में 'मिडनाईट शो'

बीएमसी के बहाने नई जुगलबंदी

मुंबई, 27 मई (एजेंसियां)।

समय आधी रात का है। मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) के मुख्यालय मातोश्री से एक फोन कॉल सीधे सीएम देवेंद्र फडणवीस के पास जाता है। इसके साथ ही राज्य में सियासी गतिविधियां तेज हो जाती हैं। पर्दे के पीछे काम कर रहे हैं आदित्य ठाकरे। उनकी पहल पर शिवसेना (यूबीटी) के एमएलसी मिलिंद नार्वेकर फडणवीस को कुछ जरूरी ब्रीफ करते हैं। इसके साथ ही बीएमसी में होने जा रहे एक अहम बदलाव पर ब्रेक लग जाता है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि इस बदलाव (डील) के जरिए शिंदे कैंप मुंबई की प्रीमियम जमीनों पर कब्जा जमाना चाहता है।

दरअसल, देश की सबसे अमीर निगम बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के भीतर सियासी घटनाओं में नाटकीय मोड़ दिख रहा है, और ये एक राजनीतिक बदलाव की ओर इशारा करता है।

मंगलवार को पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया कि बीएमसी की सुधार समिति कुछ बदलावों के जरिए मुंबई की प्रीमियम जमीनों की बंदरबांट करना चाहती है। इसके अलावा आदित्य ठाकरे ने सेवन हिल्स हॉस्पिटल को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मोड पर देने का विरोध किया।

बीएमसी की सुधार समिति में शिंदे गुट की मजबूत उपस्थिति है। संध्या विपुल दोशी को सुधार समिति का अध्यक्ष चुना गया है। सुधार समिति बीएमसी की महत्वपूर्ण समितियों में से एक है, जो बड़े निर्माण कार्यों, सड़क सुधार, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स आदि को मंजूरी देने में अहम भूमिका निभाती है। दरअसल बीएमसी की सुधार समिति मुंबई को लेकर चार बड़े फैसले लेने वाली थी। इनमें सेवन हिल्स अस्पताल का पीपीपी मोड पर निजीकरण, पांच उपनगरीय ब्लड बैंकों का निजीकरण, बांद्रा रिक्लेमेशन प्रदर्शनी केंद्र और मालाबार हिल ग्रीन ज़ोन में बदलाव शामिल हैं।

शिवसेना (यूबीटी) नेता ने इन्हीं चार मामलों में गड़बड़ी का आरोप लगाया था।

ठाकरे-फडणवीस पर अटकलें तेज

आदित्य ठाकरे ने इस मामले में मंगलवार को दिन में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी और शिंदे गुट पर आरोप लगाया था। लेकिन उसके बाद हुआ मिडनाइट ड्रामा और भी चौंकाने वाला था।

देर रात मातोश्री से एक कॉल सीएम देवेंद्र फडणवीस को जाती है। ▶8पर

ख्वाजा आसिफ का कुबूलनामा

हमारे पूर्वज हिन्दू थे!

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने पाकिस्तान में पहचान और इतिहास को लेकर नई बहस छेड़ दी है। आसिफ ने खुलकर स्वीकार किया कि पाकिस्तान के बच्चों को गलत इतिहास पढ़ाया जा रहा है और देश के लोग अपनी असली जड़ों से दूर होते जा रहे हैं।

एक इंटरव्यू में ख्वाजा आसिफ ने कहा, हम पाकिस्तानी मुसलमान अपने हिंदू पूर्वजों से नफरत करते हैं। पाकिस्तान के आधे लोग झूठा दावा करते हैं कि उनके पूर्वज सऊदी अरब या ईरान से आए थे। उन्होंने कहा कि यह सोच जानबूझकर तैयार की गई ताकि पाकिस्तान की नई पीढ़ी अपनी सभ्यता की पहचान से कट जाए।

ख्वाजा आसिफ ने इतिहास की किताबों पर सवाल उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान में हिंदू शासकों को इतिहास से लगभग मिटा दिया गया। उन्होंने कहा, हमने चंद्रगुप्त मौर्य और अशोक को इतिहास की किताबों से हटा दिया क्योंकि वे हिंदू थे। उन्होंने आगे कहा, मेरे पूर्वज हिंदू थे। क्या इससे मैं कम पाकिस्तानी हो जाता हूं?आसिफ के मुताबिक पाकिस्तान में पढ़ाई जाने वाली किताबें ऐसे लोगों ने लिखीं जिन्होंने आने वाली पीढ़ियों को एक खास मानसिकता में ढालने की कोशिश की।

ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अमेरिका की लड़ाइयों में

पाकिस्तान को इस्तेमाल करने के लिए समाज की सोच बदली गई और उसी हिसाब से इतिहास को पेश किया गया। उन्होंने कहा, हमारे बच्चे तथ्यात्मक इतिहास नहीं पढ़ रहे। आज पाकिस्तान में कई लोगों को यह तक नहीं पता कि चंद्रगुप्त मौर्य और अशोक कौन थे।

ख्वाजा आसिफ का यह बयान ऐसे समय आया है जब वह पहले से ही अमेरिका और इजरायल के मुद्दे पर विवादों में घिरे हुए हैं। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान समेत कई मुस्लिम देशों से अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल होने और इजरायल को मान्यता देने की अपील की थी।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आसिफ ने कहा था, मुझे निजी तौर पर नहीं लगता कि हमें ऐसे किसी समझौते में शामिल होना चाहिए जो हमारी बुनियादी सोच से टकराता हो। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान का पुराना रुख आज भी कायम है और जब तक 1967 की सीमाओं के आधार पर पूर्वी यरुशलम को राजधानी बनाकर स्वतंत्र फिलिस्तीनी देश नहीं बनता, तब तक इस्लामाबाद इजरायल को मान्यता नहीं देगा।

पाकिस्तान ने अपने 78 साल के इतिहास में कभी इजरायल को आधिकारिक मान्यता नहीं दी है। यहां तक कि पाकिस्तानी पासपोर्ट पर भी साफ लिखा होता है कि यह इजरायल की यात्रा के लिए मान्य नहीं है। आसिफ के बयान के बाद अमेरिका में भी प्रतिक्रिया देखने को मिली। अमेरिकी रिपब्लिकन सांसद लिंडसे ग्राहम ने पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि इजरायल के प्रति पाकिस्तान की सोच लंबे समय से नकारात्मक रही है और ऐसे में अमेरिका-ईरान या इजरायल से जुड़े मामलों में उसकी मध्यस्थता समस्याओं से भरी हो सकती है। पाकिस्तान के पासपोर्ट में आज भी लिखा होता है कि यह पासपोर्ट इजरायल को छोड़कर सभी देशों के लिए वैध है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

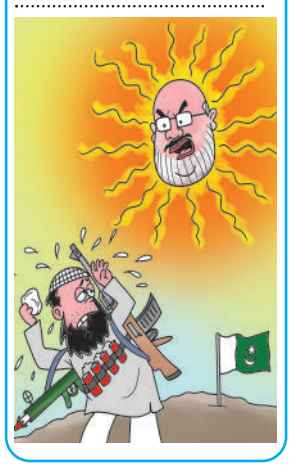

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33⁰
न्यूनतम : 26⁰

200 किलो आमरस से भगवान बीमार!

14 दिन मंदिर बंद, 300 साल पुरानी अनोखी परंपरा

कोटा, 27 मई (एजेंसियां)। कोटा स्थित ऐतिहासिक जगदीश मंदिर में करीब 300 वर्षों से एक अनोखी धार्मिक परंपरा निभाई जा रही है। यहां हर साल ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भगवान को 14 दिन का विशेष मबीमारी अवकाशफ दिया जाता है। मान्यता है कि भीषण गर्मी में ठंडे जल से स्नान और आम रस का भोग ग्रहण करने के बाद भगवान अस्वस्थ हो जाते हैं, जिसके चलते मंदिर के पट 14 दिनों के लिए बंद कर दिए जाते हैं।

परंपरा के अनुसार, ज्येष्ठ पूर्णिमा पर

भगवान का 51 जल कलश और पंचामृत से विशेष अभिषेक किया जाता है। इसके बाद भगवान को लगभग 200 किलो आम रस का विशेष भोग अर्पित किया जाता है। धार्मिक अनुष्ठानों के पूर्ण होने के बाद रात 9 बजे मंदिर के पट बंद कर दिए जाते हैं, ताकि भगवान विश्राम कर सकें और स्वास्थ्य लाभ ले सकें। इस दौरान मंदिर में विशेष सावधानियां भी बरती जाती हैं। भगवान के आराम में कोई व्यवधान न हो, इसके लिए मंदिर की घंटियों और झालरों को कपड़ों से ढक दिया जाता है। अगले 14 दिनों तक पुजारी प्रतिदिन भगवान के स्वास्थ्य की प्रतीकात्मक देखभाल करते हैं और स्वास्थ्य लाभ के लिए दूध व काली मिर्च का विशेष काढ़ा भी अर्पित किया जाता है।

मंदिर के पुजारी जगन्नाथ के अनुसार, इस मंदिर की स्थापना दक्षिण भारत से आए महाराज अपलाचारी स्वामी ने की थी। तभी से उनके परिवार की पीढ़ियां मंदिर सेवा से जुड़ी हुई हैं। ▶8पर

विजयन- ईडी 'एक्शन रिप्ले'

बंगाल-दिल्ली जैसी स्क्रिप्ट

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)।

केरल विधानसभा चुनाव के संताप से लेफ्ट उबरा भी नहीं था कि बुधवार उसके लिए भूचाल लेकर आया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कई टीमों ने एक साथ पूर्व मुख्यमंत्री पिनरई विजयन के ठिकानों पर दस्तक दी। वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के केस में केरल हाई कोर्ट से हरी झंडी मिलने के महज 24 घंटे के भीतर हुई इस चौतरफा कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि केंद्रीय एजेंसियां अब इस मामले को अंजाम तक ले जाने के मूड में हैं। बुधवार सुबह जब केरल जागा, तो राजधानी तिरुवनंतपुरम से लेकर कन्नूर के राजनीतिक गलियारों तक केंद्रीय सुरक्षा बलों की गाड़ियां दौड़ रही थीं। ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री

पिनरई विजयन के किराए के आवास और उनके पैतृक घर समेत करीब एक दर्जन ठिकानों पर एक साथ सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जांच की आंच सिर्फ विजयन तक सीमित नहीं रही। उनके दामाद और पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री पी. ए. मोहम्मद रियास के कोझिकोड स्थित ठिकानों पर भी छापे मारे गए। ▶8पर

अमेरिका की कागज मिल में केमिकल टैंक फटा, कई लोगों की मौत

वाशिंगटन

अमेरिका की एक कागज (पेपर) और पल्प मिल में केमिकल टैंक फटने से कई लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। मिल परिसर में लगभग 10 लोग गंभीर स्थित में मिले हैं। यह लोग केमिकल की चपेट में आने से झुलस गए। मिल प्रबंधन ने कहा है कि कई कर्मचारी लापता हैं।

सरकारी अधिकारियों और प्रबंधन ने इस बात की पुष्टि की कि मंगलवार सुबह हुए इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, यह मिल (निप्पान डायनावावे पैकेजिंग कंपनी) अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में नहीं, बल्कि देश के पश्चिमोत्तर प्रांत वाशिंगटन के लान्ग्व्यू में स्थित है। अधिकारियों ने साफ किया है कि इस घटना से आसपास के नागरिकों को तत्काल कोई खतरा नहीं है। दमकल अधिकारियों ने बताया कि उन्हें इस घटना की सूचना मंगलवार सुबह करीब 7:15 बजे मिली। बताया गया कि मिल में व्हाइट लिकर से भरा एक टैंक फट गया है।

लान्ग्व्यू फायर बटालियन चीफ माइक गोरसच ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, अब हालात स्थिर हैं। अभी बचाव कार्य चल रहा है। गोरसच के साथ मौजूद काउलिट्ज 2 फायर एंड रेस्क्यू के चीफ स्काट गोल्डस्टीन ने बताया कि मृतकों की संख्या का अंदाजा लगा पाना अभी मुश्किल है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में यह बताने से मना कर दिया कि कितने लोग लापता हैं। गोरसच के मुताबिक, राहत और बचाव कार्य के दौरान फिसलने से एक दमकलकर्मी घायल हो गया।

ओरेगन में पोर्टलैंड फायर एंड रेस्क्यू के प्रवक्ता रिक ग्रेव्स ने बताया कि जिन लोगों की हालत गंभीर है, उनका इलाज आसपास के चिकित्सा केंद्रों में किया जा रहा है। कुछ लोगों को बर्न सेंटर में भी दाखिल कराया गया है। निप्पान डायनावावे पैकेजिंग कंपनी की यह इकाई कोलंबिया नदी के किनारे स्थित है। यहां कंपनी की पल्प और पेपर मिल के साथ-साथ लिक्विड पैकेजिंग प्लांट भी है। यहां टिशू पेपर, प्रिंटिंग पेपर, कप, प्लेट, कार्टन और अन्य सामान बनाने के लिए कच्चा माल तैयार किया जाता है। प्रांत के पर्यावरण विभाग के अनुसार, इस मिल में लगभग 1,000 लोग काम करते हैं।

गोल्डस्टीन ने बताया कि जो 80,000 गैलन (303,000 लीटर) क्षमता वाला टैंक फटा है, वह लगभग 60 फीसदा भरा था। यह केमिकल मुख्य रूप से सोडियम हाइड्राक्साइड और सोडियम सल्फाइड से मिलकर बनता है। इसका उपयोग लकड़ी को गलाकर क्राफ्ट पेपर बनाने में किया जाता है। गोल्डस्टीन ने कहा कि धमाके की वजह का पता लगाना अभी जल्दबाजी होगी। गोरसच ने बताया कि करीब 40 दमकलकर्मी और पैरामेडिक्स, एक क्षेत्रीय हैजमैट टीम के साथ बचाव कार्य चलाया गया।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के पूर्व गृहमंत्री सुदन गुरूंग को बयान के लिए बुलाया गया

काठमांडू। नेपाल के पूर्व गृह मंत्री सुदन गुरूंग को बयान दर्ज कराने के लिए जांच समिति ने पत्र भेजा है। गुरूंग

के खिलाफ जांच के लिए गठित समिति बुधवार को उनका बयान लेने की तैयारी कर रही है। समिति ने मंगलवार को ही गुरूंग को पत्र भेजकर बुधवार को बयान के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया है। समिति के अध्यक्ष अच्युत प्रसाद भण्डारी ने कहा, पूर्व गृहमंत्री सुदन गुरूंग के आय से अधिक संपत्ति और अवैध कारोबार की जांच के लिए स्टाक एक्सचेंज, बैंकों और जमीन से जुड़े हुए सभी रिपोर्टों का अध्ययन किया जा रहा है। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद हम बुधवार को उनका बयान लेंगे। हालांकि, जांच समिति ने माना कि कुछ अतिरिक्त रिपोर्ट भी मंगाने की आवश्यकता महसूस हो रही है। सरकार ने 11 मई को उच्च अदालत के अवकाशप्राप्त न्यायाधीश अच्युत प्रसाद भण्डारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। समिति में महालेखा नियंत्रक शोभाकांत पौडेल और महान्यायाधिवक्ता कार्यालय के सहन्यायाधिवक्ता अच्युत मणि न्यौपाने सदस्य हैं। गुरूंग ने 22 अप्रैल को गृह मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। 27 मार्च को गृह मंत्री बने गुरूंग अपनी संपत्ति का विवरण सार्वजनिक होने के बाद विवादों में घिर गए थे। उनके द्वारा सार्वजनिक किए गए विवरण में कानूनी सीमा से अधिक जमीन होने का उल्लेख किया गया । अस्वाभाविक तरीके से संपत्ति अर्जित करने के आरोपों में हिरासत में रखे गए व्यवसायी दीपक भट्ट से जुड़ी कंपनी में गुरूंग की हिस्सेदारी को भी संदिग्ध माना जा रहा है। समिति इन्हीं मुद्दों की जांच कर सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपने वाली है।

प्रसव के दौरान महिला का बहा 5.5 लीटर खून, चली गई कोमा में

लंदन। कई बार मां बनने की खुशी महिलाओं के लिए जिंदगी और मौत के बीच की जंग में बदल जाती है।

कुछ ऐसा ही हुआ ब्रिटेन की 32 वर्षीय साराह मिल्स के साथ, जब बेटी को जन्म देते समय उनकी हालत बेहद गंभीर हो गई। प्रसव के दौरान साराह के शरीर से करीब 5.5 लीटर खून बह गया, जिसके बाद वह कोमा में चली गईं। इस दौरान उन्हें ऐसा महसूस हुआ मानो वह स्वर्ग की ओर जा रही हों। लंदन के हैरिंगे इलाके में रहने वाली साराह ने अपने इस भयावह अनुभव को साझा करते हुए बताया कि उन्हें एक समय लगने लगा था कि अब उनकी मौत निश्चित है। हालांकि उसी पल उन्हें अपनी नवजात बेटी का ख्याल आया और उन्होंने खुद को जिंदगी की ओर वापस लौटता महसूस किया। साराह का कहना है कि मां बनने की भावना और बेटी के लिए जीने की इच्छा ने उन्हें मौत के मुंह से वापस खींच लिया। यह घटना 24 अक्टूबर 2025 की है, जब साराह को इमरजेंसी सी-सेक्शन के लिए अस्पताल ले जाया गया था। डाक्टरों ने पाया कि उनकी बेटी मायला का हाथ सर्विक्स से बाहर आ चुका था, जिसके कारण तुरंत आपरेशन करना जरूरी हो गया। रात करीब 8 बजकर 21 मिनट पर बच्ची का सुरक्षित जन्म हो गया, लेकिन इसके कुछ ही देर बाद साराह की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। उन्हें तेज गर्मी महसूस होने लगी और शरीर बेहद कमजोर पड़ गया। स्थिति गंभीर होते देख डाक्टरों ने उन्हें तुरंत जनरल एनेस्थीसिया दिया। जांच के दौरान पता चला कि उनके सर्विक्स पर खून का थक्का जम गया था।

पहली विदेश यात्रा के लिए बांग्लादेशी पीएम रहमान ने चुना चीन, दिल्ली के बजाय बीजिंग को दी प्राथमिकता

ढाका। भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश के साथ कभी बेहद मधुर संबंध हुआ करते थे, लेकिन पिछले कुछ

समय में वहां हुए बड़े सियासी उलटफेर के बाद दोनों देशों के बीच तनातनी काफी बढ़ गई है। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से हटने और भारत में शरण लेने के बाद से ही ढाका और नई दिल्ली के रिश्तों में एक बड़ी खाई देखने को मिल रही है। हालांकि, बांग्लादेश में तारिक रहमान की नई सरकार के गठन के बाद यह कयास लगाए जा रहे थे कि दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में सुधार आएगा, लेकिन हालिया घटनाक्रम और रणनीतिक संकेत कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि पड़ोसी देश में सिर्फ नेतृत्व बदला है, लेकिन भारत के प्रति पुराना रवैया बरकरार है। खबरों के मुताबिक, बांग्लादेश के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान आगामी जून महीने के अंत में चीन के आधिकारिक दौरे पर जा सकते हैं। कार्यभार संभालने के बाद यह उनका पहला आधिकारिक विदेश दौरा होगा। कूटनीतिक हलकों में यह कदम इसलिए बेहद चौंकाने वाला माना जा रहा है क्योंकि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पहले ही उन्हें भारत आने का निमंत्रण मिल चुका था। इसके अलावा, पहले इस बात की भी पुरजोर चर्चा थी कि तारिक रहमान अपनी पहली विदेश यात्रा के तौर पर भूटान को चुन सकते हैं। इसके बावजूद, सभी कयासों को दरकिनार करते हुए उन्होंने बीजिंग यात्रा को प्राथमिकता दी है, जिससे साफ संकेत मिलता है कि बांग्लादेश फिलहाल भारत के साथ अपने ठंडे पड़े रिश्तों को सुधारने में ज्यादा उत्सुकता नहीं दिखा रहा है।

यूएई से रातों-रात निकाले जा रहे हजारों पाकिस्तानी शिया मुस्लिम, नौकरी और जमा-पूंजी छिनी, हालात खराब

दुबई

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से बड़ी संख्या में पाकिस्तानी शिया मुसलमानों को अचानक डिपोर्ट (देश निकाला) किया जा रहा है। खाड़ी क्षेत्र में बढ़े भू-राजनीतिक तनाव के बीच बरसों से वहां रह रहे लोग बिना नौकरी, बिना सामान और अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी के बिना ही पाकिस्तान लौटने को मजबूर हैं। यूएई से निकाले गए इन हजारों शियाओं की स्थिति ने पूरे समुदाय में खलबली मचा दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वाच ने भी इस चिंताजनक स्थिति की जांच शुरू कर दी है।

यह सिलसिला मुख्य रूप से 28 फरवरी के बाद से तेज हुआ है, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले शुरू किए थे। इसके जवाब में ईरान ने भी यूएई पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए, जिससे खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षात्मक तनाव काफी बढ़ गया है। पाकिस्तान के शिया राजनीतिक संगठन मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन के डेटाबेस के अनुसार, 28 फरवरी से अब तक कम से कम 7,500 पाकिस्तानी शियाओं को यूएई से निकाला जा चुका है और असल आंकड़ा इससे कहीं ज्यादा हो सकता है। केवल पाकिस्तान के शिया बहुल कुर्रम जिले के ही करीब 1,500 लोगों को वापस भेजा गया है।

डिपोर्ट किए गए लोगों की आपबीती बेहद परेशान करने वाली है। कई प्रभावितों ने बताया कि उन्हें अपनी सेविंग्स निकालने या घर से सामान उठाने तक का मौका नहीं दिया गया। हिरासत के दौरान यूएई के अधिकारियों ने उनसे सैलरी और पाकिस्तान भेजे जाने वाले पैसों के बारे में पूछताछ करते हुए सीधे सवाल दागे कि क्या तुम ईरान को फंड देते हो कई सालों तक दुबई में मैनेजर रहे एक शख्स ने बताया कि पुलिस ने उनका फोन छीन लिया, हथकड़ी लगाई और कई दिनों तक हिरासत में रखने के बाद सीधे एयरपोर्ट ले जाकर छोड़ दिया। कई मामलों में पति-पत्नी दोनों को अलग-अलग हिरासत में लेकर डिपोर्ट किया गया है।

इस पूरे घटनाक्रम पर संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है और कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। दूसरी ओर, पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा है कि यूएई ने किसी को भी उसके संप्रदाय के आधार पर नहीं निकाला है, बल्कि ये कार्रवाई यूएई के स्थानीय नियमों के उल्लंघन के चलते हुई है। हालांकि, पाकिस्तान सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर स्वीकार किया कि इस्लामाबाद इस पूरी स्थिति की गुपचुप समीक्षा कर रहा है। यूएई से आने वाले पैसों पर ही इन लोगों के परिवारों का खर्च निर्भर था, और अब बैंक खाते फ्रीज होने से उनके सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

अमेरिका दो मोर्चों पर खेल रहा, ईरान से बातचीत भी चाहता है और दबाव भी

वाशिंगटन। दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल होर्मुज स्ट्रेट से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल गुजरता है। अगर ईरान इस इलाके में दबाव बनाता है या समुद्री गतिविधियां बाधित करता है, तो इसका सीधा असर वैश्विक तेल बाजार और पश्चिमी देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। असल में अमेरिका इस समय दो मोर्चों पर खेलता दिख रहा है। एक तरफ वह ईरान को बातचीत की मेज पर बनाए रखना चाहता है, दूसरी तरफ सैन्य दबाव के जरिए उसे अपनी शर्तें मानने को मजबूर करना चाहता है1 खासतौर पर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका आक्रामक रुख अपना रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ संकेत दिए हैं कि ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार को या तो अमेरिका को सौंपना होगा या फिर अंतरराष्ट्रीय निगरानी में नष्ट करना होगा। ट्रंप ने कहा कि यह प्रक्रिया अमेरिका और ईरान के सहयोग से हो सकती है। उनके बयान से संकेत मिलते हैं कि तेहरान अपने रुख में कुछ नरमी दिखाने को तैयार हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान सैद्धांतिक रूप में अपने उच्च संवर्धित यूरेनियम स्टाक को छोड़ने पर सहमत हो गया है। माना जा रहा है कि यह अमेरिका की बड़ी कूटनीतिक जीत हो सकती है। हालांकि इस समझौते तक पहुंचने के लिए वाशिंगटन लगातार दबाव और बातचीत दोनों का इस्तेमाल कर रहा है।

नेपाल में मानसून के समय आने वाली प्राकृतिक आपदा को लेकर सरकार की तैयारी पूरी

काठमांडू

नेपाल में मानसून के दौरान होने वाली आपदाजनक घटनाओं में खोज और बचाव कार्य के लिए सरकार ने करीब डेढ़ सौ गोताखोरों सहित 26 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैयारी की स्थिति में रखा है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, तीनों सुरक्षा निकायों नेपाल पुलिस, सशस्त्र प्रहरी बल और नेपाली सेना से तैयार किए गए ये सुरक्षाकर्मी आवश्यकता के आधार पर देशभर में परिचालित किए जाएंगे। प्राधिकरण की प्रवक्ता शांति महत ने बताया कि मानसूनी आपदाओं से निपटने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और राष्ट्रीय प्रतिकार्य योजना भी तैयार कर लागू की जा चुकी है। उनके अनुसार संबंधित निकायों को जिम्मेदारियां भी सौंप दी गई हैं। उन्होंने बताया कि मानसूनी आपदाओं के दौरान खोज और बचाव कार्य के लिए नेपाली सेना के 7 हजार 524, नेपाल पुलिस के 10 हजार 585 और सशस्त्र प्रहरी बल के 134 गोताखोरों सहित 8 हजार 110 जवानों को तैयारी की अवस्था में रखा गया है। ये सुरक्षाकर्मी आवश्यकता के अनुसार नेपाल के सभी 77 जिलों में खोज और बचाव कार्य के लिए तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा, जरूरत पड़ने पर प्रत्येक जिले में उपलब्ध अतिरिक्त जनशक्ति भी परिचालित की जाएगी। प्राधिकरण ने इस वर्ष मानसूनजनित आपदाओं से देशभर में 51 हजार 868 परिवारों के कुल 2 लाख 26 हजार 661 लोगों के प्रभावित होने का अनुमान लगाया है। जल तथा मौसम पूर्वानुमान महाशाखा ने इस वर्ष मानसून अवधि में औसत से कम वर्षा और औसत से अधिक गर्मी होने का अनुमान लगाया है। इसी आधार पर प्रभावित लोगों की संख्या का आकलन किया गया है। हालांकि, कम वर्षा होने पर भी कुछ विशेष क्षेत्रों में गंभीर प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए आवश्यक सतर्कता अपनाने की अपील की गई है।

शादी के मंच को दूल्हा-दुल्हन बना लिया कुश्ती का अखाड़ा

गुइझोऊ प्रांत। दक्षिण-पश्चिमी चीन के गुइझोऊ प्रांत में आयोजित एक अनोखी शादी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यहां दूल्हा-दुल्हन ने शादी के मंच को कुश्ती के अखाड़े में बदल दिया और मेहमानों के सामने एक-दूसरे से मुकाबला किया। जानकारी के मुताबिक दूल्हे हे यिनशेंग पेशे से पेशेवर रेसलर हैं। शादी की तैयारियों के दौरान उन्होंने महसूस किया कि गायक, डांसर और बड़े मनोरंजन कार्यक्रमों पर काफी खर्च हो सकता है। इसके बाद उन्होंने अपनी होने वाली पत्नी के साथ मिलकर एक अनोखा विचार तैयार किया। दोनों ने फैसला किया कि शादी में पारंपरिक मंच की जगह रेसलिंग रिंग बनाई जाएगी, ताकि मेहमानों को कुछ अलग और मजेदार देखने को मिले। इसके बाद होटल के हाल को पूरी तरह कुश्ती के अखाड़े जैसा रूप दिया गया। बड़ी स्क्रीन पर ब्राइड वर्सेस ग्रूम लिखा गया और मेहमानों को पहले से बता दिया गया कि इस शादी में सिर्फ स्वादिष्ट खाना ही नहीं, बल्कि मनोरंजन का खास इंतजाम भी रहेगा। जैसे ही मुकाबला शुरू हुआ, पूरा हाल तालियों और शोर से गूंज उठा। बच्चे तक खाना छोड़कर इस अनोखे मैच को देखने में जुट गए। इस मुकाबले को और दिलचस्प बनाने के लिए दूल्हा-दुल्हन ने एक मजेदार शर्त भी रखी थी।

क्यूबा के तरकश में ऐसा पुराना तीर जो अमेरिका के घमंड को कर चुका तार-तार

1999 में स्टील्थ फाइटर एफ-117 को आसमान से खींचकर मिट्टी में मिला दिया

वाशिंगटन

वाशिंगटन से लेकर हवाना तक समंदर की लहरें शांत जरूर दिखती हैं लेकिन इस शांति के पीछे छिपा है एक बारूदी सच जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी बहुत अच्छे से जानते हैं। अमेरिका भले ही अपनी सैन्य ताकत पर गुरूर करे लेकिन वह क्यूबा को कमजोर समझने की भूल कतई नहीं कर सकता। क्यूबा के तरकश में एक ऐसा पुराना, लेकिन बेहद खूंखार तीर मौजूद है जो पहले भी अमेरिका के घमंड को तार-तार कर चुका है। यह है एस-125 पेचौरा एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सिर्फ एक मिसाइल सिस्टम नहीं बल्कि अमेरिका के सबसे आधुनिक लड़ाकू विमानों का डेथ वारंट है। इतिहास गवाह है कि साल 1999 के यूगोस्लाविया युद्ध में इसी घातक सिस्टम ने अमेरिका के उस समय के सबसे अचूक और अदृश्य माने जाने वाले स्टील्थ फाइटर एफ-117 नाइटटाक को आसमान से खींचकर मिट्टी में मिला दिया था। इसे देख पूरी दुनिया सन्न रह गई थी कि एक सोवियत काल के हथियार ने अमेरिका की सबसे गुप्त तकनीक को धूल चटा दी थी। आज भले ही पेंटागन अपने एफ-35 पांचवीं-जेनरेशन फाइटर जेट्स पर नाज करता हो लेकिन क्यूबा की सीमाओं और तटों की ओर आंख उठाने से पहले अमेरिकी रणनीतिकार सौ बार सोचते हैं। आधुनिक रडार और एंटी-जैमिंग तकनीक से अपग्रेड हो चुका क्यूबा का यह कवच कम ऊंचाई पर उड़ने वाली क्रूज मिसाइलों, टोही ड्रोनों और लड़ाकू विमानों को मलबे में तब्दील करने का ताकत रखता है। शीत युद्ध के दौर का एस-125 पचौरा आज भी क्यूबा की हवाई सुरक्षा की रीढ़ है। अमेरिकी प्रतिबंधों और सीमित बजट के कारण क्यूबा नए डिफेंस सिस्टम खरीदने में असमर्थ रहा है, लेकिन उसने रूस और बेलारूस की मदद से इसी पुराने सोवियत सिस्टम को डिजिटल और मोबाइल अपग्रेड देकर आधुनिक लड़ाकू विमानों के लिए एक बड़ा खतरा बना दिया है। अपग्रेडेड पैचोरा-2एम की मारक क्षमता 30 से 32 किलोमीटर तक है। यह जमीन से मात्र 20 मीटर की कम ऊंचाई से लेकर 20,000 मीटर की ऊंचाई पर उड़ रहे दुश्मन के विमानों, क्रूज मिसाइलों और ड्रोन को आसानी से इंटरसेप्ट कर सकता है। इसकी मिसाइल का वजन करीब 950 किलोग्राम होता है, जिसमें 60 किलोग्राम का हाई-एक्सप्लोसिव फ्रैगमेंटेशन वारहेड लगा होता है। यह धमाका करते ही चारों तरफ नुकीले टुकड़े बिखेरता है जो विमान को हवा में ही चीर देते हैं। यह मिसाइल मैक करीब 3700-4300 किमी/घंटा की सुपरसोनिक रफ्तार से दुश्मन का पीछा करती है। मूल रूप से यह एक फिक्स्ड सिस्टम था लेकिन आधुनिक अपग्रेड के बाद इसे भारी ट्रकों पर असेंबल करके मोबाइल बना दिया गया है। हालांकि पेचौरा आधुनिक फिफ्थ-जेनरेशन स्टील्थ फाइटर्स को बहुत लंबी दूरी पर नहीं पकड़ सकता लेकिन क्यूबा की भौगोलिक स्थिति के हिसाब से यह तटीय रक्षा के लिए अचूक है।

नेपाल में कैंसर की दवाओं की भारी किल्लत, करना पड़ रहा है परेशानी का सामना

काठमांडू

नेपाल के सबसे बड़े कैंसर उपचार केंद्र वीपी कोइराला मेमोरियल कैंसर अस्पताल में कैंसर की दवाओं की भारी कमी हो गई है। विश्व स्तर पर प्रभावित हुई कैंसर उपचार की कुछ महत्वपूर्ण दवाएं अस्पताल में भी उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पताल के मेडिकल आन्कोलाजी विभाग के प्रमुख डा. गुरुशरण शाह के अनुसार, वर्तमान में दुनिया भर में कैंसर उपचार में इस्तेमाल होने वाली महत्वपूर्ण दवाओं की कमी देखी जा रही है, जिसका सीधा असर बीपी कोइराला मेमोरियल कैंसर अस्पताल पर भी पड़ा है।

उन्होंने कहा, दवाओं की कमी से केवल कीमोथेरेपी की प्रभावशीलता ही कम नहीं हो रही, बल्कि बाजार में घटिया गुणवत्ता वाली दवाओं के इस्तेमाल से मरीजों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा हो रहा है।

डा. साह के अनुसार, फिलहाल विशेष रूप से कार्बोप्लाटिन और सिसप्लाटिन दवाओं की अत्यधिक कमी है। उनका कहना है कि यह संकट केवल नेपाल तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर है। उन्होंने कहा, इन दवाओं के निर्माण के लिए आवश्यक एपीआई (मुख्य कच्चे तत्व) की वैश्विक आपूर्ति में कमी इसका मुख्य कारण है। निकट भविष्य में आक्सालोप्लाटिन की भी कमी होने की आशंका है।

उन्होंने बताया कि ये दवाएं कैंसर की कीमोथेरेपी योजना का मुख्य आधार होती हैं। साह के मुताबिक इन दवाओं के बिना कीमोथेरेपी का पूरा रेजिमेन संभव नहीं होता और उपचार की प्रभावशीलता पर गंभीर नकारात्मक असर पड़ता है। इसके कारण मरीज

गुणवत्तापूर्ण उपचार से वंचित हो रहे हैं और कैंसर ठीक होने की दर में गिरावट आने का खतरा बढ़ गया है।

डा. साह ने बताया कि कुछ मरीज पड़ोसी देशों या बाहरी दुकानों से दवाएं ला रहे हैं, लेकिन इनमें से कई दवाएं औषधि व्यवस्था विभाग में पंजीकृत नहीं हैं। कई दवाओं के सील टूटी हुई पाई गई हैं और उन्हें कस्टम प्रक्रिया से बचाकर लाया गया है। डा. साह ने कहा, सबसे बड़ा खतरा तापमान का है। कैंसर की अधिकांश दवाओं को 25 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान में रखना जरूरी होता है। लेकिन चितवन जैसे गर्म इलाके में 36-37 डिग्री तापमान में बैग में रखकर लाई गई दवाओं की प्रभावशीलता कम हो जाती है, जिससे फायदा कम और नुकसान ज्यादा हो सकता है। अस्पताल में डे-केयर और वार्ड मिलाकर प्रतिदिन लगभग 200 मरीजों को कीमोथेरेपी की आवश्यकता पड़ती है।

डा. साह ने कहा कि कार्बोप्लाटिन और सिसप्लाटिन जैसी मुख्य दवाओं का दूसरे विकल्पों से आसानी से प्रतिस्थापन संभव नहीं है। उन्होंने कहा, दवाएं उपलब्ध नहीं होने के कारण हमें उपचार में समझौता करना पड़ रहा है, जिससे इलाज की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। डा. साह ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ निजी दवा दुकानदार कमी वाली दवाएं देने के बदले मरीजों को बाकी सभी दवाएं भी उन्हीं की दुकान से खरीदने की शर्त रख रहे हैं। उन्होंने नेपाल सरकार और औषधि व्यवस्था विभाग से तस्करी और बाजार में हो रही अनियमितताओं पर कड़ी निगरानी की मांग की। अस्पताल के पूर्व कार्यकारी निर्देशक डा. शिवजी पौडेल ने बताया कि कार्बोप्लाटिन और सिसप्लाटिन की आपूर्ति छह महीने पहले ही बंद हो चुकी थी। उन्होंने कहा कि सिसप्लाटिन का स्टाक तीन महीने पहले तक केवल आधे मरीजों के लिए पर्याप्त था, जो अब पूरी तरह खत्म हो चुका है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा-से-ज़्यादा रुमानी हो। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। बच्चे भले ही आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हों, लेकिन साथ ही ख़ुशियों की वजह भी साबित होते हैं। ताज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे-से अच्छे काम की बदौलत। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। नयी साझेदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें आप अपने जीवनसाथी के साथ प्रेम के चरम का अनुभव करेंगें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और उद्देश्य को पाने में सहायता मिलेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। आज आपको लाभ मिलेगा, क्योंकि परिवार के सदस्य आपके सकारात्मक रुख़ से प्रभावित होंगे और उसे सराहेंगे। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। जो लोग अब तक बेरोज़गार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुद को ज़्यादा आशावादी बनने के लिए प्रेरित करें। इससे न सिर्फ़ आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यवहार लचीला होगा, बल्कि डर, ईर्ष्या और नफ़रत जैसे नकारात्मक मनोभावों में भी कमी आएगी। व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते है आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। यह ऐसा दिन है जब आप ख़ुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा ख़र्च करना पड़ सकता है। नए पारिवारिक व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुभ दिन है। इसे सफल बनाने के लिए दूसरे सदस्यों की भी मदद लें। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी संत पुरुष का आशीर्वाद मानसिक शान्ति प्रदान करेगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। दफ़्तर में कोई आपकी योजनाओं में अड़ंगा लगा सकता है– इसलिए आँखें खोलकर रखिए और अपने चारों तरफ़ हो रही गतिविधियों के प्रति सजग रहिए

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आज आपके प्रिय की आँखें आपको वाक़ई कुछ ख़ास बताएंगी। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे-से अच्छे काम की बदौलत। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप ख़ुद को परेशानी में डाल सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग करना उपयोगी रहेगा। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे– लेकिन ख़र्चे में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। यह सबसे बेहतर मरहम है। वे कभी न ख़त्म होने वाली ख़ुशियों का स्रोत साबित होंगे। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको समझना चाहिए कि किसी का अनादर और गम्भीरता से न लेना रिश्ते में दरार डाल सकता है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। प्रेम जीवन की डोर को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं तो किसी तीसरे की बातों को सुनकर अपने प्रेमी के बारे में कोई भी राय न बनाएं। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस ख़ाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते है

आज का पंचांग

दिनांक : 28 मई 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रात: 07:59 तक
नक्षत्र : चित्रा प्रात: 08:09 तक
योग : वरियान रात्रि 03:53 तक
करण : बालव प्रात: 07:59 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:35 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस , प्रदोष व्रत ,अधिक मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

महानडू में राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू ने दिया डेढ़ करोड़ का चंदा

अमरावती, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलुगु देशम पार्टी के वार्षिक उत्सव ममहानडूफ के पहले दिन पार्टी नेताओं और प्रशंसकों द्वारा दिए गए दान (चंदे) की सूची की घोषणा खुद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू ने सभा में की।

उन्होंने बताया कि पार्टी को मजबूत बनाने में सहयोग करने वाले लोगों की सराहना करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से दानदाताओं के नामों का खुलासा खुद सभा के मंच से किया गया है।

इसी क्रम में, चंद्रबाबू नायडू ने मंच से घोषणा की कि राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू ने पार्टी को 1.5 करोड़ रुपये (एक करोड़ पचास लाख रुपये) का चंदा दिया है। उन्होंने साना सतीश बाबू की सराहना करते हुए कहा कि वे पार्टी के विकास और कार्यकर्ताओं के कल्याण के लिए हमेशा आगे रहकर सहयोग करते हैं।

दानदाताओं के नामों की घोषणा होते ही महानडू सभा प्रांगण में भारी उत्साह और खुशी का माहौल देखा गया। चंद्रबाबू नायडू ने सेवा भावना के साथ पार्टी के लिए आगे आने वाले नेताओं, उद्योगपतियों और प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी के सिद्धांतों को जनता तक पहुंचाने और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में इस प्रकार का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

त्याग, विश्वास और भाईचारे का प्रतीक है बकरीद का त्योहार: राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू

अमरावती, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू ने ईद-उल-अजहा (बकरीद) के पावन अवसर को त्याग, भक्ति और मानवीय मूल्यों के प्रतीक के रूप में याद किया। उन्होंने इस पवित्र त्योहार के मद्देनजर राज्य के सभी मुस्लिम भाई-बहनों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। बुधवार को जारी एक बयान में साना सतीश बाबू ने कहा कि पैगंबर इब्राहिम द्वारा दिखाया गया आत्मत्याग और ईश्वर के प्रति उनका अटूट विश्वास पूरी मानवता के लिए एक महान आदर्श है। उन्होंने कहा कि बकरीद का यह त्योहार लोगों के बीच प्रेम, भाईचारे और आपसी सहयोग जैसे मूल्यों को और अधिक मजबूत करता है।

उन्होंने आगे उल्लेख किया कि यह त्योहार हमें संदेश देता है कि समाज के सभी वर्गों के लोगों को एकता, एकजुटता और आपसी सम्मान के साथ मिलजुल कर रहना चाहिए।

राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू ने देश में शांति और सद्भाव का माहौल बने रहने तथा सभी लोगों के सुख-समृद्धि के साथ जीवन जीने की कामना की। साथ ही उन्होंने प्रार्थना की कि यह त्योहार हर घर में खुशियां और संपन्नता लेकर आए।

माता रमाबाई अंबेडकर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

आसिफाबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत के संविधान निर्माता एवं बोधिसत्व डॉ. भीमराव अंबेडकर की धर्मपत्नी तथा त्यागमूर्ति माता रमाबाई अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को जिला केंद्र स्थित लुंबिनी दीक्षा भूमि में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने माता रमाबाई अंबेडकर के त्याग, धैर्य एवं संघर्षपूर्ण जीवन को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सेंटर कमेटी के मुख्य सचिव दुर्गम प्रशांत ने कहा कि बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के उच्च आदर्शों और सामाजिक परिवर्तन के महान मिशन को पूरा करने में माता रमाबाई अंबेडकर का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि माता रमाबाई ने कठिन परिस्थितियों में भी त्याग, धैर्य और समर्पण का परिचय दिया, जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

कार्यक्रम में लुंबिनी दीक्षा भूमि अध्यक्ष तुकाराम, सेंटर कमेटी उपाध्यक्ष चंद्री चंद्रैया, कोषाध्यक्ष दुर्गम अनिल, कार्यकर्ता जाडी संतोष, तक्षंदे शंकर, प्रचार सचिव वैरगड़े लोहाजी, पूर्व अध्यक्ष जाडी बापू, सुधाकर, स्टियरिंग कमेटी अध्यक्ष दुर्गम यशवंत राव, दुर्गम तिरुपति तथा सदस्य दुर्गम पुरुषोत्तम, कटकर अजीत, बौद्ध उपासक कोंडैया, दुर्गम मारुति, जाडी अशोक और कटकर भीमराव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

वनपर्थी में एक ही परिवार के चार सदस्य मृत मिले

वनपर्थी, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के वानापर्थी जिले के एक गांव में मंगलवार रात एक ही परिवार के चार सदस्य मृत पाये गये। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, देवरा कद्र मंडल के डोकुर गांव के निवासी नरसिम्हा (40) ने सल्कलपुर में एक आम का बगीचा पट्टे पर लिया था और वह वहां अपने परिवार के साथ रह रहे थे। उन्होंने अपनी जीवन लीला समाप्त करने से पहले कथित तौर पर अपनी पत्नी हेमलता (36) और आठवीं और दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले अपने दो बच्चों साई निहाल और साई श्रीनि की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि नरसिम्हा ने कथित तौर पर दोनों बच्चों को पानी के हौज में फेंक दिया और बाद में अपनी पत्नी को फांसी पर चढ़ा दिया। इसके बाद उन्होंने खुद बगीचे के पास एक पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली।

घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रारंभिक रूप से घटना के पीछे आर्थिक तंगी और बढ़ता कर्ज संभावित कारण माना जा रहा है। मामले की आगे की जांच जारी है।

मेवाड़ के भजन गायक धनराज जोशी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

मेवाड़ (राजस्थान), 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थान के मेवाड़ क्षेत्र के सुप्रसिद्ध भजन गायक धनराज जोशी को उनकी स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भावपूर्ण स्वरांजलि अर्पित की गई। उनके गांव बड़वाई में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालु, कलाकार एवं प्रशंसक शामिल हुए।

गौरतलब है कि भजन गायक धनराज जोशी का शुक्रवार, 1 मई 2026 को एक भीषण सड़क हादसे में निधन हो गया था, जिससे राजस्थान सहित देशभर के भजन प्रेमियों में शोक की लहर दौड़ गई थी।

धनराज जोशी की स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मारवाड़, मेवाड़ और मालवा क्षेत्र के लगभग 150 कलाकारों ने स्वरांजलि

प्रस्तुत कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में जनसैलाब उमड़ पड़ा और पूरा वातावरण भावुक हो गया।

इस अवसर पर पद्मश्री प्रह्लाद सिंह टिपन्निया, कालूराम बामनिया, भजन सम्राट मोहिनुद्दीन मनचला, जोग भारती, ओमप्रकाश वैष्णव, लेहरूलाल स्वरलहरी, प्रकाश माली, रमेश माली, आशा वैष्णव, किशोर पालीवाल, उद्घोषक ओमप्रकाश महावर ब्यावर, मशरूम मनचला, सी. पी. जोशी, लक्ष्मण बापू गढ़वी सहित मारवाड़, मेवाड़ और मालवा के अनेक सुप्रसिद्ध कलाकारों ने अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

धनराज जोशी मेवाड़ और मारवाड़ क्षेत्र में अपने भजनों तथा अनोखी कॉमेडी शैली के लिए अत्यंत लोकप्रिय थे। पिछले वर्ष बाबा रामदेव भजन मंडली द्वारा आयोजित जागरण कार्यक्रम में उन्होंने अपनी मधुर आवाज से भाग्यनगरवासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया था।

उन्होंने अपनी गायकी और मंचीय प्रस्तुति के माध्यम से पूरे देश में राजस्थानी समाज के लोगों के दिलों में विशेष स्थान बनाया।

धनराज जोशी की शिक्षा केवल आठवीं कक्षा तक हुई थी। उन्होंने पहली बार स्कूल की पहली कक्षा में मंच पर गायन प्रस्तुति दी थी। संगीत और भजन गायन की प्रेरणा उन्हें परिवार से मिली थी। उनके नाना-नानी तथा माता भोली बाई भी भजन गायक थे।

चार बहनों के बीच धनराज जोशी इकलौते भाई थे। उनकी बहनें भी भजन एवं सांस्कृतिक गीत गाती थीं, लेकिन धनराज जोशी ने अपनी प्रतिभा से अपार लोकप्रियता हासिल की।

उनके परिवार में दो पुत्र गणपत एवं सोनू तथा एक पुत्री किरण हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी बड़ी लोकप्रियता थी और इंस्टाग्राम पर उनके लगभग 3.79 लाख फॉलोअर्स थे।

कामारेड्डी बस स्टैंड में पुलिस का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बांसवाड़ा, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कामारेड्डी जिले के पुलिस अधीक्षक एम. राजेश चंद्र के निर्देश पर पुलिस आर्ट ग्रुप की ओर से कामारेड्डी बस स्टैंड परिसर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से आम नागरिकों को साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, सड़क सुरक्षा एवं अन्य सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने साइबर क्राइम टोल फ्री नंबर 1930 की जानकारी देते हुए लोगों से अपील की कि वे अपना ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। आपातकालीन स्थिति में 100 नंबर डायल करने की सलाह भी दी गई। महिलाओं की सुरक्षा के लिए कार्यरत शी टीम के बारे में जानकारी देते हुए शी टीम का टोल फ्री नंबर 872686094 भी साझा किया गया। कार्यक्रम में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए हेलमेट पहनने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा गर्मी के मौसम में चोरी की घटनाओं से बचने हेतु सतर्क रहने तथा छुट्टियों के दौरान छोटे बच्चों के स्विमिंग करते समय सावधानी बरतने की सलाह दी गई। पुलिस कलावृंदम इंचार्ज हेड कांस्टेबल रामंचा तिरुपति एवं शेष राव सहित पुलिस कांस्टेबल प्रभाकर, सैलू और कामारेड्डी टीम के सदस्यों ने गीतों एवं भाषणों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।

गोदावरीखनी से श्रद्धालुओं का दल अयोध्या धाम पहुंचा

मंचेरियाल, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोदावरीखनी से श्रद्धालुओं का एक दल अयोध्या धाम पहुंच गया है। श्रद्धालु 28 मई से 3 जून तक आयोजित होने वाले भव्य 225 कुंडीय श्री महालक्ष्मी यज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा कार्यक्रम में भाग लेंगे।

यह धार्मिक आयोजन श्री पुरुषोत्तम मास महोत्सव के अंतर्गत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम परम पूज्य स्वामी श्री धनश्यामाचार्य जी महाराज के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में संपन्न हो रहा है, जिसमें देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

अयोध्या पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने पवित्र सरयू नदी के तट पर श्रद्धा एवं आस्था के साथ स्नान कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। श्रद्धालुओं में कार्यक्रम को लेकर विशेष उत्साह एवं भक्ति भाव देखने को मिला।

श्रद्धालुओं ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा एवं महायज्ञ जैसे धार्मिक आयोजनों में भाग लेने से आध्यात्मिक ऊर्जा और धार्मिक संस्कारों की अनुभूति होती है। पूरे आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में गहरा उत्साह बना हुआ है। इस अवसर पर राठी, लाहोटी एवं ईनाणी परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

बांसवाड़ा में महिला समाख्या प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन, करोड़ों रुपये के चेक वितरित

पोचाराम श्रीनिवास ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को किया सम्मानित

बांसवाड़ा, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एमईपीएमए एवं एसईआरपी द्वारा आयोजित 99 दिवसीय पब्लिक गवर्नेंस – प्रोग्रेस प्लान वीक सेलिब्रेशन कार्यक्रम के अंतर्गत तेलंगाना सरकार के कृषि सलाहकार एवं बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने बांसवाड़ा शहर एवं ग्रामीण मंडल के विलेज एसोसिएशन, वार्ड एसोसिएशन अध्यक्षों तथा वीओए प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

कार्यक्रम के तहत कामारेड्डी जिले के डोमाकोंडा एवं बांसवाड़ा मंडलों के लिए स्वीकृत मंडल महिला समाख्या सामुदायिक प्रबंधन प्रशिक्षण केंद्रों में से बांसवाड़ा मंडल के लिए स्वीकृत प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी द्वारा किया गया।

इसके पश्चात बांसवाड़ा मंडल समाख्या की ओर से 52 महिला मंडलों, महिला मंडलों की अध्यक्षों तथा प्रधानमंत्री सुरक्षित विवाह अभियान योजना के अंतर्गत 15 लाभार्थियों को कुल 6 करोड़ 13 लाख रुपये के चेक वितरित किए गए। विधायक पोचाराम ने चार लाभार्थियों को स्वयं चेक प्रदान किए।

बाद में नगरपालिका कार्यालय में नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती कसुला विजयलक्ष्मी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 10 महिला मंडलों को 2 करोड़ रुपये के चेक वितरित किए गए।

इसके साथ ही बांसवाड़ा शहर में 18 वर्ष से अधिक आयु के पात्र सफेद राशन कार्डधारक लाभार्थियों को इंदिरम्मा महिला शक्ति साड़ियों का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम में कामारेड्डी एमईपीएमए पीडी श्रीधर रेड्डी, एपीडी श्रीमती विजयलक्ष्मी, डीपीएम श्रीनिवास सहित बांसवाड़ा शहरी एवं ग्रामीण मंडलों के जनप्रतिनिधि, पार्षद एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य गठन दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

पेद्दापल्ली, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रेवेन्यू डिवीज़नल ऑफिसर (आरडीओ) गंगैया ने संबंधित अधिकारियों को जिले में आयोजित होने वाले राज्य गठन दिवस समारोह के लिए भव्य एवं सुव्यवस्थित इंतज़ाम करने के निर्देश दिए हैं।

आरडीओ गंगैया ने इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट कलेक्ट्रेट के कॉन्फ्रेंस हॉल में राज्य गठन दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की।

बैठक के दौरान आरडीओ गंगैया ने कहा कि राज्य गठन दिवस समारोह इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित किया जाएगा तथा जिले के सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी अनिवार्य रूप से समारोह में भाग लें।

उन्होंने निर्देश दिए कि समारोह से संबंधित झंडारोहण स्थल की व्यवस्था, भूमि की तैयारी एवं अन्य आवश्यक कार्य पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों के समन्वय से समय पर पूरे किए जाएं। आर एंड बी विभाग के अधिकारियों को समारोह के लिए मंच निर्माण एवं बैठक व्यवस्था को सुव्यवस्थित ढंग से पूरा करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि प्रोटोकॉल के अनुसार अतिथियों एवं अधिकारियों के बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

आरडीओ ने निर्देश दिए कि समारोह स्थल पर एएनएम की निगरानी में मेडिकल टीमों द्वारा मेडिकल कैंप लगाए जाएं। साथ ही नगर पालिका आयुक्त को आवश्यकता के अनुसार पेयजल आपूर्ति की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

उन्होंने कहा कि समारोह के लिए आमंत्रण पत्र प्रोटोकॉल के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजे जाएं।

बैठक में आरडीओ ने एमईपीएमए अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पेद्दापल्ली शहर के स्वशक्ति महिला संघों के प्रतिनिधियों की समारोह में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

कभी सोचा है कि मानव रूप में जो भगवान धरती पर आए थे, उनकी मृत्यु कैसे हुई।

संसार के कल्याण के लिए उन्होंने तमाम लीलाएं रचीं और लोगों को जीवन का गूढ पाठ पढाया। जन्म लेने का मकसद पूरा होने के बाद हमारी ही तरह उन्होंने भी दुनिया को अलविदा कहा था।

जब-जब धरती पर अधर्म बढा है, भगवान ने खुद यहां कई रूपों में अवतरित होकर दुनिया का उद्धार किया है।

संसार के कल्याण के लिए उन्होंने तमाम लीलाएं रचीं और लोगों को जीवन का गूढ पाठ पढाया। जन्म लेने का मकसद पूरा होने के बाद हमारी ही तरह उन्होंने भी दुनिया को अलविदा कहा था।

मनुष्य रूप में जन्म लेने के कारण ईश्वर को भी धरती से वापस जाना पडा। हम इसीलिए उन्हें पूजते हैं, क्योंकि उनके जीवन की हर घटना हमारे पूरे अस्तित्व को बदल सकती है। हम उनकी लीलाओं से बहुत कुछ सीख सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि अवतार रूप में संसार में आने वाले देव पुरुष किस तरह यहां से वापस गए थे।

सरयू नदी में समा गए श्रीराम

पद्म पुराण के अनुसार, श्रीराम से मिलने एक बार एक संत आए और उन्होंने उनसे एकांत में बात करनी चाही। श्रीराम ने आदेश दिया कि कोई भी उनकी बातचीत के बीच न आए और इसकी जिम्मेदारी लक्ष्मण को दी। साथ ही संत के कहने पर प्रतिज्ञा की कि अगर किसी ने उनकी बात सुनी और बीच में आया तो उसे मृत्युदंड मिलेगा। दरअसल, संत के रूप में वो महाकाल आए थे, जिन्होंने राम से कहा कि हे प्रभु। धरती पर आपका रहने का समय समाप्त हो चुका है, इसलिए अब आप अपने श्रीधाम में पधारें। इसी बीच द्वार पर महाक्रोधी दुर्वासा ऋषि आए और श्रीराम से मिलने की जिद करने लगे। उन्होंने कहा कि अगर अभी लक्ष्मण ने उनसे मिलने न दिया तो वे राम को शाप दे देंगे। लक्ष्मण भाई के आदेश से बंधे थे, फिर भी उन्होंने भाई को शाप से बचाने के लिए खुद का जीवन दाव पर लगाने की ठानी।वे श्रीराम के पास चले गए और दुर्वासा ऋषि के आने की जानकारी दी। श्रीराम को अपनी प्रतिज्ञा याद करके बहुत दु:ख हुआ। वे अपने परम प्रिय भाई को मौत की सजा भला कैसे दे सकते थे।

लक्ष्मण का जाना

पहले के समय में देश से निकाला जाना भी मृत्युदंड के बराबर ही माना जाता था। इसलिए श्रीराम ने लक्ष्मण को देश छोड कर चले जाने का आदेश दिया। पर बिना श्रीराम के लक्ष्मण नहीं रह सकते थे, इसलिए उन्होंने जाकर सरयू नदी में समाधि ले ली और फिर शेषनाग के रूप में अपने लोक चले गए। उनके बिना श्रीराम का मन नहीं लगता था, फिर एक दिन उन्होंने भी इस लोक से जाने का निश्चय किया और सरयू नदी के आंतरिक भू-भाग तक जाकर उसमें लीन हो गए।

जब-जब धरती पर अधर्म बढा है, भगवान ने खुद यहां कई रूपों में अवतरित होकर दुनिया का उद्धार किया है। संसार के कल्याण के लिए उन्होंने तमाम लीलाएं रचीं और लोगों को जीवन का गूढ पाठ पढाया। जन्म लेने का मकसद पूरा होने के बाद हमारी ही तरह उन्होंने भी दुनिया को अलविदा कहा था।

श्रीकृष्ण को बहेलिए ने मारा तीर

महाभारत की समाप्ति के बाद कृष्ण को इसका जिम्मेदार मानते हुए कौरवों की मां गांधारी ने उन्हें शाप दिया था। उन्होंने श्रीकृष्ण से कहा कि 'आप जानते थे इस युद्ध का परिणाम कितना भयावह होगा और इतने लोगों की मौत होगी, फिर भी आपने इसे नहीं रोका। मैंने आपसे कितनी बार इस युद्ध को रोकने का आग्रह किया, लेकिन आपने कुछ नहीं किया। पुत्रों को खोने का दर्द अपनी मां देवकी से पूछो कि पुत्रों को खोने का गम क्या होता है।' फिर उन्होंने गुस्से से कहा कि 'अगर मैंने पूरे मन से भगवान विष्णु की पूजा की हो और अपने पति की पूरे मन से सेवा की हो, तो जैसे मेरा कुल समाप्त हुआ, तुम्हारा कुल भी तुम्हारी आंखों के सामने समाप्त हो जाएगा और तुम देखते रह जाओगे। द्वारका तुम्हारे सामने ही समुद्र में डूब जाएगी और यदुवंश का नाश हो जाएगा।'

इतना कहने के बाद जब क्रोध शांत हुआ तो गांधारी भगवान श्रीकृष्ण के कदमों में गिर पडीं। भगवान ने उन्हें उठाया और कहा कि 'माता मुझे आपसे इसी आशीर्वाद की प्रतीक्षा थी, मैं आपके शाप को ग्रहण करता हूं।' इसके बाद गांधारी और यदुवंश के बच्चों को ऋषियों से मिले शाप के कारण द्वारका के लोग अनुशासनहीन हो गए और उनमें बुरी आदतें आ गईं। एक बार उत्सव के लिए यदुवंशी सागर किनारे एकत्र थे। इसी दौरान किसी बात पर नशे में डूबे इन लोगों में लडाई शुरू हो गई। इसके बाद वहां उगी एरका नामक घास से लोग एक-दूसरे पर प्रहार करने लगे। वो घास शाप के प्रभाव के कारण मूसल बन जाती थी और इन लोगों की मृत्यु हो जाती थी। इस तरह नष्ट हुए वंश के बाद श्रीकृष्ण एक बार जंगल में एक पेड के नीचे विश्राम कर रहे थे, तभी एक तीर आकर उनके तलवों में लगा।

बहेलिए ने शिकार समझकर तीर मारा था। उसने बहुत माफी मांगी, लेकिन श्रीकृष्ण को तो इसी बहाने अपने धाम जाना था और वो चले गए।

देवताओं के अंश पांडव

महाभारत युद्ध के उपरांत अपनी प्रजा की सेवा करने के कुछ समय बाद जब श्रीकृष्ण भी इस लोक से जा चुके थे, तो पांडव भी द्रौपदी समेत स्वर्ग जाने के लिए निकले। ये सभी पांडव किसी न किसी देवता का रूप या अंश थे। अनेक तीर्थों, नदियों व समुद्रों की यात्रा करते-करते पांडव आगे बढने लगे। यात्रा करते-करते पांडव हिमालय तक पहुंच गए, हिमालय लांघ कर पांडव आगे बढे तो उन्होंने सुमेरु पर्वत के दर्शन किए। वहीं से पहले द्रौपदी फिर सारे पांडव एक-एक करके मरने लगे, सिर्फ युधिष्ठिर और उनके साथ ही चल रहा कुत्ता जीवित रहा। इसके बाद उन्हें स्वर्ग ले जाने के लिए स्वयं देवराज इंद्र अपना रथ लेकर आए। तब युधिष्ठिर ने इंद्र से बाकी पांडवों के मरने का कारण पूछा।

इंद्र ने बताया कि पांचाली अर्जुन से ज्यादा मोह के चलते और भीम को बल का, अर्जुन को युद्ध कौशल का, नकुल को रूप और सहदेव को बुद्धि पर घमंड था।

इसके कारण वे सशरीर स्वर्ग नहीं जा पाए। इन तथ्यों को जानने के बाद एक बात तो साफ है कि ये दुनिया नश्वर है और यहां जन्मे हर जीव पर एक ही नियम लागू होता है। जो आया है, उसे जाना ही होगा, चाहे इन्सान हो या भगवान।

अहंकार से समाज का विनाश हो सकता है, लेकिन जनकल्याण की भावना संपूर्ण मानव जाति का भला कर सकती है।

भगवान इंद्र के कहने पर दधीचि ने किया था 'अस्थि दान'

एक बार देवराज इंद्र को अपनी शक्तियों का अहंकार हो गया और उन्होंने गुरु बृहस्पति को अपनी बातों से दुखी कर दिया। बृहस्पति के देवलोक छोडते ही देवताओं की शक्तियां कम हो गईं और असुरों ने उन पर आक्रमण कर दिया। नाना प्रकार की कोशिशें करने के बाद महर्षि विश्वरूप की कृपा से देवता जीत तो गए, लेकिन इंद्र ने दोबारा गलती कर दी। उन्होंने अपनी बातों से विश्वरूप को दुखी कर दिया। विश्वरूप के साथ छोडते ही वृतासुर नाम के असुर ने देवराज इंद्र पर आक्रमण कर दिया। देवराज भागकर सीधे भगवान विष्णु की शरण में आ गए। विष्णु ने उनसे कहा कि अहंकार के वशीभूत होकर आपने जो गलती की है, वह अक्षम्य है। ऐसी स्थिति में महर्षि दधीचि ही आपकी रक्षा कर सकते हैं।

इंद्र ने दधीचि के पास जाकर कहा कि श्री विष्णु के बताए उपाय के अनुसार, यदि आप अपनी अस्थियां दान में दे दें तो उनसे वज बनाकर वृतासुर से युद्ध किया जा सकता है। तब दधीचि ने कहा कि यदि मेरी अस्थियां जनकल्याण के काम में लायी जाती हैं, तो मैं तैयार हूं। उन्होंने अपने शरीर पर मिष्ठान्न का लेपन किया और समाधिस्थ हो गए।

कामधेनु गाय ने उनके शरीर को चाटना आरंभ कर दिया। कुछ देर में महर्षि के शरीर की त्वचा, मांस और मज्जा उनके शरीर से विलग हो गए। मानव देह के स्थान पर सिर्फ उनकी अस्थियां ही शेष रह गईं। इंद्र ने उन अस्थियों से 'तेजवान' नामक वज बनाया। इस वज्र के बल पर उन्होंने वृतासुर को ललकारा।

'तेजवान' वज से प्रहार कर इंद्र ने वृतासुर का वध कर डाला। सच ही कहा गया है कि अहंकार से समाज का विनाश हो सकता है, लेकिन जनकल्याण की भावना संपूर्ण मानव जाति का भला कर सकती है।

मेडिटेशन के बिल्कुल करीब है नींद

अत्यधिक तनाव के कारण लोग स्वाभाविक नींद को भूलते जा रहे हैं और दवाइयों के सहारे सोने का प्रयास करते हैं, लेकिन अगर ध्यान तकनीक का यूज किया जाए तो यह नींद के लिए काफी मददगार साबित हो सकता है।

नींद विश्रांति का सबसे अच्छा तरीका है जो ध्यान, मेडिटेशन के बिल्कुल करीब है। इसीलिए जो लोग अच्छी नींद लेते हैं, वे सदैव तन से भी सेहतमंद रहते हैं और मन से भी प्रफुल्लित रहते हैं। शेक्सपीयर के अनुसार नींद प्रतिदिन के जीवन के लिए मृत्यु, कठिन परिश्रम के लिए स्नान, घायल मस्तिष्क के लिए शान्तिदायिनी औषधि और क्षतिपूर्ण शरीर के लिए अमृतकुंड है।

वस्तुत: मृत्यु के अनंतर भी हम एक लंबे विकास की स्थिति में होते हैं और जिस तरह हंसते-खेलते शिशु के रूप में हम पुन: जीवन धारण करते हैं, ठीक उसी तरह प्रतिदिन की नींद के बाद भी नवचेतना के साथ नया जीवन प्राप्त कर हम पुन: अपने कामकाज में लग जाते हैं. वाह! यह कैसा अद्भुत खेल है प्रकृति का यह कैसी महान कृपा है निद्रादेवी की मनुष्य पर की जो वह हारा थका चूर-चूर होकर संसार की परेशानियों से क्लांत होकर निद्रादेवी की गोद में आकर सो जाता है और दूसरे दिन नव जागृत स्फूर्ति नवजीवन प्रसन्नता एवं उत्साह के साथ तरोताजा होकर उठता है। मजे की बात तो यह है कि इस महान उपकार के बदले हमें मां पकृति को कुछ भी देना नही पडता। किन्तु मनुष्य तो आखिर मनुष्य ही ठहरा, जो मुत में प्राप्त हुई इतनी अमूल्य सौगात, जिसकी तुलना में संसार का कोई भी पदार्थ समर्थ नहीं है, उसे भी अपने पास रख नहीं पाता। जी हां, हम सभी जानते हैं कि आज के संसार में एक गहरी नींद का आनंद तो जैसे दुर्लभ अवसर बन गया है, क्योंकि आज लाखों लोग स्लीप एप्निया, अनिद्रा, रेस्टलेस लेग सिंड्रोम एवं नार्कोलेप्सी जैसे विविध नींद संबंधी विकारों से ग्रस्त हैं।

भारत में हुए एक ताजा सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि बडे महानगरों में रहनेवाले लगभग 75 प्रतिशत से भी अधिक लोग नींद संबंधी शिकायतों को लेकर अपने डॉक्टरों के पास पहुंचते हैं। क्यों क्योंकि अत्यधिक तनाव के कारण लोग स्वाभाविक निद्रा को भूलते जा रहे हैं और दवाइयों के सहारे सोने का प्रयास करते हैं। हमारी नींद को प्रभावित करनेवाला अन्य एक महत्वपूर्ण कारक है हमारा आहार। जी हां। यह एक चिकित्सकीय सिद्ध तथ्य है कि खराब मानसिक स्वास्थ्य प्रतिकूल रूप से व्यक्ति की खाने की आदतों को प्रभावित करता है और आगे चलकर फिर वह उसकी नींद और स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। ऐसी बीमारियों में समुचित ध्यान तकनीक का यदि नियमित रूप से अयास किया जाये तो वह शरीर, स्वास्थ्य और नींद के लिए काफी मददगार सिद्ध हो सकती है।

मनुष्य के लिए कितने घंटे की नींद पर्याप्त है। इस विषय पर वर्षो से अनेक विचार-विमर्श और बहस होती रही हैं। शरीर विज्ञानियों के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को नींद की आवश्यकता अलग-अलग होती है।

कई व्यक्ति तीन-चार घंटे की नींद में ही पूर्ण विश्राम ले लेते हैं, जबकि बहुत से लोग ऐसे भी होते हैं जो आठ-दस घंटे सोने पर भी पर्याप्त विश्राम नहीं ले पाते।

अत: निद्रा का समय व्यक्ति विशेष को अपनी आवश्यकतानुसार दिनचर्या में समाविष्ट करना चाहिए। शास्त्रकारों के अनुसार प्रात: जल्दी उठना और रात्रि को जल्दी सो जाना उत्तम स्वास्थ्य एवं स्वस्थ मस्तिष्क के लिए सर्वोत्तम है।

शिव का अर्थ है कल्याण

महंत रविंद्र पुरी महाराज धर्मनगरी के प्रख्यात शिव विद्या के उपासकों में से एक माने जाते हैं। महंत रविंद्र पुरी महाराज ने 1984 में संन्यास ग्रहण किया था। वर्तमान में वे कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर के परमाध्यक्ष व महानिर्वाणी अखाडा के सचिव हैं। सर्वेश्वर भगवान शिव की जगत कल्याणकारी अनेक लीलाओं का वर्णन शिव पुराण के अंतर्गत श्री व्यास जी ने किया है। इसका पठन पाठन श्रवण कर सांसारिक प्राणी तो क्या देवताओं ने भी मनोवांछित फल की प्राप्ति की है। इसके अलावा मानव जगत में शिव मोक्ष के देव हैं। शिव के पूजन के कई तरह के विधि विधान शास्त्रों और पुराणों में वर्णित है। लेकिन, यदि देखा जाए तो शिव से सरल और कोई देव नहीं है। वास्तव में शिव ही इस संसार का सत्य हैं। पृथ्वी पर जितने उपासक शिव के हैं अन्य किसी देवता के नहीं हैं, क्योंकि शिव ही सभी रूपों में विद्यमान हैं। शिव महापुराण में वर्णित है कि भगवान शिव ने विष्णु भगवान से कहा था कि 'त्रिदेवा अपि में रूपं हर: पूर्णो विशेषत:। उमाया अपि रूपाणि भविष्यन्ति त्रिधा सुता।।'

अर्थात हे तात् यद्यपि ब्रहम हरि तथा तुम तीनों ही मेरे रूप हो परंतु विशेषकर हरि ही मेरा पूर्ण रूप है, इसी प्रकार लक्ष्मी, सरस्वती तथा उमा शक्ति के भी तीन रूप हैं, किंतु उमा सब में पूर्ण रूप हैं। विष्णु रूप की लक्ष्मी, ब्रहम रूप की सरस्वती तथा हरि रूप की उमा अर्धांगिनी होंगी इसलिए सिर्फहर यानि शिव को पूजने से ही सभी देवताओं की कृपा प्राप्त हो जाती है। शिव का वास श्मशान में भी माना जाता है, इसलिए श्मशान की भस्म का पूजन भी विशेष पूजन विधियों में आता है। कनखल से भगवान शिव का आदि काल से नाता है। यह पृथ्वी पर मात्र एक ऐसा मानव सभ्यता वाला नगर है जहां पर साल में श्रवण मास में शिव वास करते हैं।

सुख पाने के लिए ये 6 उपाय आजमाएं

सुख की चाहत हर किसी को होती है। इसके चलते ही लोग परिश्रम करते हैं ताकि धन के जरिए सुख को प्राप्त किया जा सके। लेकिन सुख मन से भी मिलना चाहिए। इसके लिए घर का वास्तु बेहतर होने बेहद जरूरी है।

- घर में नीले रंग के प्लास्टिक और मनी प्लांट के पौधे को नीले कलश में रखें। ऐसा करने पर घर में सुख समृद्धि बनी रहती है।
- घर में मौजूद रसोई घर को दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम दिशा में बनाएं। और दीवारों का रंग लाल, नारंगी या गुलाबी रखें।
- चूल्हे और जूठे बरतन धोने की स्लैब अलग-अलग होनी चाहिए।
- घर के सदस्यों के अच्छी सेहत के लिए रसोईघर में दवाइयां नहीं रखनी चाहिए।
- फेंगशुई के अनुसार घर में विंड चाइम लगाने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।
- घर में ड्रैगन की मूर्ति अथवा चित्र रखने से घर को सुरक्षा कवच प्राप्त होता है।

किचिन को यहां बनाने से होती है किच-किच

दुनिया के हर धर्म में रसोईघर को बेहद अहम माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अतिरिक्त फेंगशुई में भी किचन को लेकर कई टिप्स दिए गए हैं।

रसोईघर के लिए फेंग शुई के उपाय

- विभिन्न ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार रसोईघर को शुभ दिशा में होना चाहिए। यदि रसोईघर सही दिशा या स्थिति में नहीं है तो यह कई प्रकार की समस्या उत्पन्न कर सकता है। फेंगशुई के अनुसार रसोईघर के लिए निम्न उपाय हैं।
- फेंगशुई के अनुसार रसोईघर को घर के पूर्व व दक्षिण दिशा की ओर होना चाहिए , क्योंकि ये दोनों दिशाएं वायु और प्रकाश का संचालन करती हैं।
- रसोईघर की दीवारों का रंग सफेद रखना चाहिए। सफेद रंग स्वच्छता की निशानी माना जाता है।
- रसोईघर में टूटे हुए बर्तन, और शीशा कभी नहीं रखने चाहिए। ऐसी चीजें अशुभ साबित हो सकती हैं।
- जरूरत न होने पर रसोई का दरवाजा बंद ही रखना चाहिए।
- झाडू और पोछे को रसोईघर से दूर रखना चाहिए। ऐसी चीजें घर में अन्न की कमी का आभास कराते हैं।
- रसोईघर को घर में मुख्य प्रवेश द्वार के सामने नहीं होना चाहिए। ऐसे में विवाद होना संभव है।
- रसोईघर में बिजली के अत्यधिक उपकरण नहीं रखने चाहिए।
- चाकू, कैंची या किसी अन्य कटार को रसोईघर की दीवार पर नहीं लटकाना चाहिए।
- इस्तेमाल में न आने वाले बर्तन व बासी भोजन को रसोईघर में नहीं रखना चाहिए।
- किचन में हमेशा अच्छे मूड से जाना चाहिए।कहा जाता है एक हैप्पी कूक इज द बेस्ट कूक।

रसोईघर उपकरण के लिए फेंग शुई के उपाय

- चूल्हा, स्टोव या गैस, रसोईघर में इस प्रकार से रखा होना चाहिए कि जातक दरवाजे को देख सके। इससे मनुष्य तनावमुक्त होता है।
- रसोईघर में माइक्रोवेव ओवन को दक्षिण- पश्चिम दिशा में रखना चाहिए, जिसके फलस्वरूप रसोईघर स्वत: ही सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करता है।
- रेफ्रिजरेटर एक इलेक्ट्रिक मशीन है, जिसे ऐसे स्थान या मंडल में रखना चाहिए जो जातक के लिए विशेष प्रेरक के रूप में हो।
- दक्षिण दिशा में रेफ्रिजरेटर रखने से नकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है, क्योंकि दक्षिण दिशा का तत्व 'अग्नि' है।
- जिसके फलस्वरूप दक्षिण दिशा, रेफ्रिजरेटर के ठंडे तापमान से मेल नहीं खाता।

रसोईघर (किचिन), घर का एक महत्वपूर्ण भाग है। यदि मनुष्य अच्छा भोजन करता है तो उसका दिन भी अच्छा गुजरता है।

ईश्वर बाहर नहीं, आपके मन में

आत्म-सत्ता को यदि परिष्कृत कर लिया जाए, तो वही परमात्म-सत्ता में विकसित हो सकती है। अर्थात् यदि हम अपने गुणों को निखार लें, तो हम अपने भीतर के भगवान को जान सकते हैं। समझा जाता है कि विधाता ही एकमात्र निर्माता है। ईश्वर की इच्छा के बिना पत्ता नहीं हिलता। इन दोनों बातों से कोई भ्रम में भी पड सकता है कि परमात्मा कहीं दूर बैठा है। इन धारणाओं के साथ इतना और जोडना चाहिए कि विधाता से मिलने का सबसे निकटवर्ती स्थान अपना अंत:करण ही है। वैसे तो ईश्वर सर्वव्यापी है, उसे कहीं भी माना जा सकता है, पर यदि दूर जाना संभव न हो, तो अपने अंत:करण को टटोलना चाहिए। उसी में बैठे परमात्मा को हृदय खोलकर मिलने की अभिलाषा पूरी कर लेनी चाहिए। काल्पनिक उडाने भरने से बात कुछ नहीं बनती।

जानें क्या है मयूरासन और इसके लाभ

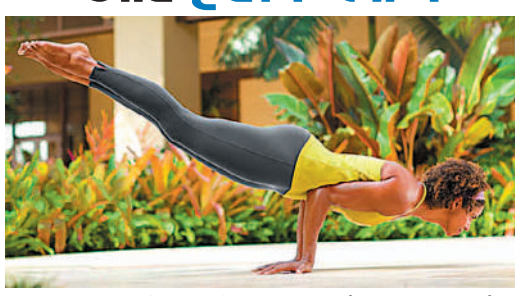

मयूरासन यानी मयूर की तरह किया जाने वाला आसन। योगा में यह वह आसन है जिसमें आपका शरीर मयूर की तरह दिखाई पड़ता है। इस आसन को करने के लिए बहुत सावधानियां बरतने की आवश्यकता होती है। इस आसन में शरीर का पूरा भार हाथों पर टिका होता है और शरीर हवा में लहराता है। मयूरासन के भी कई लाभ हैं। लेकिन सवाल ये उठता है कि मयूरासन कैसे किया जाए। मयूरासन के लाभ क्या हैं। मयूरासन करने की विधि क्या है। मयूरासन कब करना चाहिए। इत्यादि सवालों के जवाब जानने के लिए यह जानना जरूरी है कि मयूर आसन क्या है।

मयूरासन करने की विधि

मयूरासन खुली हवादार जगह में करना चाहिए। इसके लिए आप सबसे पहले घुटनों के बल बैठ जाएं और आगे की ओर झुके। आगे झुकते हुए दोनों हाथों की कोहनियों को मोड़कर नाभि पर लगाकर जमीन पर सटा लें। इसके बाद अपना संतुलन बनाते हुए घुटनों को धीरे-धीरे सीधा करने की कोशिश करें। अब आपका शरीर पूरी सीध में है और सिर्फ आपके हाथ जमीन से सटे हुए हैं। इस आसन को करने के लिए शरीर का संतुलन बनाए रखना जरूरी है जो कि पहली बार में संभव नहीं। यदि आप रोजाना मयूर आसन का अभ्यास करेंगे तो आप निश्चित तौर पर आसानी से इसे कर पाएंगे।

मयूरासन के दौरान सावधानी

मयूरासन करते हुए बहुत सावधानी की जरूरत पड़ती है, इसीलिए आप जब भी मयूरासन करें तो किसी योग एक्सपर्ट की देखरेख में करें या फिर पहले इस आसन को करने की विधि को अच्छी तरह से जानें। तभी आप मयूर आसन को सही तरह से कर पाएंगे और इसका भरपूर लाभ उठा पाएंगे।

मयूरासन के लाभ

- मयूरासन के कई लाभ है। आमतौर पर मयूरासन से गुर्दे, अग्नाशय और आमाशय के साथ ही यकृत इत्यादि को बहुत लाभ होता है।
- चेहरे पर चमक लाने के लिए मयूरासन करना चाहिए। मयूरासन करने से हाथ, पैर व कंधे की मांसपेशियों में मजबूती आती है। जिन लोगों को बहुत अधिक कब्ज रहती है उनके लिए मयूरासन से बढ़िया कोई उपाय नहीं। मधुमेह के रोगियों के लिए भी यह आसन लाभकारी है।
- यदि आपको आंखों संबंधी कोई समस्या है तो उसका निदान भी मयूरासन से किया जा सकता है।
- पाचन क्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए मयूरासन करना चाहिए। यदि आपको पेट संबंधी समस्याएं जैसे गैस बनना, पेट में दर्द रहना, पेट साफ ना होना इत्यादि होता है तो आपको मयूरासन करना चाहिए।
- सामान्य रोगों के अलावा मयूर आसन से आंतों व अन्य अंगों को मजबूती मिलती है। मयूरासन से आमाशय और मूत्राशय के दोषों से मुक्ति मिलती है।

किसे नहीं करना चाहिए

- आमतौर पर मयूरासन उन लोगों को करने के लिए मना किया जाता है जो उच्चे रक्तचाप की समस्या से पीड़ित हैं।
- टी.बी यानी तपेदिक के मरीजों को भी मयूरासन नहीं करना चाहिए।
- हृदय रोग या हार्ट की बीमारियों से ग्रसित लोगों को भी मयूरासन नहीं करना चाहिए। अल्सर और हर्निया रोग से पीड़ित लोगों को भी मयूरासन करने से बचना चाहिए।

हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पे दम निकले, बहुत निकले मेरे अरमां, लेकिन फिर भी कम निकले... आज युवाओं की कई ख्वाहिशें हैं। खासतौर पर युवा आजादी चाहता है। आज के दौर में युवाओं की सोच में क्रांति और आजादी की बातें उभरकर सामने आ रही हैं। आखिर देश का युवा किन बातों से आजादी चाहता है, यही जानने की कोशिश है यह आलेख।

हर ख्वाहिश पर दम निकले...

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला सात महीने में तीसरी बार भारत की विजिट पर आए हैं। वे सोमवार को दिल्ली में माइक्रोसॉफ्ट के इवेंट में ऐड्रेस करने पहुंचे। गालिब के शेर से शुरुआत की। उन्होंने कहा कि जब आप दुनिया को देखने का नजरिया बदल लेते हैं, तो आप दुनिया को भी बदल पाते हैं। एक वाकये का जिक्र करते हुए सत्या ने गालिब का शेर पढ़ा-**हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पर दम निकले, बहुत निकले मेरे अरमां मगर फिर भी कम निकले।** उनके इस अंदाज पर काफी देर तक हाल तालियों से गूंजता रहा। उन्होंने गालिब का यह शेर जिस भी संदर्भ में सुनाया हो लेकिन यह शेर आज के दौर में देश के युवाओं के लिए कुछ खास है। भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा युवा आबादी बसती है। इस देश में करीब 30.56 करोड़ युवा बसते तो हैं लेकिन शायद बहुत कम युवाओं की ख्वाहिशें पूरी हो पाती हैं। यहां हम युवाओं की व्यक्तिगत ख्वाहिशों की बात नहीं कर रहे। यहां युवाओं की समग्र ख्वाहिशें हैं। आज देश का युवा आजादी चाहता है। यही उसकी ख्वाहिश है। आइए देखते हैं किन मुद्दों से भारतीय युवा को आजादी चाहिए...

जबरन करियर से आजादी

देश के ज्यादातर युवा इस मुश्किल से जूझ रहे हैं। 18 साल की उम्र तक पहुंचते ही उन पर करियर को लेकर सवालों की झड़ी लगा दी जाती है और आखिर में उन पर जबरन कुछ भी थोप दिया जाता है। ज्यादातर मां-बाप बच्चे की ख्वाहिश पूछे बिना ही उसे इंजीनियर या डॉक्टर बनने के लिए मजबूर करते हैं।

ऑनर किलिंग से आजादी

देश के कई हिस्सों में खाप जैसी पंचायतों के तुगलकी फरमान युवाओं की इच्छा के आड़े आते हैं। खास तौर पर हरियाणा में खाप का असर ज्यादा है। जहां जरा सी बात पर लोग आत्म सम्मान के नाम पर युवक-युवतियों को मार देते हैं। कई मामलों में लड़के लड़की दोनों की हत्या कर दी कई। समलैंगिकता, प्रेम विवाह, अपनी मर्जी से लड़का या लड़की चुनना ये सारी बातें खाप के नियमों के खिलाफ मानी जाती हैं, जिनसे मुक्ति जरूरी है। यही नहीं, पुलिस भी ऐसे कामों में तुगलकी फरमान सुनाती है।

लिंग भेद से आजादी

लिंग भेद से आजादी ऐसी आजादी है जिसके लिए हर लड़की जन्म लेने के साथ ही लड़ना शुरू कर देती है। घर में ज्यादा तवज्जो न मिलने से लेकर अपनी मर्जी के कपड़े न पहन पाने तक, लड़कियों को कई सारी मुश्किलें झेलनी पड़ती हैं। यहां तक कि शादी करने में भी उनकी पसंद का ख्याल नहीं रखा जाता।

अपने नजरिये की आजादी

लोकतंत्र में रहने के चलते हर किसी को अपना नजरिया रखने की आजादी होनी चाहिए लेकिन भारत ऐसा देश है जहां अपनी बात रखना आपके लिए मुसीबत बन सकता है। सोशल मीडिया ने इस वॉर को और बढ़ाया है। भीड़ से अलग हटकर अगर आप अपना नजरिया पेश करते हैं तो किसी न किसी राजनीतिक पार्टी या उसके समर्थकों के शिकार बन जाते हैं।

सुरक्षा की चिंता से आजादी

हर मां-बाप अपने बच्चे को सुरक्षित देखना चाहते हैं लेकिन वे इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि घर की चारदीवारी में कैद करके बच्चों को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। खासकर लड़कियों के मामले में परिजन ज्यादा सख्त होते हैं। उनके घर से निकलने और घर लौटने के समय को लेकर वो ज्यादा चिंतित होते हैं क्योंकि उन्हें उत्पीड़न, अपहरण या हत्या जैसी वारदातों का डर सताता रहता है।

इस्तेमाल होने से आजादी

हर युवा अपने उज्ज्वल जीवन की ख्वाहिश रखता है। युवा जब देखता है कि केवल योग्यता और ईमानदारी से कार्य संभव नहीं, तो कुंठाग्रस्त होकर गलत रास्तों पर चल पड़ता है। निश्चित तौर पर ऐसे में ही समाज के दुश्मन उनकी भावनाओं को भड़काकर व्यवस्था के विरूद्ध विद्रोह के लिए प्रेरित करते हैं, फलतः अपराध और आतंकवाद का जन्म होता है। युवाओं को मताधिकार तो दे दिया गया है पर उच्च पदों पर पहुंचने और निर्णय लेने के उनके स्वप्न को दमित करके उनका इस्तेमाल नेताओं द्वारा सिर्फ अपने स्वार्थ में किया जा रहा है।

सब्ज-बाग से आजादी

आज का युवा संक्रमण काल से गुजर रहा है। वह अपने बलबूते आगे तो बढ़ना चाहता है, पर परिस्थितियां और समाज उसका साथ नहीं देते। चाहे वह राजनीति हो, फिल्म व मीडिया जगत हो, शिक्षा हो, उच्च नेतृत्व हो- हर किसी ने उसे सुखद जीवन के सब्ज-बाग दिखाए और फिर उसको भंवर में छोड़ दिया। ऐसे में पीढ़ियों के बीच जनरेशन गैप भी बढ़ा है। समाज की कथनी-करनी में भी जमीन आसमान का अंतर है। एक तरफ वह सभी को डिग्रीधारी देखना चाहता है, पर उन सभी हेतु रोजगार उपलब्ध नहीं करा पाता। नतीजन- निर्धनता, महंगाई, भ्रष्टाचार इन सभी की मार सबसे पहले युवाओं पर पड़ती है। इसी प्रकार व्यावहारिक जगत में आरक्षण, भ्रष्टाचार, स्वार्थ, भाई-भतीजावाद और कुर्सी की लालसा जैसी चीजों ने युवा हृदय को झकझोर दिया है।

दोहरेपन से आजादी

इसमें कोई शक नहीं कि युवा वर्ग ही भावी राष्ट्र की आधारशिला रखता है, पर दु:ख तब होता है जब समाज युवाओं में भटकाव हेतु युवाओं को ही दोषी ठहराता है। क्या समाज की युवाओं के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं? जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्ति जब सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों का सरेआम क्षरण करते नजर आते हैं, तो फिर युवाओं को ही दोष क्यों? एक व्यक्ति द्वारा अटपटे बयान देकर या किसी युवती द्वारा अर्धनग्न पोज देकर जो नाम हासिल किया जा सकता है, वह दूर किसी गांव में समाज सेवा कर रहे युवा को तभी मिलता है जब उसे किसी अंतराष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा जाता है। आखिर ये दोहरापन क्यों?

दोषारोपण से आजादी

युवा व्यवहार मूलतः एक शैक्षणिक, सामाजिक, संरचनात्मक और मूल्यपरक समस्या है जिसके लिए राजनैतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सभी कारक जिम्मेदार हैं। ऐसे में समाज के अन्य वर्गों को भी जिम्मेदारियों का अहसास होना चाहिए, सिफ4 युवाओं को दोष देने से कुछ नहीं होगा, क्योंकि सवाल सिर्फ युवा शक्ति के भटकाव का नहीं है, वरन अपनी संस्कृति, सभ्यता, मूल्यों, कला एवम् ज्ञान की परंपराओं को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने का भी है। युवाओं को भी ध्यान देना होगा कि कहीं उनका उपयोग सिर्फ मोहरों के रूप में न किया जाय।

आधा घंटा बंद रखें स्मार्टफोन...

आज के दौर में स्मार्ट फोन हमारी जरूरत बन गया है। सभी युवाओं के पास स्मार्टफोन मौजूद हैं। इसके कई फायदे भी हैं। स्मार्टफोन से न सिर्फ हमें जरूरी जानकारियां मिल जाती हैं, बल्कि यह मित्रों को भी हमारे साथ जोड़े रखने का काम करता है। स्मार्ट फोन की कई खूबियों के बारे में तो हम जानते भी नहीं हैं। वहीं इस स्मार्ट फोन के कुछ नुकसान भी हैं। स्मार्टफोन के जानकारों का कहना है कि अगर स्मार्ट फोन को दिन में आधे घंटे भी बंद रखा जाए तो इससे कई सारे फायदे मिल सकते हैं। आज हम आपको इन्हीं फायदों के बारे में बता रहे हैं।

दिमाग को मिलेगा रेस्ट

दिमाग असल में कई कामों को करने में व्यस्त रहता है। इन कामों को करने में वह तेजी से थकता है। ऐसे में आप अपना स्मार्ट फोन करीब आधा घंटा बंद रख सकते हैं। इससे आपके दिमाग को भी रेस्ट मिलेगा और वह भी तेजी से काम कर सकेगा।

ओवरहीटिंग से बचेगा

कई बार हमारा स्मार्ट फोन ओवरहीट हो जाता है। इसके हीट होने के वैसे तो और भी कई कारण हो सकते हैं। आपका फोन जब भी ओवरहीट हो जाए ऐसी स्थिति में आपको इसे कुछ देर के लिए बंद कर देना चाहिए। यही आपके पास पहला विकल्प है। इसके बाद इसकी समस्या को कहीं पर दिखा लीजिए।

समाधान जल्दी

हर समय फोन से चिपके रहने से दिमाग कई तरह की समस्या का समाधान सही तरीके से नहीं कर पाता है। ऐसी स्थिति में फोन से थोड़े समय की दूरी बनाना आपके लिए हर समस्या का हल ढूंढने के लिए बेहतर हो सकता है। ब्रेन को आराम मिलने से यह सही ढंग से काम करने के काबिल हो जाता है।

काम में लगता है मन

एक रिसर्च में पाया गया है कि करीब 61 प्रतिशत लोग हर समय नोटिफिकेशन देखते रहते हैं। नोटिफिकेशन न आने की स्थिति में भी लोगों को लगता है कि कोई नोटिफिकेशन आया है। ऐसे में वह व्यक्ति अपने काम पर फोकस नहीं कर पाता। स्मार्ट फोन को बंद करने से काम पर फोकस हो पाता है और वह अच्छी तरह से किया जाता है।

रीबूट करने का फायदा

स्मार्टफोन कई बार हैंग होने लगता है। कई सारी ऐप्स बैकग्राउंड पर चलने से और मैमोरी ज्यादा यूज होने के कारण फोन हैंग करने लगता है। ऐसी स्थिति में आप अपना फोन रीबूट कर सकते हैं। रीबूट करने से फोन दोबारा से सही चलने लगता है।

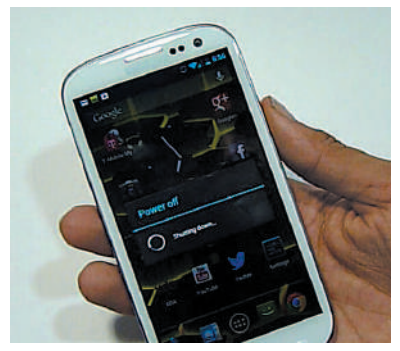

दाढ़ी मूंछ के भी हैं ढेरों फायदे

आप विश्वास नहीं करेंगे लेकिन वैज्ञानिक तक मान चुके हैं कि दाढ़ी रखने से त्वचा का कैंसर नहीं होता। दरअसल सूर्य की अल्ट्रावाइलेट किरणें स्किन कैंसर का कारण बनती है। शोध के मुताबिक लोग दाढ़ी रखते हैं वे 90 फीसदी तक यूवी किरणों से अपने आपको बचाने में कामयाब रहते हैं। है ना स्किन कैंसर से बचने का बढ़िया उपाय। क्लीन शेव लोगों की तुलना में दाढ़ी मूंछ रखने वाले लोगों को अस्थमा और एलर्जी की शिकायत कम होती है। दरअसल प्रदूषित होते वातावरण में दाढ़ी मूंछ धूल और प्रदूषण को सीधे चेहरे और मुंह के संपर्क में नहीं आने देती। दाढ़ी और मूंछ के बाल छलनी की तरह काम करके प्रदुषित कणों को रोक लेते हैं। ये ठीक वही काम करती है जो आंखों के लिए पलक और नाक के बाल करते हैं। दाढ़ी मूंछ रखने वालों की स्किन आमतौर पर ड्राई नहीं मिलेगी। दरअसल दाढ़ी मूंछ होने से चेहरे पर रोजमर्रा की फेसक्रीम का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। दाढ़ी मूंछ चेहरे को जवान बनाए रखते हैं क्योंकि इससे त्वचा पर नमी बनी रहती है। दाढ़ी मूंछ रखने वाले लोग चेहरे से आमतौर पर जवान दिखते हैं क्योंकि उनकी दाढ़ी मूंछ उनके चेहरे पर पड़ने वाली झुर्रियों को छिपा लेती हैं। रोज रोज शेव करने से स्किन कटने फटने का डर रहता है और त्वचा पर संक्रमण का भी खतरा रहता है लेकिन दाढ़ी मूंछ रखने से ये झंझट और संक्रमण का खतरा भी नहीं रहता।

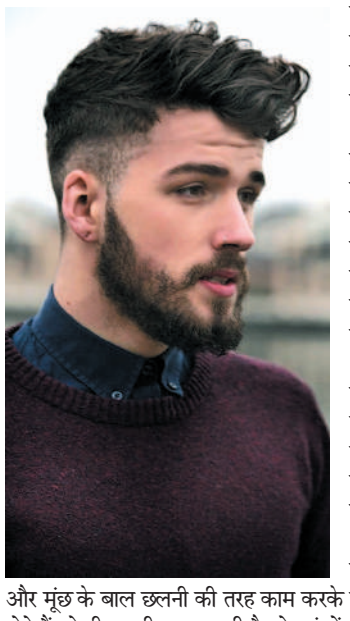

ऑनलाइन रहना क्यों पसंद...?

इंटरनेट के माध्यम से अब दुनिया के किसी भी भाग से आसनी से संपर्क बनाया जा सकता है। लोग अब घर बैठे ही दुनियाभर में अपने दोस्त बनाने लगे हैं, और ऑनलाइन रहकर ही प्यार ,डेटिंग, और शादी के लिए जोड़े भी खोजे जाने लगे हैं। ऑनलाइन दोस्ती के बहुत से नुकसान भी होते हैं, जैसे आप जिससे दोस्ती कर रहें हैं वह वास्तव में अपने बारे में सारी बातें सच बता रहा है, या आपको धोखा देने के मकसद से झूठी बातें बता रहा है। आप उसे सामने से नहीं देख सकते इसलिए आप उसकी वास्तविकता भी नही जान सकते हैं। ऑनलाइन चैटिंग से होने वाले इन नुकसानों के बावजूद क्यों हम इसका इस्तेमाल करना जारी रखते हैं?

गुप्त नाम का फायदा

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का सबसे बड़ा फायदा है नाम को गुप्त रखने की आजादी। आप किसी भी नाम और किसी भी फोटो के साथ अपनी एक प्रोफाइल बना सकते हैं, कम्प्यूटर यह नहीं समझ पायेगा कि, आप झूठ बोल रहे हैं। आप किसी से या हर किसी से बात कर सकते हैं, और आपके वास्तविक जीवन की बुराई या कमियां जैसे, आपकी क्या हैसियत है ,और आप की योग्यता आदि कुछ भी हो, कोई फर्क नही पड़ता।

दुनियाभर में पहुंच

बहुत से देशों में जहां लड़के लड़कियां आपस में मिल कर बात नहीं कर सकते, उन स्थानों में लोग बातें करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर सकते हैं, इस तरह से किसी एक देश में बैठा युवा दूसरे देश में अपने लिए दोस्त या जीवनसाथी की तलाश करके बातें कर सकता है।

सुविधाजनक

यूं तो यदि आपको किसी से मिलना है तो आपको अच्छे से तैयार होने की जरूरत होती है,और फिर किसी अच्छी जगह की तलाश करनी होती है आदि। लेकिन आपको ऑनलाइन चैटिंग के लिए सिर्फ एक इंटरनेट पैक और अच्छे ब्राउजर के अलावा ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। इसलिए लोग इन सब की तुलना में ज्यादा सुविधाजनक-ऑनलाइन चैटिंग को वरीयता देते हैं।

बटन से कंट्रोल

हम ऑनलाइन कैसे दिखाई देते हैं इसका नियंत्रण हम सिर्फ एक बटन क्लिक कर के कर सकते हैं। सेल्फी कैमरे के साथ स्मार्टफोन और लाखों फिल्टर से हम अपनी एक नकली इमेज आसानी से बना सकते हैं। कई बार तो लोगों को अपनी यह इमेज अपनी असली इमेज से ज्यादा पसंद आने लगती है, और इसलिए वे ज्यादा से ज्यादा ऑनलाइन गपशप और बातचीत में चिपके रहते हैं। हम क्या कहते हैं, और किससे कहते हैं, इसका नियंत्रण भी खुद कर सकते हैं। इसके साथ यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के उपयोग की इच्छा को भी बढ़ाता है।

साथियों का दबाव

जब ऑनलाइन प्लेटफार्म की शुरुआत हुई तो इसके फायदे तभी पता चले होंगे जब किसी ने पहली बार इसका उपयोग किया होगा। पहले तो हमें इसपर बात करने की आदत नहीं पड़ी थी। फिर इसका चलन बढ़ने के साथ साथियों का दबाव भी इस प्लेटफार्म का इस्तेमाल करने के लिए महसूस किया जाने लगा, और ये भी एक बड़ा कारण था कि युवा एक दूसरे को ऑनलाइन प्लेटफार्म का इस्तेमाल करते देख इसकी ओर आकर्षित होने लगे। अपनी उपलब्धियों और कहानियों को एक दूसरे से शेयर करने लगे। इस प्रकार एक यह ऐसा चक्र बन गया जो कभी कभी बहुत ज्यादा दोषपूर्ण बन जाता है। ऑनलाइन प्लेटफार्म के अधिक उपयोग से हम बिना किसी अनुशासन और नियंत्रण के चैटिंग करते हैं। जिससे हम असभ्य और अविवेकी बन सकते हैं। कई बार तो लोग किसी बहकावे में आकर उनका शिकार भी बन जाते हैं। इसलिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का उपयोग करते समय हमें अधिक सतर्कता और संयम की आवश्यकता है।

मशहूर ब्रांड नेम्स की कहानी...

जहां तक ब्रांड की बात है ब्रांड और कुछ नहीं होता है सिर्फ कंपनी की अपनी एक पहचान होती है। कुछ ब्रांड ऐसे भी हैं जो की कई कंपनियों के उत्पादों की पहचान बन गए हैं। क्या कभी आपने सोचा है की किसी भी ब्रांड का नाम आखिर कैसे बनाया जाता है और आज के मशहूर ब्रांड्स के नाम किस प्रकार से बनें हैं। नाईक एक मशहूर ब्रांड है। इसका नाम एक ग्रीक देवी के नाम पर पड़ा है जो की विजय की देवी मानी जाती हैं और इस ब्रांड का चिन्ह उनकी उड़ान का प्रतीक है। बात कोको कोला की करें तो पता चलता है कि असल में इस पेय पदार्थ की मुख्य सामग्री कोला बेरिज और कोको की पत्तियां है इसलिए ही इसको कोको कोला नाम दिया गया है। ऐसे ही पेप्सी नाम एक पाचक एंजाइम पेप्सिन से लिया गया है, हालांकि यह पेप्सी में नहीं होता है। एडिडास ब्रांड का नाम इसके मालिक और निर्माता अडोल्फ डैस्सलर के नाम पर रख गया है असल में अडोल्फ का उपनाम एडि था। अमेजन ब्रांड के मालिक सीईओ जैफ बेजोस अपनी इस कंपनी का नाम ए शब्द से शुरू होने वाला ही रखना चाहते थे और वो चाहते थे की उनकी कंपनी में दुनिया का हर सामान बिके इसलिए उन्होंने इसका नाम चुनने के लिए उन्होंने सबसे बड़ी नदी का नाम चुना। सोनी ब्रांड का नाम लैटिन शब्द 'सोनस' से लिया गया है जिसका अर्थ होता है आवाज। वोडाफोन का मतलब आसान शब्दों में हैं वॉइस डाटा टेलीफोन है। नीविया ब्रांड नेम लैटिन शब्द 'निवेअस' से बना है जिसका अर्थ होता है बर्फ जैसा सफेद।

संपादकीय

कहीं मुनाफा, तो कोई 'बकरा'

पेट्रोल डीजल के खुदरा दाम 11 दिनों में चौथी बार बढ़ाए गए हैं। कुल वृद्धि करीब 7.50 रुपए प्रति लीटर हो गई है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि यह बढ़ोतरी 25 रुपए तक जा सकती है। फिर भी यह कोई नई, चौंका देने वाली खबर नहीं है, क्योंकि यूपीए सरकार में भी 150-166 फीसदी तक पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए गए थे और मौजूदा सरकार भी बढ़ा रही है। ये दाम ईरान युद्ध से उपजे संकट के कारण ही नहीं बढ़ाए गए, बल्कि सरकार की तेल कंपनियों की अपनी ही अर्थव्यवस्था है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और मंत्रालय की प्रवक्ता सुजाता शर्मा लगातार खुलासा करते रहे हैं कि तेल कंपनियां अब भी औसतन 600 करोड़ रुपए का घाटा झेल रही हैं। मंत्री जी ने तो यह घाटा 1 लाख करोड़ रुपए का बताया था और कई बार, कई मंचों पर ऐसे घाटे का रोना रोया था, लेकिन कुछ डाटा सामने आया है, जो मंत्रालय-मंत्री और तेल कंपनियों की 'झूठी अर्थव्यवस्था' को बेनकाब करता है। 2025-26 की आखिरी तिमाही (जनवरी-31 मार्च) के दौरान भारत सरकार की तीन विराट तेल कंपनियों ने 19,470 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा कमाया। ईरान युद्ध 28 फरवरी को शुरू हो चुका था, लेकिन युद्ध के बावजूद अकेली 'इंडियन ऑयल' कंपनी ने 11,378 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया। 'भारत पेट्रोलियम' और 'हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड' के मुनाफे अलग हैं। वित्त वर्ष की आखिरी तारीख 31 मार्च, 2026 तक तीनों तेल कंपनियों ने कुल 77,280 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया। मीडिया में कुछ आंकड़े भिन्न भी दिए गए हैं, जिनके अनुसार सरकारी तेल कंपनियों का मुनाफा 85,000 करोड़ रुपए से अधिक रहा है। निष्कर्ष यह है कि तीनों तेल कंपनियों ने मोटा मुनाफा अर्जित किया है। आम भारतीय और उपभोक्ता सवाल कर सकते हैं कि 15-25 मई के दरमियान पेट्रोल-डीजल के खुदरा दाम क्यों बढ़ाए गए? तेल कंपनियां कुछ घाटा वहन नहीं कर सकतीं, तो क्या आम आदमी को ही बार-बार 'बलि का बकरा' बनाया जाता रहेगा? क्या तेल कंपनियों के मुनाफे आम करदाता, उपभोक्ता की जेब से ही वसूले नहीं जाते? तो फिर पेट्रोल-डीजल किस्तों में महंगे क्यों किए जा रहे हैं? सबसे संवेदनशील मुद्दा यह है कि मंत्री और मंत्रालय लगातार 'झूठ' क्यों परोसते रहे? यह संविधान और शपथ का भी उल्लंघन है। केंद्र सरकार पेट्रो उत्पादों पर उत्पाद-शुल्क वसूलती है, तो राज्य सरकारें उस पर 2.29 लाख करोड़ रुपए 'वैट' के जरिए कमाती हैं। क्या लोकतंत्र में आम आदमी ही 'बकरा' बन कर रह गया है, जिसकी बार-बार बलि दी जाती है? 'वैट' कमाने में भी महाराष्ट्र, उप्र, गुजरात की सरकारें 'सर्वोच्च तीन' में शामिल हैं। तीनों राज्यों में ही भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। 'वैट' इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि केंद्र लंबे वक्त तक राज्य सरकारों को उनके हिस्से का पैसा नहीं देता, लिहाजा 'वैट' ही राज्य सरकारों का बुनियादी आर्थिक संसाधन है। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि हमारी राजनीति 'रेवडियों' और 'मुफ्तखोरी' की है, सबसिडी भी लाखों करोड़ों में देनी पड़ती है, आखिर पैसा कहां से आएगा? आम आदमी को ही चूसा जाएगा! दिलचस्प यह है कि अमरीका-ईरान के दरमियान समझौते की उम्मीदों के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 104 डॉलर प्रति बैरल से 5 फीसदी घट कर 97-98 डॉलर पर आ गई हैं, लेकिन भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम चौथी बार बढ़ाए हैं। जब युद्ध के बावजूद तेल कंपनियां मुनाफा कमा रही थीं, तो आम आदमी, आम उपभोक्ता को राहत क्यों नहीं दी गई? युद्ध शुरू होने के समय तो कच्चे तेल के दाम 70-72 डॉलर प्रति बैरल थे, लेकिन भारत में पेट्रोल-डीजल तब भी महंगे थे। इस महंगाई से आम आदमी की जेब पर 1500-2500 रुपए माहवार का बोझ बढ़ेगा। वह कहां से आमदनी लाएगा? वेतन, दिहाड़ी, मजदूरी, मेहनताना आदि तो यथावत हैं अथवा कम भी किए जाते रहे हैं। दरअसल तेल कंपनियों से केंद्र सरकार को 4.20 लाख करोड़ रुपए की सालाना कमाई होती है, लिहाजा साफ है कि मुनाफे में केंद्र सरकार भी 'परोक्ष हिस्सेदार' है! क्या मुनाफे और बकरे की इस अर्थव्यवस्था को देश का औसत नागरिक जानता है? चिंताजनक बात यह है कि दैनिक उपभोग की वस्तुएं महंगी होती जा रही हैं। जहां खाद्य पदार्थों के दाम बढ़े हैं, वहीं फल और सब्जियां महंगी होने लगी हैं। महंगाई को रोक पाना केंद्र और राज्यों सरकारों के वश की बात नहीं रही है।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और मंत्रालय की प्रवक्ता सुजाता शर्मा लगातार खुलासा करते रहे हैं कि तेल कंपनियां अब भी औसतन 600 करोड़ रुपए का घाटा झेल रही हैं। मंत्री जी ने तो यह घाटा 1 लाख करोड़ रुपए का बताया था और कई बार, कई मंचों पर ऐसे घाटे का रोना रोया था, लेकिन कुछ डाटा सामने आया है, जो मंत्रालय-मंत्री और तेल कंपनियों की 'झूठी अर्थव्यवस्था' को बेनकाब करता है। 2025-26 की आखिरी तिमाही (जनवरी-31 मार्च) के दौरान भारत सरकार की तीन विराट तेल कंपनियों ने 19,470 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा कमाया। ईरान युद्ध 28 फरवरी को शुरू हो चुका था, लेकिन युद्ध के बावजूद अकेली 'इंडियन ऑयल' कंपनी ने 11,378 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया। 'भारत पेट्रोलियम' और 'हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड' के मुनाफे अलग हैं। वित्त वर्ष की आखिरी तारीख 31 मार्च, 2026 तक तीनों तेल कंपनियों ने कुल 77,280 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया। मीडिया में कुछ आंकड़े भिन्न भी दिए गए हैं, जिनके अनुसार सरकारी तेल कंपनियों का मुनाफा 85,000 करोड़ रुपए से अधिक रहा है।

कुछ अलग

ग्राम स्वराज या स्वार्थ की राजनीति?

प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव केवल एक संवैधानिक प्रक्रिया मात्र नहीं हैं, अपितु प्रदेश के ग्रामीण लोकतंत्र की दिशा और दशा तय करने वाला महत्वपूर्ण अवसर भी हैं। प्रदेश की पंचायतों, पंचायत समितियों एवं जिला परिषदों के हजारों पदों के लिए होने वाले ये चुनाव लोकतंत्र की उस आधारभूत इकाई का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां से जन भागीदारी, सामाजिक चेतना और ग्रामीण विकास की वास्तविक शुरुआत होती है। यह चुनाव प्रक्रिया केवलमात्र देश व प्रदेश की लोकतान्त्रिक व्यवस्था का आधार ही नहीं है, अपितु लोकतन्त्र की इस सूक्ष्म इकाई में जनप्रतिनिधियों के चयन की प्रक्रिया में एक ऐसी प्रणाली है जो कि देश व प्रदेश के ग्रामीण लोकतन्त्र में सामाजिक चेतना और विकास की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। भारतवर्ष में आदिकाल से ही पंचायत व्यवस्था समाज में न्याय एवं सामाजिक चेतना की धुरी रही है, जो कि तत्कालीन समाज के विकास, न्याय एवं सामाजिक समरसता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती रही है। देश व प्रदेश में पंचायती राज प्रणाली भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे आधारभूत इकाई मानी जाती है, जिसके माध्यम से प्रदेश के गांवों तक शासन, विकास और जनकल्याण की योजनाएं आम जनमानस तक पहुंचती हैं। इस परिस्थिति में पंचायत प्रतिनिधियों के चयन के इस महापर्व में चयनित जन प्रतिनिधियों में निष्पक्षता, पारदर्शिता और नैतिकता जैसे मूल तत्व अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। दुर्भाग्यवश विगत कुछ दशकों से प्रदेश में पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार, पक्षपात, जातिवाद, भाई-भतीजावाद और पारदर्शिता के अभाव जैसी समस्याएं गंभीर रूप से प्रकट हो रही हैं।

मिट्टी के घड़े में सूक्ष्म छिद्र होते हैं जिनसे पानी का थोड़ा-थोड़ा वाष्पीकरण होता रहता है

गर्मी में मटके का पानी क्यों है अमृत समान

डॉ. सत्यवान सौरभ

भीषण गर्मी के दिनों में जब सूर्य की तपिश धरती को झुलसाने लगती है, तब एक घूंट ठंडा पानी जीवन का सबसे बड़ा सुख प्रतीत होता है। आधुनिक जीवनशैली में फ्रिज, एयरकंडीशनर और बोतलबंद पानी ने हमारे घरों में स्थायी जगह बना ली है, लेकिन इन सबके बीच मिट्टी के मटके का महत्व आज भी कम नहीं हुआ। गाँवों की चौपालों से लेकर शहरों की बालकनियों तक, मटके का पानी आज भी अपनी सौंधी खुशबू और प्राकृतिक ठंडक के कारण लोगों के दिलों में बसा हुआ है। यह केवल पानी रखने का साधन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, वैज्ञानिक समझ और प्रकृति से जुड़ी जीवनशैली का प्रतीक है। भारतीय समाज में मटके का इतिहास अत्यंत प्राचीन है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आज तक मिट्टी के बर्तनों का उपयोग हमारे जीवन का हिस्सा रहा है। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीना सीखा था। वे जानते थे कि हर समस्या का समाधान प्रकृति में ही छिपा है। इसलिए गर्मी से राहत पाने के लिए उन्होंने मिट्टी के घड़ों का प्रयोग आरंभ किया। उस समय न बिजली थी, न फ्रिज और न आधुनिक तकनीक, फिर भी लोग स्वस्थ रहते थे क्योंकि उनकी जीवनशैली प्राकृतिक थी। मटके का पानी वैज्ञानिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी माना गया है। मिट्टी के घड़े में सूक्ष्म छिद्र होते हैं जिनसे पानी का थोड़ा-थोड़ा वाष्पीकरण होता रहता है। वाष्पीकरण की प्रक्रिया में ऊष्मा बाहर निकलती है और पानी स्वाभाविक रूप से ठंडा हो जाता है। यह ठंडक कृत्रिम नहीं होती, बल्कि शरीर के अनुकूल होती है। फ्रिज का अत्यधिक ठंडा पानी अचानक शरीर के तापमान को प्रभावित करता है, जिससे गला खराब होना, खांसी, जुकाम और पाचन संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं। इसके विपरीत मटके का पानी शरीर को धीरे-धीरे शीतलता प्रदान करता है। मिट्टी में प्राकृतिक क्षारीय तत्व पाए जाते हैं, जो पानी के साथ मिलकर शरीर के pH स्तर को संतुलित रखने में सहायता करते हैं। आज के समय में लोगों का खानपान अधिकतर अम्लीय हो गया है। फास्ट फूड, तले हुए पदार्थ, कोल्ड ड्रिंक्स और अनियमित जीवनशैली के कारण एसिडिटी, गैस और अपच जैसी समस्याएँ सामान्य हो गई हैं। मटके का पानी इन समस्याओं को कम करने में सहायक होता है। यह पेट को ठंडक देता है और पाचन क्रिया को मजबूत बनाता है। डॉक्टरों का मानना है कि गर्मी के मौसम में शरीर से पसीने के माध्यम से बड़ी मात्रा में पानी और खनिज बाहर निकल जाते हैं। यदि समय पर इनकी पूर्ति न हो तो शरीर में कमजोरी, थकान और चक्कर आने जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। मटके का पानी शरीर को प्राकृतिक रूप से हाइड्रेट रखता है और आवश्यक खनिजों की पूर्ति में मदद करता है। यही कारण है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में काम करने वाले किसान आज भी मटके का पानी पीना पसंद करते हैं। मटके के पानी की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्राकृतिक शुद्धता है। आधुनिक समय में प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग तेजी से बढ़ा है। गर्मी में जब ये बोतलें धूप के संपर्क में आती हैं, तो इनमें मौजूद हानिकारक रसायन पानी में मिल सकते हैं। वैज्ञानिक शोधों में यह बात सामने आई है कि प्लास्टिक में मौजूद BPA जैसे तत्व स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इसके अलावा, बोतलबंद पानी की गुणवत्ता भी हमेशा विश्वसनीय नहीं होती। दूसरी ओर, मिट्टी का घड़ा पूरी तरह प्राकृतिक होता है और उसमें किसी प्रकार का रासायनिक खतरा नहीं होता। फ्रिज के पानी की तुलना में मटके का पानी अधिक स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है। अत्यधिक ठंडा पानी कई बार शरीर के पाचन तंत्र को प्रभावित करता है। भोजन के तुरंत बाद बहुत ठंडा पानी पीने से पाचन धीमा हो जाता है। वहीं मटके का पानी संतुलित तापमान पर रहता है, जिससे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता। आयुर्वेद में भी अत्यधिक ठंडे पानी को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया गया है, जबकि मिट्टी के घड़े के पानी को लाभकारी माना गया है। गर्मी में लू लगना भारत में एक गंभीर समस्या है। तापमान बढ़ने पर शरीर का संतुलन बिगड़ जाता है और व्यक्ति बेहोशी, उल्टी, सिरदर्द तथा कमजोरी का शिकार हो सकता है। मटके का पानी शरीर को अंदर से ठंडा रखता है और लू से बचाव में सहायक होता है। यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है तथा पसीने के माध्यम से अतिरिक्त गर्मी को बाहर निकालने में मदद करता है। यही कारण है कि पुराने समय में घरों, धर्मशालाओं और सार्वजनिक स्थानों पर यात्रियों के लिए मटकों में पानी रखा जाता था। भारत संबंधित उत्पाद मटके के पानी का एक महत्वपूर्ण पहलू पर्यावरण संरक्षण से भी जुड़ा है। आज पूरी दुनिया प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है। हर वर्ष करोड़ों प्लास्टिक बोतलें कचरे के रूप में नदियों और समुद्रों में पहुँचती हैं। ये पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुँचाती हैं। इसके विपरीत मिट्टी का मटका पूरी तरह जैविक और पर्यावरण अनुकूल होता है। इसके निर्माण में किसी प्रकार के रसायन या मशीनों की आवश्यकता नहीं होती। जब मटका पुराना हो जाता है, तब वह मिट्टी में मिलकर पुनः प्रकृति का हिस्सा बन जाता है। मटके का उपयोग ग्रामीण कारीगरों और कुम्हारों की आजीविका से भी जुड़ा हुआ है। आधुनिकता के दौर में प्लास्टिक और स्टील के बर्तनों के बढ़ते उपयोग ने कुम्हारों के पारंपरिक व्यवसाय को प्रभावित किया है। यदि लोग फिर से मटकों का उपयोग बढ़ाएँ, तो इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। एक साधारण मटका केवल पानी ठंडा नहीं करता, बल्कि एक कारीगर के घर का चूल्हा भी जलाता है। भारतीय संस्कृति में मिट्टी का विशेष महत्व रहा है। मिट्टी को माँ के समान माना गया है, क्योंकि वही हमें अन्न देती है और जीवन का आधार बनती है। मिट्टी के घड़े का पानी पीना केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक भी है। जब कोई व्यक्ति मटके का पानी पीता है, तो उसे एक अलग प्रकार की संतुष्टि और अपनापन महसूस होता है। मिट्टी की सौंधी सुगंध मन को शांति देती है और बचपन की यादों को ताजा कर देती है। आज के समय में लोग आधुनिकता की दौड़ में प्राकृतिक जीवनशैली से दूर होते जा रहे हैं। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम सुविधाओं के बीच मनुष्य का संबंध प्रकृति से कमजोर पड़ता जा रहा है। ऐसे समय में मटके का पानी हमें यह याद दिलाता है कि सादगी में भी सुख छिपा होता है। प्रकृति के साथ जुड़कर ही मनुष्य स्वस्थ और संतुलित जीवन जी सकता है। हालाँकि, मटके का उपयोग करते समय कुछ सावधानियाँ भी आवश्यक हैं। मटके को नियमित रूप से साफ करना चाहिए ताकि उसमें गंदगी या बैक्टीरिया न पनपें। पानी को अधिक दिनों तक एक ही मटके में नहीं रखना चाहिए। यदि मटका पुराना या टूटा हुआ हो जाए, तो उसे बदल देना चाहिए। स्वच्छता बनाए रखने से ही मटके का पानी पूरी तरह लाभकारी बनता है। आजकल शहरों में भी मिट्टी के घड़ों की मांग तेजी से बढ़ रही है। लोग अपने घरों और कार्यालयों में मटका रखने लगे हैं। कई रेस्टोरेंट और होटल भी ग्राहकों को मटके का पानी परोस रहे हैं। यह परिवर्तन दर्शाता है कि लोग अब स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं। सोशल मीडिया और स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी प्राकृतिक जीवनशैली अपनाने पर जोर दे रहे हैं। शिक्षा संस्थानों और सामाजिक संगठनों को भी मटके के पानी के महत्व को बढ़ावा देना चाहिए। स्कूलों में बच्चों को इसके वैज्ञानिक और सांस्कृतिक लाभों के बारे में बताया जाना चाहिए। यदि नई पीढ़ी प्रकृति के इन सरल उपायों को समझेगी, तभी स्वस्थ समाज का निर्माण संभव होगा। सरकार को भी प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और पारंपरिक साधनों को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाने चाहिए। मीडिया की भूमिका भी इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकती है। फिल्मों, विज्ञापनों और सामाजिक अभियानों के माध्यम से मटके के पानी के लाभों को प्रचारित किया जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। हमें यह समझना होगा कि हर नई चीज बेहतर नहीं होती और हर पुरानी चीज बेकार नहीं होती। मटके का पानी हमें आत्मनिर्भरता और सादगी का भी संदेश देता है। यह हमें बताता है कि प्रकृति ने हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त साधन दिए हैं।

आधुनिक जीवनशैली में फ्रिज, एयरकंडीशनर और बोतलबंद पानी ने हमारे घरों में स्थायी जगह बना ली है, लेकिन इन सबके बीच मिट्टी के मटके का महत्व आज भी कम नहीं हुआ। गाँवों की चौपालों से लेकर शहरों की बालकनियों तक, मटके का पानी आज भी अपनी सौंधी खुशबू और प्राकृतिक ठंडक के कारण लोगों के दिलों में बसा हुआ है। यह केवल पानी रखने का साधन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, वैज्ञानिक समझ और प्रकृति से जुड़ी जीवनशैली का प्रतीक है। भारतीय समाज में मटके का इतिहास अत्यंत प्राचीन है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आज तक मिट्टी के बर्तनों का उपयोग हमारे जीवन का हिस्सा रहा है। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीना सीखा था। वे जानते थे कि हर समस्या का समाधान प्रकृति में ही छिपा है।

देश दुनिया से

क्वाड विदेशी मंत्रियों की नई दिल्ली बैठक के राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मायने

देखा जाए तो नई दिल्ली की यह बहुप्रतीक्षित क्वाड (Quad) बैठक यह बताती है कि आने वाले दशक में वैश्विक राजनीति का केंद्र यूरोप से हटकर इंडो-पैसिफिक बनने जा रहा है, और इस नई भू-राजनीतिक व्यवस्था में भारत केवल सहभागी नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति के रूप में उभर रहा है। इसका सारा श्रेय मोदी प्रशासन और आरएसएस के प्रति समर्पित बुद्धिजीवियों को जाता है, जिन्होंने अपनी सधी हुई रणनीति का वैश्विक कमाल दिखा दिया। आइए सबसे पहले समझते हैं कि क्वाड क्या है? तो यह जान लीजिए कि Quadrilateral Security Dialogue यानी Quad चार लोकतांत्रिक देशों- भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया- का रणनीतिक समूह है, जिसका मुख्य उद्देश्य "फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक" को सुरक्षित रखना है। पहला, भारत की वैश्विक भूमिका मजबूतः दिल्ली में बैठक आयोजित होना यह दिखाता है कि India अब इंडो-पैसिफिक राजनीति का केंद्रीय खिलाड़ी बन चुका है। भारत, अमेरिका और पश्चिम के लिए संतुलित साझेदार है। वैश्विक दक्षिण (Global South) और पश्चिमी शक्तियों के बीच "सेतु" की भूमिका निभा रहा है। चीन के मुकाबले लोकतांत्रिक विकल्प के रूप में उभर रहा है। दूसरा, रक्षा और समुद्री सुरक्षा को लाभः Quad की समुद्री निगरानी पहल भारत के लिए महत्वपूर्ण है। इससे हिंद महासागर में भारतीय निगरानी क्षमता बढ़ेगी। चीन की नौसैनिक गतिविधियों पर बेहतर नजर रखी जा सकेगी। भारतीय नौसेना को तकनीकी सहयोग मिलेगा। तीसरा, आर्थिक और तकनीकी अवसरः क्रिटिकल मिनरल्स, सेमीकंडक्टर और ऊर्जा सहयोग से भारत कोः नई निवेश संभावनाएँ, सप्लाई चेन हब बनने का मौका, मैन्युफैक्चरिंग विस्तार, और हाई-टेक उद्योगों में बढ़त मिल सकती है। चौथा, आतंकवाद पर भारत की चिंता को समर्थनः बैठक में आतंकवाद और सीमा पार आतंकवाद की निंदा की गई, जिसमें

पहलगाम हमले का भी उल्लेख हुआ। यह भारत के लिए महत्वपूर्ण कूटनीतिक समर्थन है, विशेषकर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मुद्दे पर, और वैश्विक मंचों पर भारत की सुरक्षा चिंताओं को वैधता देने में। पांचवां, भारत-अमेरिका संबंधों में नई ऊर्जाः हाल के समय में टैरिफ और रणनीतिक मतभेदों के बावजूद बैठक ने दिखाया कि Quad ढांचा अभी भी मजबूत है। इससे संकेत मिलता है कि भारत और अमेरिका दोनों चीन को लेकर दीर्घकालिक सहयोग चाहते हैं। Quad व्यक्तिगत नेताओं से ऊपर उठकर संस्थागत रूप ले रहा है। पहला, चीन को सामरिक संदेशः बैठक का सबसे बड़ा संकेत चीन के लिए था। संयुक्त बयान में दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर में "बलपूर्वक यथास्थिति बदलने" पर चिंता जताई गई। इसका अर्थ हुआ कि चीन की समुद्री सैन्य गतिविधियों पर निगरानी बढ़ेगी। इंडो-पैसिफिक में शक्ति संतुलन बनाने की कोशिश तेज होगी। Quad अब केवल "संवाद मंच" नहीं बल्कि "रणनीतिक समन्वय मंच" बनता दिख रहा है। दूसरा, इंडो-पैसिफिक में नई भू-राजनीतिक धुरीः Quad देशों ने समुद्री निगरानी, पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा सुरक्षा पर नई पहलें शुरू कीं। फिजी में संयुक्त पोर्ट परियोजना इसकी मिसाल है। इससे प्रशांत द्वीपीय देशों में चीन का प्रभाव संतुलित करने की कोशिश होगी। हिंद महासागर से प्रशांत महासागर तक नई रणनीतिक कनेक्टिविटी बनेगी। छोटे देशों को "चीनी कर्ज कूटनीति" का विकल्प मिलेगा। तीसरा, सप्लाई चेन और क्रिटिकल मिनरल्स की राजनीति Quad ने क्रिटिकल मिनरल्स और ऊर्जा सुरक्षा पर नया फ्रेमवर्क बनाया। यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकिः चीन रेयर अर्थ मिनरल्स में वैश्विक प्रभुत्व रखता है। सेमीकंडक्टर, रक्षा और AI उद्योग इन खनिजों पर निर्भर हैं। भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका मिलकर चीन-निर्भरता कम करना चाहते हैं। चौथा, पश्चिम एशिया संकट और समुद्री व्यापारः बैठक में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और रेड सी की सुरक्षा पर विशेष चर्चा हुई। इसके मायने ये हुए कि ईरान-इजरायल तनाव का असर वैश्विक व्यापार पर पड़ रहा है। क्वाड (Quad) वैश्विक समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा में बड़ी भूमिका निभाना चाहता है। ऊर्जा आपूर्ति और तेल कीमतों को स्थिर रखने की कोशिश है। पांचवां, "एशियाई नैटो" की बहस तेजः चीन लगातार क्वाड (Quad) को "ब्लॉक राजनीति" कहता रहा है। हालांकि क्वाड (Quad) खुद को नैटो (NATO) नहीं मानता, लेकिन सैन्य सहयोग बढ़ रहा है। समुद्री निगरानी और तकनीकी साझेदारी गहरी हो रही है। साझा सुरक्षा सोच विकसित हो रही है। सच कहूं तो नई दिल्ली की यह क्वाड (Quad) बैठक बताती है कि आने वाले दशक में वैश्विक राजनीति का केंद्र यूरोप से हटकर इंडो-पैसिफिक बनने जा रहा है। और इस नई भू-राजनीतिक व्यवस्था में भारत केवल सहभागी नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति के रूप में उभर रहा है।

आप का नज़रिया

शहरी विकास की विडंबनाएं

पर्वतीय विडंबनाओं पर शहरी ताज को संवारने की घोषणा करते हुए, शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बेंगलुरू मॉडल को अपनाने की इच्छा जाहिर की है। कोई भी मॉडल श्रेष्ठ हो सकता है, लेकिन इसकी शर्तें राजनीति से ऊपर और लाजिमी सुधारों के साथ ही पूरी हो सकती हैं। हिमाचल के शहरों में बेंगलुरू की आत्मा का आयात एक बड़ी घोषणा है, लेकिन इससे पहले कई सवालों के अर्थ खोजने होंगे। कुछ दशक पहले शिमला विकास प्राधिकरण का गठन हुआ, तो फिर इसे निरस्त क्यों किया गया। शिमला के साथ न्यू शिमला के विकास को अगर देखें, तो मालूम होगा कि हम कितने पानी में हैं। बेंगलुरू केवल शहर की कवायद नहीं, मैट्रो सिटी के नक्शे को आगे बढ़ाने का सिस्टम है। स्मार्ट सिटी तो शिमला और धर्मशाला भी बनने थे, तो इनकी असफलता या अपूर्णता के लिए सरकारें ही दोषी क्यों मानी गईं। दरअसल हिमाचल का शहरी विकास टीसीपी विभाग की क्षमता से ऊपर है, शहरों को स्मार्ट स्थिति तक ले जाना तथा कायम रखना। हमने अंग्रेजों के बसाये शहर बर्बाद किए तो इसलिए कि वहां से शहरी तहजीब को ही तिलांजलि दे दी गई। कभी शिमला अपने स्वच्छ पांवों, खुली हवा में ताकतवर फेफड़ों और पर्वतीय आचार संहिता से चलता था, लेकिन आज ग्रीन बेल्ट की तौहीन, जल निकासी के रास्तों और पहाड़ी परिवेश के उल्लंघन में चलता है। मंत्री जरा टीसीपी फाइल खोलकर यह बताएं कि पिछले तीन दशकों में शहरी कानूनों की कुर्बानियों पर शिमला कहां पहुंच गया। क्या हमने सोचा कि शिमला और आसपास फैलते शहरीकरण को 'राज्य राजधानी क्षेत्र' परियोजना के तहत विकसित करने की जरूरत है। क्या हमने प्रदेश की शहरी ग्रोथ का मूल्यांकन करते हुए शहरों का वर्गीकरण किया। मनाली का विकास कुल्लू की तरह नहीं हो सकता। इसी तरह मंडी और सुंदरनगर के विकास मॉडल में अंतर होगा। हिमाचल टेंपल सिटी आज भी विकास की खासियत चाहते हैं। पर्यटक शहर, शिक्षा के शहर, सांस्कृतिक-आर्थिक और प्रशासनिक शहरों की पहले खासियत तो तय कीजिए। आश्चर्य यह कि शहरी विकास मांग आधारित नहीं, बल्कि राजनीति से संचालित है। यही वजह है कि शहरों में न ढंग के बस स्टैंड, न पार्क, न पार्किंग स्थल और न ही खेल के मैदान विकसित हुए। शहर के जो मॉडल शिमला थे, वे भी हमने बर्बाद कर दिए। मसलन वाहन प्रतिबंधित बाजार और माल रोड अगर हर शहर में तय हो जाएं तो बदलाव आ जाएगा। इसी तरह शहरों के परिवहन को लेकर एलिवेटिड रोड, रज्जु मार्ग तथा झूला पुल परियोजनाएं अमल में आएं तो पैदल चलने के आसान रास्ते बनेंगे। बहरहाल हिमाचल में तीन नए शहरों की बात हो रही है, लेकिन ये भी पारंपरिक शहरों को शायद ही राहत दें। अगर ये आर्थिक, प्रोफेशनल, आईटी, मेडिकल सिटी या औद्योगिक साबित होते हैं, तो भी नक्शे पर गुरूर आएगा, लेकिन यहां तो बस्ती बसाने का लक्ष्य होना चाहिए। हिमाचल में दो या तीन शहरों को मिला कर कलस्टर योजनाएं बनाने की जरूरतें हैं ताकि शहरी और ग्रामीण जनता को आधारभूत सुविधाएं मिलें। इसके लिए पूरे प्रदेश में कम से कम छह शहरी विकास प्राधिकरणों का गठन करना ही पड़ेगा। बेशक बेंगलुरू मॉडल उत्साहित कर रहा हो, लेकिन हिमाचल की जनता जब तक तमाम सुविधाओं के एवज में कर अदायगी नहीं करेगी, हम एक इंच भी आगे नहीं बढ़ पाएंगे।

हिमाचल के शहरों में बेंगलुरू की आत्मा का आयात एक बड़ी घोषणा है, लेकिन इससे पहले कई सवालों के अर्थ खोजने होंगे। कुछ दशक पहले शिमला विकास प्राधिकरण का गठन हुआ, तो फिर इसे निरस्त क्यों किया गया। शिमला के साथ न्यू शिमला के विकास को अगर देखें, तो मालूम होगा कि हम कितने पानी में हैं। बेंगलुरू केवल शहर की कवायद नहीं, मैट्रो सिटी के नक्शे को आगे बढ़ाने का सिस्टम है। स्मार्ट सिटी तो शिमला और धर्मशाला भी बनने थे, तो इनकी असफलता या अपूर्णता के लिए सरकारें ही दोषी क्यों मानी गईं। दरअसल हिमाचल का शहरी विकास टीसीपी विभाग की क्षमता से ऊपर है, शहरों को स्मार्ट स्थिति तक ले जाना तथा कायम रखना। हमने अंग्रेजों के बसाये शहर बर्बाद किए तो इसलिए कि वहां से शहरी तहजीब को ही तिलांजलि दे दी गई। कभी शिमला अपने स्वच्छ पांवों, खुली हवा में ताकतवर फेफड़ों और पर्वतीय आचार संहिता से चलता था, लेकिन आज ग्रीन बेल्ट की तौहीन, जल निकासी के रास्तों और पहाड़ी परिवेश के उल्लंघन में चलता है। मंत्री जरा टीसीपी फाइल खोलकर यह बताएं कि पिछले तीन दशकों में शहरी कानूनों की कुर्बानियों पर शिमला कहां पहुंच गया। क्या हमने सोचा कि शिमला और आसपास फैलते शहरीकरण को 'राज्य राजधानी क्षेत्र' परियोजना के तहत विकसित करने की जरूरत है।

दृष्टि कोण

संकटग्रस्त विश्व में भारत की आर्थिक राह

हम सभी देख रहे हैं कि इक्कीसवीं सदी का विश्व वैज्ञानिक उन्नतियों के बाद भी अनेक प्राकृतिक-कृत्रिम बाधाओं से ग्रस्त है। कोरोना का कालखंड इसमें सबसे बड़ी बाधा रहा। इसके बाद अमरीका, रूस, ईरान, भारत, पाकिस्तान, यूक्रेन, इजरायल, खाड़ी के देशों सहित दुनिया के पंद्रह-बीस देश निरंतर युद्ध में उलझे हुए हैं, जिन पर निरंतर चर्चा हो रही है। नवीनतम अमरीका-इजरायल बनाम ईरान के युद्ध ने विश्व के सामने ऊर्जा की कठोर समस्याएं खड़ी कर दी हैं। अमरीका एवं इजरायल के द्वारा की गई बर्बादी का बदला ईरान तेल व गैस आपूर्ति के प्रमुख मार्ग होर्मुज को बंद कर, अवैध आवागमन शुल्क लेकर एवं बाधासंभावित बनाकर ले रहा है। ईरान के इस कर्म से दुनिया के विभिन्न देशों तक उनकी आवश्यकता का तेल तथा गैस सुगमता से नहीं पहुंच पा रही है। जो पहुंच भी रही है, वह भी अत्यंत महंगी होकर। उक्त देशों के चर्चित युद्ध के अतिरिक्त गुमनाम देशों के भी अपने पड़ोसियों के साथ युद्ध चल रहे हैं। यदि पड़ोसी देशों के साथ उनका युद्ध नहीं भी चल रहा है, किंतु उनके अपने ही देश में अलग-अलग रक्तरंजित संघर्ष निरंतर हो रहे हैं। चूंकि ये देश बड़े एवं संपन्न देश नहीं हैं, इसीलिए इनके युद्धक तथा स्वदेशी संघर्षों के समाचार अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुख्य जनसंचार माध्यमों पर नहीं होते। युद्धकेंद्रित इन समस्याओं के साथ-साथ प्राकृतिक अस्थिरता एवं प्रतिकूलता की स्थितियां भी नित नए-नए विकृत ढंग से उत्पन्न हो रही हैं। यदि भारत के संदर्भ में युद्धक तथा प्रकृति आधारित समस्याओं का विश्लेषण किया जाए तो इनका अंत होता हुआ नहीं दिखाई देता। वैसे तो गृहमंत्री ने जनसंचार माध्यम पर गर्वोक्ति के साथ घोषित कर दिया है कि भारत अब नक्सल-समस्या से मुक्त हो चुका है। यह अच्छी बात है। यदि मंत्री जी की घोषणा पूर्णतः सत्य है तो यह इस शासन की विशेष उपलब्धि है, किंतु इस उपलब्धि के साथ बाद में कोई किंतु-परंतु नहीं होना चाहिए। भविष्य में कहीं ऐसा कुछ सुनने या पढने को न मिल जाए कि नक्सलियों का उन्मूलन बड़े पूंजीपतियों के दबाव में उन

वनों के भौतिक-औद्योगिक उपयोग के लिए किया गया है, जहां ऐसे पूंजीपति अपनी नवीन महत्वाकांक्षी परियोजनाएं आरंभ करना चाहते हैं। नक्सल-समस्या से तो देश मुक्त हो चुका है, किंतु वैश्विक ऊर्जा व आपूर्ति संकट से घिर चुका है। इसके अतिरिक्त देश में बहुत-सी ऐसी समस्याएं हैं, जो केवल और केवल सामान्य मानव के स्तर पर जीवन जीकर ही अनुभव की जा सकती हैं। जब भारतीय जनता पार्टी राजनीतिक रूप में विपक्ष में थी और उसकी बड़ी शासकीय स्थापना नहीं थी, तो प्रायः वह कांग्रेस तथा अन्य सत्तारूढ़ दलों पर अनेक आरोप लगाया करती थी। देश की समस्याओं का समाधान नहीं करने के लिए ऐसे दलों को भारत के लौकिक न्यायालय में खड़ा कर प्रश्न पूछा करती थी। भाजपा का तत्कालीन सत्ताधारी दलों से प्रश्न करना कभी नहीं रुका। सत्ताधारी दलों की मनमानी और समस्याओं का समाधान न करने की प्रवृत्ति भी ज्यों की त्यों बनी रही। किंतु वर्तमान समय तो शासन में स्थापना के दृष्टिकोण से भाजपा के अनुकूल है। इस समय वह 20 प्रदेशों तथा 2 केंद्रशासित प्रदेशों में सत्तारूढ़ है। वह केवल 8 प्रदेशों व 6 केंद्रशासित प्रदेशों में सत्ता में नहीं है। इसके बाद भी अनेक सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याएं बनी हुई हैं और हर नए दिवस में पहले से अधिक विकराल हो रही हैं। जम्मू एवं कश्मीर, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, पूर्वोत्तर तथा दक्षिण भारतीय राज्यों की सीमाओं के समीप स्थित पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका तथा म्यांमार के माध्यम से भारत में अनेक प्रकार की समस्याएं उत्पन्न की जाती रही हैं।

नार्वे शतरंज 2026 : प्रज्ञानानंद को फिरोजा ने हराया, दिव्या देशमुख ने हम्पी को दी मात

दूसरे दौर में भी दिखा रोमांच, अलिरेजा फिरोजा लगातार दूसरी क्लासिकल जीत के साथ शीर्ष पर मजबूत

ओस्लो (नार्वे)

नार्वे शतरंज 2026 के दूसरे दौर में मंगलवार को एक बार फिर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों ने शानदार संघर्ष किया और कई मुकाबलों का फैसला आर्मगेडन टाईब्रेक में हुआ। दूसरे दौर का एकमात्र क्लासिकल मुकाबला फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलिरेजा फिरोजा ने भारतीय स्टार आर. प्रज्ञानानंद के खिलाफ जीता। मुकाबले में फिरोजा ने मिडिल गेम के बाद धीरे-धीरे दबाव बनाया और सटीक खेल के दम पर लगातार दूसरी क्लासिकल जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ उन्होंने अंक तालिका में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली।

कार्लसन ने आर्मगेडन में कीमर को हराया - विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन और जर्मनी के शीर्ष खिलाड़ी विन्सेंट कीमर के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला क्लासिकल प्रारूप में ड्रा रहा। कार्लसन लंबे समय तक बढ़त बनाते नजर आए, लेकिन कीमर ने कठिन स्थिति में शानदार बचाव करते हुए मुकाबला बराबरी पर समाप्त किया। हालांकि, आर्मगेडन टाईब्रेक में कार्लसन ने जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक अपने नाम किए।

गुकेश को वेस्ली सो ने आर्मगेडन में हराया - विश्व चैम्पियन डी. गुकेश और अमेरिका के वेस्ली सो के बीच भी लंबा रणनीतिक मुकाबला ड्रा रहा। इसके बाद खेले गए आर्मगेडन मुकाबले में वेस्ली सो ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

महिला वर्ग में बिबिसारा असाउबायेवा कायम रहीं शीर्ष पर - नार्वे शतरंज महिला वर्ग में भी दूसरा दौर बेहद रोमांचक रहा। तीनों क्लासिकल मुकाबले ड्रा रहे और सभी का फैसला आर्मगेडन में हुआ। टूर्नामेंट की शीर्ष खिलाड़ी बिबिसारा असाउबायेवा ने चीन की झू जिनर को आर्मगेडन में हराकर अपनी बढ़त बरकरार रखी। कजाखस्तान की इस ग्रैंडमास्टर ने तेज समय नियंत्रण में शानदार खेल दिखाया।

दिव्या देशमुख ने हम्पी को हराया - भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में दिव्या देशमुख ने कोनेरू हम्पी को आर्मगेडन टाईब्रेक में पराजित किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा था, लेकिन निर्णायक मुकाबले में दिव्या ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की।

न्यूज ब्रीफ

यूनिटी कप फुटबाल में 27 मई को भारत का मुकाबला जमैका से होगा, 24 साल बाद इंग्लैंड में अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी भारतीय टीम

लंदन। भारतीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय फुटबाल टीम आजकल यूनिटी कप 2026 में भाग लेने इंग्लैंड गयी हुई है। भारतीय टीम यहां अपना पहला मुकाबला भारतीय समयानुसार 27 मई की रात को दूसरे सेमीफाइनल में जमैका से खेलेगी। ये 24 साल बाद पहला अवसर है जब भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी। इससे पहले आखिरी बार भारतीय फुटबाल टीम ने साल 2002 में इंग्लैंड में मैच खेला था। ऐसे में इस मैच को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है। फीफा रैंकिंग में अभी भारतीय टीम 136वें स्थान पर है, जबकि जमैका 71वें स्थान पर है। वहीं, पहले सेमीफाइनल में नाइजीरिया और जिम्बाब्वे की टीमें टकरायेंगी। नाइजीरिया की टीम फीफा रैंकिंग में 26वें स्थान पर एक मजबूत दावेदार है, जबकि जिम्बाब्वे 130वें नंबर पर मौजूद है। इस टूर्नामेंट का प्रारूप ऐसा है कि सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमें तीसरे स्थान के लिए भी प्ले-आफ मैच खेलेंगी, जिससे सभी टीमों को कम से कम दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका मिलेगा। सभी मुकाबले लंदन के द वैली स्टेडियम में खेले जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम के लिए यह इंग्लैंड में अपनी क्षमताओं को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

टी20 में दोहरा शतक लगाना चाहते हैं वैभव सूर्यवंशी, गेल का 175 रनों का रिकार्ड तोड़ना भी है लक्ष्य

मुम्बई। डंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कई नये रिकार्ड बनाने वाले राजस्थान रायल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का लक्ष्य अब टी20 क्रिकेट में दोहरा शतक लगाना है। 15 साल की उम्र में ही इस सत्र में 500 से अधिक रन बनाकर आरेंज कैप के दावेदारों में शामिल वैभव का कहना है कि वह वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर क्रिस गेल का 175 रनों का रिकार्ड भी तोड़ना चाहते हैं। वैभव ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के एक शो में ये बातें कहीं। जब पीटरसन ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें अर्धशतक का जश्न मनाना अच्छा लगता है तो वैभव का जवाब था, मुझे 50 रन का जश्न मनाना ज्यादा पसंद नहीं है। मैं टी20 में 200 रन बनाना चाहता हूं। मैं गेल का रिकार्ड तोड़ना चाहता हूं। उनका ये बयान सोशल मीडिया में छा गया है। गौरतलब है कि गेल ने आईपीएल 2013 में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए पुणे वारियर्स इंडिया के खिलाफ मात्र 66 गेंदों में नाबाद 175 रन बनाए थे। इस पारी में गेल ने 13 चौके और 17 छक्के लगाये थे, और इसी मैच में उन्होंने 30 गेंदों में लीग का सबसे तेज शतक भी जड़ा था। ये रिकार्ड आज भी बरकरार है। वहीं वैभव इस सत्र के सबसे बड़े युवा सितारे बनकर उभरे हैं। उन्होंने 14 मैचों में 41.64 की शानदार औसत और 232.27 की विस्फोटक स्ट्राइक रेट से कुल 583 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं, जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 103 रन रहा है। इस सीजन में उन्होंने 53 छक्के लगाए हैं, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा हैं। वह क्रिस गेल के 59 छक्कों के रिकार्ड से सिर्फ 7 छक्के दूर हैं जो इसी सत्र में हासिल कर सकते हैं। वैभव टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी हैं। वैभव ने इस साल अंडर-19 विश्व कप में भी जबरदस्त प्रदर्शन कर 7 मैचों में 439 रन बनाए थे।

आईपीएल से लौटे माधव तिवारी मध्य प्रदेश लीग के लिए उज्जैन फाल्कन्स से जुड़े

उज्जैन (मध्य प्रदेश)। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी-20 सिंधिया कप 2026 से पहले उज्जैन फाल्कन्स को बड़ी मजबूती मिली है। आलराउंडर माधव तिवारी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स का अभियान समाप्त होने के बाद उज्जैन फाल्कन्स कैंप से जुड़ गये हैं। उज्जैन फाल्कन्स अपनी एमपीएल टी-20 अभियान की शुरुआत 3 जून को इंदौर के प्रतिष्ठित होलकर स्टेडियम में ग्वालियर चीताज के खिलाफ करेगी। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले आलराउंडर माधव ने आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए तीन मुकाबले खेले और प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए चार विकेट हासिल किए। टीम ने पूर्व मध्य प्रदेश क्रिकेटर सुनील धोलपुरे के मार्गदर्शन में टूर्नामेंट की तैयारियां पहले ही शुरू कर दी हैं, जहां खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ लगातार अभ्यास सत्रों में हिस्सा ले रहे हैं। रविवार को आयोजित एक भव्य समारोह में उज्जैन फाल्कन्स की नई जर्सी का भी आधिकारिक अनावरण किया गया था, जो उज्जैन की संस्कृति, पहचान और जोश को दर्शाती है। माधव तिवारी के टीम से जुड़ने पर उज्जैन फाल्कन्स के प्रमोटर विनायक कालानी ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स के साथ शानदार आईपीएल सीजन बिताने वाले माधव तिवारी का हम उज्जैन फाल्कन्स परिवार में स्वागत करते हैं।

राजस्थान रॉयल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को बुरी तरह रौंदा

अब क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटंस से भिड़ंत, वैभव सूर्यवंशी जीत के हीरो

मुल्लांपुर: आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को रौंदकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है।

मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ में पहले बैटिंग करते हुए राजस्थान ने वैभव सूर्यवंशी के धमाकेदार 97 रनों की पारी के दम पर 8 विकेट पर 243 रन बनाए। वैभव क्रिस गेल का सबसे तेज आईपीएल शतक का रिकॉर्ड तोड़ने ही वाले थे कि प्रफुल्ल हिंगे की गेंद पर एस. रविचंद्रन को कैच थमा बैठे।

खैर, 244 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की टीम ने खराब शुरुआत की, जबकि अभिषेक शर्मा बिना खाता खोले आउट हो गए। ट्रेविस हेड भी 17 रन पर चलते बने। इसके बाद कुछ अच्छी पारी जरूर देखने को मिली, लेकिन यह हैदराबाद को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं थी। पूरी टीम 19.2 ओवरों में सभी विकेट खोकर 196 रन बनाकर आउट हो गई। इस तरह से राजस्थान ने 47 रनों से जीत दर्ज की। अब टूर्नामेंट का क्वालीफायर-2 मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और क्वालीफायर-1 की हारी हुई टीम गुजरात टाइटंस के बीच 29 मई को इसी मैदान पर खेला जाएगा। विनिंग टीम फाइनल में बेंगलुरु के साथ भिड़ेगी।

अभिषेक शर्मा शून्य पर आउट, यूं दबाव में आई कमिंस की टीम

सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही, जब अभिषेक शर्मा बिना खाता खोले ही जोफ्रा आर्चर का शिकार बन गए। इसके बाद ट्रेविस हेड और ईशान किशन ने तूफानी अंदाज में रन बटोरे। किशन ने सिर्फ 11 गेंदों पर 33 रन बनाए, जिसमें 3 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। वहीं हेड ने 8 गेंदों में 17 रन की तेज पारी खेली। हालांकि, लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई। एस. रविचंद्रन केवल 1 रन बना सके, जबकि हेनरिक क्लासेन ने 10 गेंदों पर 18 रन जोड़े। पावरप्ले में सनराइजर्स ने 71 रन बनाए, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम बड़ी साझेदारी नहीं बना सकी।

नीतीश रेड्डी, सलील अरोरा और शिवांग ही कुछ देर टिक सके

इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी और सलील अरोरा ने पारी को संभाला। दोनों के बीच तेज साझेदारी हुई, जिसने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

नीतीश रेड्डी ने 20 गेंदों में 38 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 3 चौके और 2 छक्के शामिल थे। सलील अरोरा 21 गेंदों में 35 रन बनाकर आउट हुए तो टीम की उम्मीदें भी धूमिल पड़ गईं। आखिरी में शिवांग कुमार ने जरूर कुछ अच्छे शॉट्स खेलकर दर्शकों का मनोरंजन किया।

वैभव सूर्यवंशी के 12 छक्के, टीम ने बनाए 243 रन

इससे पहले वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल के तूफानी अर्धशतक से राजस्थान रॉयल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आठ विकेट पर 243 रन बनाए। सूर्यवंशी ने 29 गेंद में 12 छक्कों और पांच चौकों से 97 रन की पारी खेली जबकि जुरेल ने 21 गेंद में पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। सूर्यवंशी ने यशस्वी जायसवाल (29) के साथ पहले विकेट के लिए सिर्फ आठ ओवर में 125 रन जोड़कर रॉयल्स को ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई। सनराइजर्स की ओर से प्रफुल्ल हिंगे सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 54 रन देकर तीन विकेट चटकाए। कप्तान पैट कमिंस ने चार ओवर में 64 जबकि साकिब हुसैन ने चार ओवर में 52 रन लुटाए।

वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल की पावरफुल साझेदारी

रॉयल्स की टीम अंतिम चार ओवर में 34 रन ही बना सकी। सनराइजर्स ने टॉस जीतकर रॉयल्स को बल्लेबाजी का न्योता दिया जिसके बाद सूर्यवंशी और जायसवाल ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 80 रन जोड़कर टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई। सूर्यवंशी ने पैट कमिंस पर छक्के के साथ शुरुआत की और फिर सनराइजर्स के कप्तान के अगले ओवर में लगातार तीन छक्के मारे। सूर्यवंशी ने साकिब हुसैन के ओवर में तीन छक्कों के साथ सिर्फ 16 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और इस दौरान किसी टी20 टूर्नामेंट के एक सत्र में सर्वाधिक 59 छक्के के क्रिस गेल के रिकॉर्ड को भी तोड़ा।

जायसवाल ने भी इस बीच इशान मलिंगा और हिंगे पर चौके जड़े। सूर्यवंशी ने हिंगे पर छक्के के साथ आठवें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया। उन्होंने इसी ओवर में लगातार गेंदों पर दो चौके और दो छक्के भी मारे लेकिन अगली गेंद पर थर्ड मैन पर रविचंद्रन स्मरण को कैच दे बैठे।

जायसवाल भी इसके बाद स्पिनर शिवांग कुमार की गेंद को लॉन्ग ऑफ पर अभिषेक शर्मा के हाथों में खेल गए। जुरेल ने आते ही शिवांग पर छक्का मारा और फिर कमिंस पर भी दो चौके और एक छक्का मारा। जुरेल ने हिंगे पर छक्के के साथ सिर्फ 20 गेंद में मौजूदा सत्र का अपना चौथा अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगली गेंद को हवा में खेलकर नीतीश कुमार रेड्डी को कैच दे बैठे। कप्तान रियान पराग (26) ने हुसैन की लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ 15वें ओवर में टीम के रनों का दोहरा शतक पूरा किया।

वह हालांकि अगले ओवर में हिंगे की गेंद पर हेनरिक क्लासेन को कैच दे बैठे। दासुन शनाका भी पांच रन बनाने के बाद मलिंगा की गेंद अभिषेक के हाथों लपके गए जबकि डोनोवन फरेरा 12 रन बनाकर रन आउट हुए।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप पर हैं मनु की नजरें

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फार्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है।

रैना ने शुभमन और सुदर्शन की जोड़ी को आईपीएल की सबसे अच्छी जोड़ी बताया

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इनकी जोड़ी आईपीएल इतिहास की सबसे अच्छी सलामी जोड़ी है। रैना ने कहा कि शुभमन और सुदर्शन ने जिस तेजी और निरंतरता के साथ रन बनाए हैं।

ऐसा करने में कोई भी दूसरी जोड़ी सफल नहीं रही है। इन दोनों ने साथ मिलकर केवल 46 पारियों में ही तेजी से खेलते हुए 21 बार 50 या उससे अधिक रनों की साझेदारी की है। इससे उनकी आपसी समझ और मैदान पर एक दूसरे के साथ अच्छे तालमेल का पता चलता है। रैना ने कहा कि इस जोड़ी ने विराट कोहली और क्रिस बेल के अलावा एबी डिविलियर्स और-विराट की जोड़ी को भी पीदे छोड़ दिया है। रैना ने कहा, जहां गेल और कोहली को 21 बार 50 से अधिक रनों की साझेदारी तक पहुंचने में 59 पारियां लगी थीं, वहीं डिविलियर्स और कोहली ने यह उपलब्धि 76 पारियों में हासिल की थी जबकि शुभमन और सुदर्शन ने यह आंकड़ा केलव 46 पारियों में ही हासिल कर लिया। इन जोड़ी ने आईपीएल के अलावा टी20 क्रिकेट में भी कई बड़े रिकार्ड बनाये हैं। इस जोड़ी ने अब तक 10 शतकीय साझेदारियाँ बनायी हैं, और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह सबसे तेज जोड़ी है। इस जोड़ी ने आईपीएल में बिना कोई विकेट खोये 200 रन के लक्ष्य को भी आसानी से हासिल किया है। इन दोनो ने ही पारी शुरु करते हुए आईपीएल में 2000 से अधिक रन बनाये हैं, और उनकी साझेदारी का औसत 67 से अधिक का है, जो उनकी निरंतरता और एक-दूसरे के प्रति समझ को स्पष्ट रूप से दिखाता है। यह औसत उनकी बल्लेबाजी की गहराई और हर हाल में प्रदर्शन करने की क्षमता भी दिखाता है। रैना के अनुसार, गिल और सुदर्शन की सबसे बड़ी ताकत उनके बीच की अच्छी समझ और फिटनेस है। उन्होंने समझाया, दोनों बल्लेबाज अविश्वसनीय रूप से फिट हैं और उन्हें अच्छी तरह पता है कि कब आक्रामक होना है और किस गेंदबाज को निशाना बनाना है। एक गेंद की गति का इस्तेमाल करता है, जबकि दूसरा कोण बनाकर शानदार शाट्स खेलता है, जिससे विपक्षी गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना असंभव हो जाता है। इसका भी सबसे बड़ा लाभ टीम को मिला है।

बुमराह को अब भी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं एबी डिविलियर्स

जोहांसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खराब प्रदर्शन के बाद निशाने पर आये तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का बचाव किया है। डिविलियर्स ने कहा है कि बुमराह अभी भी विश्वकप के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और महज एक सत्र खराब होने से उन्हें खारिज नहीं किया जा सकता है। डिविलियर्स ने माना है कि बुमराह मुंबई इंडियंस की ओर से उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर कहा कि इस प्रकार का खराब दौर हर क्रिकेटर के जीवन में आता है पर इसका कलतब ये नहीं कि वे बेकार हो गये। साथ ही कहा कि इससे उनकी गुणवत्ता पर कोई असर नहीं पड़ता और वह जल्द ही अपने पुराने रंग में लौटेंगे।

बुमराह के लिए यह सत्र बेहद खराब रहा है। पूरे टूर्नामेंट में वह 13 मैच केवस 4 विकेट ही ले पाये। ये उनके जैसे खिलाड़ी के लिए बेहद निराशाजनक है। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 रहा, जो टी20 क्रिकेट के इतिहास में एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक ओवर फेंकने वाले गेंदबाज का अब तक का सबसे खराब औसत माना जा रहा है।

डिविलियर्स ने बुमराह का बचाव करते हुए कहा कि एक खराब प्रदर्शन किसी भी खिलाड़ी की क्लास को खत्म नहीं कर सकता। उन्होंने जोर देकर कहा, यह बुमराह के आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा, इसमें कोई संदेह नहीं है। उनका औसत 100 से ज्यादा रहा, लेकिन इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इन सबके बावजूद, मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सबसे बेहतरीन गेंदबाज हैं। डिविलियर्स ने बुमराह की क्षमताओं पर अटूट विश्वास व्यक्त किया। साथ ही कहा कि वह जल्द ही अपने पुराने शानदार अंदाज में वापसी करेंगे। यह भी याद रखन चाहिये कि आईपीएल से पहले टी20 विश्व कप में उन्होंने भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

आरसीबी की जीत के बाद विराट, अनुष्का हुए रोमांटिक, प्रशंसक भी उत्साहित दिखे

धर्मशाला। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के पहले क्वालीफायर में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की गुजरात टाइटंस के खिलाफ बड़ी जीत के बाद का एक बेहतरीन वीडियो आया है। इसमें आरसीबी की जीत के बाद पूर्व कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा का रोमांटिक अंदाज देखकर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे। आरसीबी ने गुजरात के खिलाफ जीत के साथ ही फाइनल में जगह बनायी है। टीम की इस जीत के बाद विराट और अनुष्का का एक बेहद भावुक और रोमांटिक पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है, जिससे प्रशंसक उत्साहित हैं। गुजरात पर जीत पक्की होने के बाद, विराट स्टैंड्स में अपने परिवार और अनुष्का से मिलने पहुंचे। जैसे ही वे अपनी पत्नी के पास पहुंचे, उन्होंने उसे गर्मजोशी से गले लगा लिया, जो जादू की झप्पी से कम नहीं थी। इस रोमांटिक और इमोशनल पल को देखकर मैदान में मौजूद प्रशंसक खुशी से झूम उठे और विराट-अनुष्का के नाम के नारे लगाने लगे। अनुष्का अक्सर मैदान पर विराट और उनकी टीम का हौंसला बढ़ाने स्टेडियम पहुंचती रहती है। आईपीएल 2026 के इस क्वालिफायर मुकाबले में आरसीबी की जीत के बाद ये दोनो ही बेहद खुश दिखे।

पांच जून को लान्च होगा हेक्सागान न्यूट्रिशन का आईपीओ 12 जून को बीएसई और एनएसई पर हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

न्यूट्रिशन प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी हेक्सागान न्यूट्रिशन ने अपने आईपीओ की लान्चिंग का ऐलान कर दिया है। कंपनी का 138.87 करोड़ रुपये का आईपीओ पांच जून को खुलेगा। इस आईपीओ में निवेशक नौ जून तक बोली लगा सकेंगे। एंकर इन्वेस्टर्स इस आईपीओ में चार मार्च को बोली लगाएंगे। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 10 जून को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 जून को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 12 जून को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 42 रुपये से लेकर 45 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 333 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लाट यानी 333 शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे, जिसके लिए उन्हें 14,985 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स 1,94,805 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 4,329 शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। इस आईपीओ के तहत एक रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 3,08,59,704 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये जारी किए जाएंगे। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए कम्युलेटिव कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। हेक्सागान न्यूट्रिशन की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 5.82 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 12.21 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 24.38 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 27.03 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 281.65 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 304.62 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 331.29 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

न्यूज ब्रीफ

उबर और जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने की नई साझेदारी की घोषणा

नई दिल्ली। कैब सेवा कंपनी उबर और जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने नई साझेदारी की घोषणा की है। भारत के तेजी से बढ़ते टैक्सी बाजार के लिए दोनों कंपनियों ने विशेष इलेक्ट्रिक वाहन तैयार करने के उद्देश्य से एक समझौता किया है। हाल ही में यह समझौता मुंबई में जेएसडब्ल्यू ग्रुप के पार्थ जिंदल और उबर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दारा खोसरोशाही के बीच हुआ। इस साझेदारी का उद्देश्य देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना और प्रदूषण कम करने में मदद करना है। भारत सरकार लगातार इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित कर रही है और हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी लोगों से इलेक्ट्रिक कारों को अपनाने की अपील की थी। ऐसे में उबर और जेएसडब्ल्यू की यह साझेदारी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को नई रफ्तार दे सकती है। उबर पहले से ही भारत के कई बड़े शहरों में टाटा मोटर्स और अन्य फ्लीट आपरेटरों के साथ मिलकर इलेक्ट्रिक कारों और टू-व्हीलर्स की संख्या बढ़ाने पर काम कर रही है। अब जेएसडब्ल्यू के साथ यह समझौता कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहन नेटवर्क को और मजबूत करेगा। इस डील से जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर को भी बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी भारत में नई हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक कारें लान्च करने और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 440 मिलियन डालर निवेश करने की योजना बना चुकी है।

गोयल ने कनाडा के निवेशकों को स्वच्छ ऊर्जा, एआई क्षेत्र में भागीदारी के लिए किया आमंत्रित

भारत का इलेक्ट्रानिक्स सपना, क्या चीन की बाधा से रुकेगी रफ्तार

500 अरब डालर के उत्पादन लक्ष्य पर मंडराया संकट, एप्पल की निर्भरता भी चुनौती

नई दिल्ली

मोबाइल और इलेक्ट्रानिक्स कंपनियों के प्रमुख संगठन इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रानिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने भारत की महत्वाकांक्षी चाइना प्लस वन' रणनीति पर चीन के नए नियमों से उत्पन्न खतरे के मद्देनजर सरकार से तत्काल एक बड़ा अंतर-मंत्रालयी समूह गठित करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि चीन के हालिया फैसले कंपनियों की वैश्विक सप्लाई चेन और कारोबारी विविधीकरण की योजनाओं को बाधित कर सकते हैं, जिससे भारत के तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण और निर्यात लक्ष्यों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। आईसीईए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पिछले हफ्ते कैबिनेट सचिव को इस संबंध में एक विस्तृत पत्र लिखा है। इसके अनुसार चीन ने अप्रैल में दो नए नियम लागू किए हैं, जो कंपनियों के डेटा इस्तेमाल, सप्लाई चेन बदलने और कारोबार दूसरे देशों में शिफ्ट करने पर अत्यधिक सरकारी नियंत्रण स्थापित करते हैं। इन नियमों का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यदि कोई चीनी कंपनी भारत में फैक्टरी लगाने या अपने कारोबार को चीन से बाहर शिफ्ट करने का निर्णय लेती है, तो उसके अधिकारियों पर व्यक्तिगत कार्रवाई भी हो सकती है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब कोरोना महामारी के बाद दुनियाभर की कंपनियां चीन पर अपनी निर्भरता कम करते हुए भारत जैसे वैकल्पिक विनिर्माण हब की तलाश में हैं, जिसे चाइना प्लस वन रणनीति के नाम से जाना जाता है। भारत इस रणनीति का बड़ा लाभार्थी बनना चाहता है, खासकर मोबाइल और इलेक्ट्रानिक्स सेक्टर में।

संगठन ने चिंता जताई है कि चीन के ये नियम भारत में विदेशी निवेश के प्रवाह, सप्लाई चेन के विविधीकरण और घरेलू विनिर्माण की गति को गंभीर रूप से बाधित कर सकते हैं। आईसीईए ने सरकार से आग्रह किया है कि विभिन्न मंत्रालयों को मिलकर इन नियमों के दीर्घकालिक असर का गहन अध्ययन करना चाहिए और इनसे निपटने के लिए आवश्यक नीतिगत उपाय करने चाहिए। इलेक्ट्रानिक्स अब भारत का तीसरा सबसे बड़ा एक्सपोर्ट सेक्टर बन चुका है, और वित्त वर्ष 2026 में इसका कुल कारोबार 150 अरब डालर और एक्सपोर्ट 28 अरब डालर तक पहुंचने का अनुमान है। सरकार का महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2030 तक इलेक्ट्रानिक्स उत्पादन को 500 अरब डालर और एक्सपोर्ट को 200 अरब डालर तक पहुंचाना है।

भारत से सबसे ज्यादा इलेक्ट्रानिक्स एक्सपोर्ट मोबाइल फोन का होता है। वित्त वर्ष 2026 में मोबाइल फोन उत्पादन 70 अरब डालर और एक्सपोर्ट 29.4 अरब डालर रहा, जिसमें एप्पल का योगदान सर्वाधिक रहा। एप्पल ने अकेले वित्त वर्ष 2026 में भारत से 21 अरब डालर से अधिक के आईफोन एक्सपोर्ट किए, लेकिन कंपनी अभी भी अपने कई प्रमुख पुर्जों के लिए चीन पर महत्वपूर्ण रूप से निर्भर है। यही निर्भरता चीन के नए नियमों को और भी संवेदनशील बनाती है, क्योंकि ये नियम चीनी आपूर्तिकर्ताओं को भारत जैसे बाजारों में विनिर्माण विस्तार से रोक सकते हैं, जिससे चाइना प्लस वन का लक्ष्य चुनौतीपूर्ण हो जाएगा और भारत के निर्यात महत्वाकांक्षाओं पर सीधा असर पड़ेगा।

ग्राहक तेजी से आटोमैटिक कारों की ओर कर रहे हैं रुख

नई दिल्ली। आसान ड्राइविंग और बार-बार गियर बदलने की झंझट से राहत मिलने के कारण लोग तेजी से आटोमैटिक कारों की ओर रुख कर रहे हैं। यही वजह है कि भारत में आटोमैटिक कारों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। इस बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि कई लोग अनजाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे कार का गियरबाक्स खराब हो सकता है और भारी खर्च उठाना पड़ सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, सबसे बड़ी गलती चलती कार में गियर बदलना है। कई लोग कार पूरी तरह रोके बिना ड्राइव मोड से रिवर्स या पार्क मोड में शिफ्ट कर देते हैं। ऐसा करने से गियरबाक्स के अंदरूनी हिस्सों पर भारी दबाव पड़ता है और इसके खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए गियर बदलने से पहले कार को पूरी तरह रोकना जरूरी है। ढलान या फ्लाईओवर से उतरते समय कार को न्यूट्रल मोड में डालना भी नुकसानदायक माना जाता है। कई लोग माइलेज बचाने के लिए ऐसा करते हैं, लेकिन इससे कार पर नियंत्रण कम हो जाता है और गियरबाक्स तक आयल सप्लाई प्रभावित होती है। इससे गियर के पुर्जे गर्म होकर जल्दी खराब हो सकते हैं। ट्रैफिक सिग्नल पर बार-बार पार्क मोड का इस्तेमाल करना भी सही नहीं माना जाता। पार्क मोड केवल गाड़ी खड़ी करने के लिए होता है। ट्रैफिक में लगातार इसका उपयोग करने से लाकिंग पिन पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। ऐसी स्थिति में ब्रेक दबाकर रखना या न्यूट्रल मोड का इस्तेमाल बेहतर माना जाता है। कार पार्क करते समय सीधे पार्क मोड लगाने की बजाय पहले न्यूट्रल में लाकर हैंडब्रेक लगाना चाहिए।

बड़े बैंकों की चमक फीकी, छोटे बैंक बने निवेशकों की पसंद

बंधन, आरबीएल, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने चौंकाया, बढ़ा निवेशकों का भरोसा

नई दिल्ली

भारतीय बैंकिंग सेक्टर चौथी तिमाही के नतीजों के बाद एक दिलचस्प मोड़ पर खड़ा है। जहां एक ओर एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई जैसे दिग्गज बैंक निवेशकों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरे नहीं उतर पाए, वहीं बंधन बैंक, आरबीएल बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक जैसे छोटे और मझोले खिलाड़ी निवेशकों की नई पसंद बनकर उभर रहे हैं।

मार्जिन पर बढ़ता दबाव और जमा जुटाने की बढ़ती लागत ने बड़े बैंकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, जबकि भू-राजनीतिक अनिश्चितता और आगामी नियामक बदलाव भी सेक्टर के लिए नई चुनौतियां पेश कर रहे हैं। ऐसे में निवेशक अब केवल बड़े नामों पर नहीं, बल्कि बदलती आर्थिक परिस्थितियों और नियामक सुधारों के बीच उभरने वाले नए अवसरों पर भी ध्यान दे रहे हैं।

चौथी तिमाही के नतीजों में सबसे ज्यादा चर्चा मार्जिन और डिपाजिट ग्रोथ की रही। बैंकों को अब ग्राहकों से ज्यादा ब्याज देकर जमा पूंजी जुटानी पड़ रही है, जिससे उनकी कमाई पर सीधा असर पड़ रहा है। यह दबाव खास तौर पर बड़े प्राइवेट और सरकारी बैंकों में देखा गया, जिसके चलते उनके शेयर बाजार में दबाव में दिखे। एंटीक स्टाक ब्रोकिंग की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक अनिश्चितता का असर भी भारतीय बैंकिंग सेक्टर पर दिख रहा है, जो मार्जिन संबंधी चुनौतियों को और बढ़ा रहा है।

सरकारी बैंकों पर दोहरी मार और भविष्य की चुनौतियां: सरकारी बैंकों पर मार्जिन संबंधी दबाव का असर ज्यादा गहरा दिखा, क्योंकि उनकी ट्रेजरी इनकम भी कमजोर रही। बान्ड यील्ड बढ़ने की वजह से कई बैंकों को ट्रेडिंग लास उठाना पड़ा। इतना ही नहीं, आने वाले समय में एक्सपेक्टेड क्रेडिट लास (ईसीएल) फ्रेमवर्क लागू होने और वेतन संशोधन का दबाव भी इन बैंकों की कमाई को प्रभावित कर सकता है। इन चुनौतियों के बावजूद, सरकारी बैंकों में एसबीआई को बाकी बैंकों के मुकाबले बेहतर स्थिति में माना गया है, जो उसकी मजबूत बैलेंस शीट और बाजार हिस्सेदारी को दर्शाता है।

अंडरडाग से आउटपरफार्मर बनने की राह: जहां दिग्गज बैंक संघर्ष कर रहे हैं, वहीं कुछ ऐसे बैंक जिनमें पहले दिक्कतें ज्यादा थीं, अब निवेशकों की पसंद बनते नजर आ रहे हैं। बंधन बैंक में एसेट क्वालिटी को लेकर चिंता कम हुई है, जबकि आरबीएल बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। बाजार को लग रहा है कि इन बैंकों में आने वाले समय में मजबूत सुधार देखने को मिल सकता है। हालांकि बड़े बैंकों की तुलना में इन बैंकों में जोखिम ज्यादा माना जाता है, लेकिन मजबूत ग्रोथ की उम्मीद और आकर्षक वैल्यूएशन के कारण इनमें दिलचस्पी बढ़ रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

'सुप्रीम' बोला...

की सामान्य प्रोसेस से अलग है।

3. वोटर लिस्ट से नाम हटना, नागरिकता जाना नहीं - सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर की प्रक्रिया को वैध ठहराते हुए कहा कि इस प्रक्रिया के तहत वोटर लिस्ट से नाम हटाने का मतलब यह नहीं है कि किसी की नागरिकता खत्म हो गई। यह फैसला इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि याचिकाकर्ताओं और विपक्षी दलों का कहना था कि चुनाव आयोग का एसआईआर अभियान पिछले दरवाजे से नागरिकता जांच जैसा है।

4. नागरिकता तय करना चुनाव आयोग का काम नहीं - सुप्रीम कोर्ट

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि चुनाव आयोग नागरिकता के सवाल को सिर्फ इस सीमित दायरे में देख सकता है कि किसी व्यक्ति का नाम वोटर लिस्ट में शामिल किया जाए या हटाया जाए। अदालत ने साफ कहा कि चुनाव आयोग किसी का नाम वोटर लिस्ट से हटा सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है वह व्यक्ति भारत का नागरिक नहीं रहा। नागरिकता तय करना चुनाव आयोग का काम नहीं है।

5. एसआईआर जन प्रतिनिधित्व अधिनियम और संबंधित नियमों के विपरीत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि एसआईआर कानूनी रूप से मान्य और उचित है इसलिए यह जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपी एक्ट) का उल्लंघन भी नहीं करता है।

महाराष्ट्र में ...

इसके बाद घटनाक्रम तेजी से बदलने लगता है। आदित्य ठाकरे की मांग पर शिवसेना (यूबीटी) के एमएलसी मिलिंद नार्वेकर ने फडणवीस को बीएमसी के प्रस्तावों में मौजूद गड़बड़ियों के बारे में जानकारी दी। नार्वेकर ने बताया कि फडणवीस ने तुरंत बीजेपी पार्षदों से इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी और इन चारों प्रस्तावों को तुरंत रोक देने का निर्देश दिया।

दिलचस्प बात यह है कि शिंदे गुट के एक पार्षद ने भी ब्लड बैंक से जुड़े इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार के फैसले का समर्थन किया और आदित्य ठाकरे के रुख से सहमति जताई। वहीं दूसरी ओर बीजेपी ने परदे के पीछे से चुपचाप इस डील को डिरेल करने में रोल निभाया।

मातोश्री और देवेंद्र फडणवीस के बीच तालमेल, शिंदे गुट हाशिए पर

मातोश्री और देवेंद्र फडणवीस के बीच इस सफल तालमेल ने एकनाथ शिंदे गुट को हाशिए पर धकेल दिया। इस घटनाक्रम ने महाराष्ट्र में बदलते राजनीतिक समीकरणों को लेकर जोरदार चर्चा छेड़ दी है।

मेरे पूर्वज...

यह लाइन आमतौर पर पासपोर्ट की तीसरे पेज पर छपी होती है। यह पाकिस्तान की आधिकारिक नीति को दर्शाता है कि वह इजरायल को मान्यता नहीं देता और पाकिस्तानी नागरिक इस पासपोर्ट से इजरायल की यात्रा नहीं कर सकते।

लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान को अप्रत्यक्ष रूप से यही कहा है। ट्रंप ने कहा है कि पाकिस्तान अब्राहम अकॉर्ड में शामिल हो। अब्राहम अकॉर्ड में शामिल होने का मतलब है कि पाकिस्तान इजरायल को मान्यता दे। ट्रंप का ये ऑफर ऐसा है कि पाकिस्तान के राजनीतिक हलकों में चुप्पी छा गई है। पाकिस्तान के फाइव स्टार जनरल आसिम मुनीर चुप हैं, तो पीएम शहबाज शरीफ भी मुंह चुरा रहे हैं।

लेकिन जो काम आसिम मुनीर और शहबाज शरीफ नहीं कर पा रहे हैं वो काम किया है पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने। ख्वाजा आसिफ ने बिना लाग-लपेट को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को जवाब देते हुए कहा है कि वे निजी तौर पर ऐसे किसी भी समझौते में शामिल होने के खिलाफ हैं जहां इजरायल को मान्यता मिलती हो।

उन्होंने एक टीवी प्रोग्राम पर कहा, जाती तौर पर मेरा ख्याल है कि हमें किसी भी ऐसे अकॉर्ड में शामिल नहीं होना चाहिए जो हमारे बुनियादी नजरियात के साथ टकराव पैदा हो। मुझे लगता है कि इस बाबत हमारी ओर से कोई कोशिश नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि उन लोगों के साथ किस तरह बैठेंगे जिन्हें एक दिन भी यकीन नहीं किया जा सकता है। हमारा स्पष्ट मानना है कि ये चीज हमें स्वीकार्य नहीं है। हमारे पासपोर्ट में तो इजरायल का नाम भी शामिल नहीं है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ पाकिस्तान की राजनीति के बयानबाज माने जाते हैं।

ख्वाजा आसिफ अब्राहम अकॉर्ड को स्वीकार नहीं करते हैं लेकिन दूसरी ओर विदेश मंत्रालय कह रहा है कि तीन महान धर्मों के सह-अस्तित्व को कबूल किया जा सकता है।

पाकिस्तान के इस दोहरे चरित्र को लेकर इस्लामाबाद से लेकर वाशिंगटन तक बौखलाहट है। आतंकवादी संगठन लश्कर ए तैयबा के डिप्टी चीफ सैफुल्लाह कसूरी ने पाकिस्तानी हुकूमत को ही धमकी दे डाली है। उन्होंने कहा है कि, वो कहते हैं इजराइल यहूदी यहूदियों को कबूल कर लो, इजराइली, यहूदी कबूल नहीं, वो हुक्मरान हो, वो बादशाह हो, वो जो भी हो, जो भी इजराइल को कबूल करेगा वो हलाक हो जाएगा, तबाह हो जाएगा, बर्बाद हो जाएगा।

वहीं ट्रंप के करीबी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने खुलेआम पाकिस्तान की क्लास लगाई है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि उन्हें पहले से लग रहा था कि पाकिस्तान गड़बड़ है, और इजरायल से उसकी दुश्मनी है। पाकिस्तान में ईरानी विमान छिपाए जा रहे हैं। उसका रक्षा मंत्री इजरायल विरोधी बयान दे रहा है। तो पाकिस्तान क्लियर करे कि ट्रंप की अब्राहम अकॉर्ड वाली अपील पर उसका क्या कहना है।

अब्राहम अकॉर्ड पर राष्ट्रपति ट्रंप की अगली प्रतिक्रिया का इंतजार है तब देखना होगा कि ईरान वॉर में कूटनीति का कथित मास्टरस्ट्रोक चलने वाला पाकिस्तान अपने आकाओं को क्या जवाब देता है।

200 किलो...

वर्तमान में छठी पीढ़ी के रूप में एस.के. शीनिवास मंदिर की देखभाल कर रहे हैं। मंदिर में पूजा-पाठ, भोग, भजन-कीर्तन और साफ-सफाई सहित विभिन्न कार्यों के लिए चार लोग सेवा में लगे हुए हैं।

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, करीब 350 वर्ष पहले हाड़ौती क्षेत्र के श्रद्धालु सीमित यातायात सुविधाओं के कारण जगन्नाथ पुरी मंदिर नहीं जा पाते थे। इसी वजह से कोटा के रामपुरा क्षेत्र में भगवान जगदीश का यह मंदिर स्थापित किया गया। मंदिर में भगवान जगदीश (कृष्ण), बलभद्र (बलराम) और बहन सुभद्रा की प्रतिमाएं विराजमान हैं। मंदिर सुबह 6 से 10 बजे और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खुला रहता है।

विजयन- ईडी ...

इसके साथ ही, विवाद के केंद्र में रही निजी कंपनी कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) के अलुवा स्थित कॉर्पोरेट दफ्तर और उसके प्रबंध निदेशक शशिधरन कर्था के आवास को भी खंगाला गया।

इस कार्रवाई के विरोध में सीपीआई(एम) के कार्यकर्ता सड़क पर आ गए। विजयन के घर पहुंचे ईडी अधिकारियों को घेर लिया। उनकी गाड़ियों को तोड़फोड़ की गई। जैसे-तैसे पुलिस ने उन्हें वहां से निकाला। लेफ्ट इसे केंद्र सरकार का पॉलिटिकल वेंडेटा करार दे रहा है। हालांकि, कानूनी गलियारों में इस दलील की हवा कल ही निकल चुकी थी, जब हाई कोर्ट ने जांच पर रोक लगाने की कंपनी की याचिका को सिरे से खारिज कर दिया था।

क्या है केरल का सीएमआरएल केस? मंथली प्रोटेक्शन मनी और रसूख का खेल

यदि आरोपों को सच मानें तो यह सीधे तौर पर क्रोनी कैपिटलिज्म और राजनीतिक रसूख के दुरुपयोग का एक क्लासिक उदाहरण नजर आता है।

मामला साल 2017 से 2021 के बीच का है। पूर्व मुख्यमंत्री पिनरई विजयन की बेटी वीणा की एक कंसल्टेंसी फर्म थी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस। इस फर्म को माइनिंग और केमिकल क्षेत्र की निजी कंपनी सीएमआरएल ने लगभग 1.72 करोड़ रुपये (कुछ वित्तीय आकलनों के अनुसार 2.70 करोड़ रुपये) का भुगतान किया। आयकर विभाग के अंतरिम सेटलमेंट बोर्ड की जांच में जो सबसे चौंकाने वाला तथ्य सामने आया, वो यह था कि इस भारी-भरकम रकम के बदले वीणा की कंपनी ने सीएमआरएल को कोई सॉफ्टवेयर या मार्केटिंग सर्विस दी ही नहीं थी।

गंभीर आरोप: सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) की 160 पन्नों की चार्जशीट में साफ कहा गया है कि यह भुगतान किसी व्यापारिक सौदे के एवज में नहीं, बल्कि सूबे के सबसे शक्तिशाली राजनेता के परिवार को संतुष्ट रखने और फायदा लेने के लिए किया गया एक मंथली प्रोटेक्शन मनी था।

कांग्रेस का बुना जाल, जिसमें वह खुद फंसी

इस पूरे मामले को जनता की अदालत में लाने का श्रेय तब केरल की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और उसके गठबंधन यूडीएफ (यूडीएफ) को जाता है। 2023 में जब आयकर विभाग की रिपोर्ट सार्वजनिक हुई, तब कांग्रेस ने इसे केरल के इतिहास का सबसे बड़ा फैमिली करप्शन स्कैंडल घोषित कर दिया था। हालिया विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने इसे अपनी राजनीति का ब्रह्मास्त्र बनाया। रैलियों में विजयन सरकार को कट-मनी और भ्रष्टाचार की जननी कहा गया। नतीजा यह हुआ कि वामपंथी सरकार सत्ता से बेदखल हो गई।

लेकिन आज जब उसी मुद्दे पर ईडी ने निर्णायक कदम उठाया है, तो कांग्रेस के होंठ सिल गए हैं। उसे इस कार्रवाई का क्रेडिट नहीं चाहिए। क्योंकि ईडी एक केंद्रीय जांच एजेंसी है, और लेफ्ट पार्टियां इसके दुरुपयोग के लिए बीजेपी पर हमलावर हैं। कांग्रेस इस झगड़े के बीच में नहीं आना चाहती।

दिल्ली-बंगाल की तरह कांग्रेस के बनाए केस पर बीजेपी का एक्शन

दिल्ली के कथित आबकारी घोटाले में अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के खिलाफ सबसे पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस करने और जेल भेजने की मांग करने वाली कांग्रेस ही थी। लेकिन जैसे ही ईडी ने केजरीवाल पर हाथ डाला, कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर इसे लोकतंत्र की हत्या करार दे दिया। हालांकि, बुधवार को विजयन पर हुई कार्रवाई को लेकर केजरीवाल ने एक्स पर भाजपा के साथ कांग्रेस को भी आड़े हाथों लिया है।

पश्चिम बंगाल में अधीर रंजन चौधरी और स्थानीय कांग्रेस इकाइयां ममता बनर्जी की सरकार को कोयला, राशन और शिक्षक भर्ती घोटाले पर रोज पानी पी-पीकर कोसती हैं। मगर जब केंद्रीय एजेंसियां कार्रवाई करती हैं, तो नई दिल्ली में बैठे कांग्रेस के शीर्ष नेता इसे एजेंसियों का दुरुपयोग बताने लगते हैं।

अब यही दुविधा केरल में कांग्रेस के लिए जी का जंजाल बन चुकी है। केरल की प्रादेशिक राजनीति में खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए उसे विजयन के भ्रष्टाचार का विरोध करना है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष की एकजुटता और विक्टिम कार्ड के नैरेटिव को बचाने के लिए उसे ईडी की कार्रवाई की निंदा करनी है।

बीजेपी को दिख रहा है नंबर 2 बनने का मौका

केरल की 140 विधानसभा सीटों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को 102 और लेफ्ट पार्टियों के गठबंधन वाले एलडीएफ को 35 सीटें मिली हैं। राज्य की 25 फीसदी सीटों तक सिमट गया लेफ्ट बीजेपी को केरल की सियासत में उस संकरी गली की तरह दिख रहा है, जिससे होकर वह राज्य की मेनस्ट्रीम वाली सियासत में प्रवेश कर सकती है।

वह लेफ्ट की जितनी जगह पर काबिज होगी, उतनी ही नंबर 2 वाले मुकाम पर पहुंचेगी। लेफ्ट पार्टियों में नेतृत्व की शुचिता बहुत मायने रखती है। यदि केरल में विजयन और उनका परिवार भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरा रहता है, तो उनके कैडर का मानोबल तोड़ने वाला होगा।

बुधवार को हुई ईडी की कार्रवाई ने केरल की वामपंथी राजनीति को तो बैकफुट पर धकेल ही दिया है, लेकिन उससे भी ज्यादा इसने कांग्रेस को एक वैचारिक असमंजस में ला खड़ा किया है। बीजेपी ने इस मौके को ताड़ते हुए वामपंथियों पर सीधा हमला बोला है और कांग्रेस की खामोशी को उसका डर और दोहरा चरित्र करार दिया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 28 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न

सात दिवसीय धार्मिक आयोजन में उमड़ी श्रद्धालुओं की आस्था, समिति ने सभी सहयोगियों का जताया आभार

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेम्पल में श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा आयोजित पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ मंगलवार को पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हो गया। समिति के मानद मंत्री एवं प्रेस व विज्ञापन संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह भव्य धार्मिक आयोजन 21 मई से 27 मई तक आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

महायज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में श्री बजरंग प्रसाद गुप्ता एवं श्रीमती संतोष गुप्ता उपस्थित रहे। समापन दिवस पर विभिन्न परिवारों द्वारा यज्ञ, अर्चना एवं प्रसाद सेवा में सहभागिता निभाई गई।

विभिन्न परिवारों ने निभाई यज्ञ में सक्रिय भागीदारी

आज के यज्ञ के यजमानों में श्री रमण लाल जी रत्नेश कुमार जी परिवार से श्री रत्नेश कुमार एवं श्रीमती मीना अग्रवाल, श्री मदन लाल जी चंद्रकांत जी डाकोतिया परिवार से श्री महेश कुमार डाकोतिया एवं श्रीमती सरिता डाकोतिया, श्री गिरधारी लाल जी राजेंद्र कुमार जी परिवार से श्री राहुल अग्रवाल एवं श्रीमती निधि अग्रवाल, श्री निरंजन लाल जी बृजेश कुमार जी परिवार से श्री दीपक कुमार मेरठ वाले, श्री मोहन लाल जी बाबू लाल जी केडिया परिवार से श्री सुशील कुमार केडिया एवं श्रीमती नमिता केडिया, श्री विश्वंभर लाल केडिया एवं श्रीमती सावित्री बाई केडिया, श्री ग्यारसी लाल जी सुभाष कुमार जी परिवार से श्री विकास कुमार दिल्लीवाला एवं श्रीमती श्वेता दिल्लीवाला, श्री रामावतार जी अशोक कुमार जी परिवार से श्री रामावतार अग्रवाल एवं श्रीमती, श्री सुशील कुमार पचेरीया परिवार से श्री शीश एवं श्रीमती राखी अग्रवाल, श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल एवं श्री घनश्याम दास जी पूनमचंद जी दादरीवाला परिवार से संदीप गुप्ता एवं श्रीमती रूपा गुप्ता, श्री बद्रीप्रसाद जी गोपाल चंद जी परिवार से राहुल गुप्ता एवं श्रीमती आशी गुप्ता तथा श्री गजानंद जी जगदीश प्रसाद जी डाकोतिया परिवार से श्री विनोद कुमार डाकोतिया एवं श्रीमती संगीता डाकोतिया प्रमुख रूप से शामिल रहे।

विष्णु सहस्रनाम अर्चना एवं भंडारा में भी श्रद्धालुओं की सहभागिता

विष्णु सहस्रनाम अर्चना में श्री बजरंग प्रसाद गुप्ता, सीए रवींद्र कुमार अग्रवाल, सीए हरिगोविंद प्रसाद अग्रवाल, शंकर लाल अग्रवाल, रत्नेश कुमार अग्रवाल, सुशील पचेरिया, गुलाब चंद अग्रवाल, दीपक कुमार अग्रवाल, सुशील कुमार केडिया, सुनील कुमार गुप्ता, शिव शंकर गुप्ता, रवींद्र कुमार अग्रवाल, विनोद कुमार डाकोतिया एवं जगदीश प्रसाद कमल कुमार सहित अनेक श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई।

भंडारा के प्रायोजक के रूप में गुरुदयाल जी बसई वाले यू.एस.ए. पिक्चर्स परिवार से श्री अभिषेक अग्रवाल एवं श्रीमती नेहा अग्रवाल उपस्थित रहे। प्रसाद के यजमानों में श्री अशोक चंद अग्रवाल, श्री चंद्रकांत अग्रवाल, श्री मुन्नालाल अग्रवाल एवं श्री ओमप्रकाश बंसल शामिल रहे।

समिति के अध्यक्ष मुन्नालाल अग्रवाल, एवं सुशील कुमार केडिया, कोषाध्यक्ष रविंद्र कुमार अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक शंकर लाल अग्रवाल, यज्ञ स्थल संयोजक माणक गुप्ता, कलश यात्रा संयोजक सुनील कुमार गुप्ता, भूमि पूजन संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल तथा प्रसाद संयोजक कैलाश अग्रवाल ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यकारिणी सदस्यों में अजय कुमार दोचानिया, ओमप्रकाश बंसल, सीए सुरेश कुमार अग्रवाल सहित परामर्शदाता मुकुंद लाल सोंथालिया, महेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, सुरेंद्र कुमार गोयल, मनसाराम अग्रवाल एवं सुरेश कुमार टी. रामा का भी विशेष सहयोग रहा।

इसके अतिरिक्त डॉ. मोहन गुप्ता, गोपाल बलदेव, अशोक कुमार पूनम साड़ी, सुरेश कुमार सिंघल, विजय कुमार सिंघल, सतीश कुमार गुप्ता, एडवोकेट सुरेश अग्रवाल, बृजेश कुमार अग्रवाल मेरठ वाले, किशन अग्रवाल एवं जवाहर लाल सोलंकी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

समिति के सभी पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, विभिन्न समितियों के संयोजकों एवं परामर्शदाताओं ने पिछले सात दिनों तक महायज्ञ में सहयोग प्रदान करने वाले मुख्य यजमानों, प्रसाद, कलश यात्रा, लक्ष्मी सहस्रनाम एवं विष्णु सहस्रनाम अर्चना के सभी प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही हिंदी समाचार पत्रों एवं प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं का भी विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

उपाध्यक्ष सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले एवं महेश कुमार डाकोतिया, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सहमंत्री गुलाब चंद अग्रवाल

समर्पण और मानवता का अद्भुत संगम बना राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का अन्नदान कार्यक्रम

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामदा एकादशी के पावन अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क परिसर में नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और मानव सेवा की भावना के साथ किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने जरूरतमंदों, मरीजों के परिजनों एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित कर सेवा धर्म का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के दौरान पूरे वातावरण में भक्ति, करुणा और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला। कामदा एकादशी जैसे पुण्य पर्व पर राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने यह संदेश दिया कि सच्ची पूजा केवल मंदिरों तक सीमित नहीं होती, बल्कि जरूरतमंदों की सहायता और भूखे को भोजन कराने में भी ईश्वर की सच्ची आराधना छिपी होती है। राधे-राधे ग्रुप लगातार इसी उद्देश्य के साथ जरूरतमंदों की सहायता एवं सनातन संस्कृति के सेवा मूल्यों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्य को पुण्य का सबसे बड़ा माध्यम बताते हुए कहा कि कामदा एकादशी का पर्व हमें त्याग, भक्ति और परोपकार की प्रेरणा देता है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए ग्रुप वर्षों से नियमित रूप से अन्नदान एवं जनसेवा के कार्यक्रम संचालित कर रहा है, जिससे अनेक जरूरतमंद लोगों को राहत और सहारा मिल रहा है।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सारडा, हरीश तोलाराम हिंदूजा, मनोज डालमिया एवं उमाकांत गुप्ता सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सभी ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लेते हुए समाज के अधिक से अधिक लोगों से ऐसे पुण्य कार्यों में जुड़ने का आह्वान किया।

हैदराबाद में कथित पशु तस्करी पर बवाल

गोशाला महासंघ ने डीजीपी से की शिकायत, हाईकोर्ट आदेश उल्लंघन का लगाया आरोप

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बकरीद पर्व से पहले राजधानी हैदराबाद में कथित अवैध पशु तस्करी को लेकर विवाद गहरा गया है। आंध्र प्रदेश गोशाला महासंघ के मानद अध्यक्ष महेश अग्रवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद एवं लॉ एंड ऑर्डर डीजीपी महेश भागवत से मुलाकात कर हैदराबाद में प्रवेश कर रहे कथित संदिग्ध पशु वाहनों को तत्काल ज़ब्त करने की माँग की।

प्रतिनिधिमंडल में लव फॉर काउ ट्रस्ट के ट्रस्टी रिद्धीश रमेश जागीरदार, प्राणी मित्र संघ के अध्यक्ष जसराज श्रीश्रीमाल तथा करुणा इंटरनेशनल तेलंगाना के अध्यक्ष श्रीपाल देशलेहरा भी शामिल थे।

महेश अग्रवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि तेलंगाना उच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद पुलिस प्रशासन कथित पशु तस्करों को संरक्षण दे रहा है। उन्होंने कहा, हाईकोर्ट का आदेश है, गृह विभाग की ज़िम्मेदारी है ˙ और पुलिस तस्करों को रास्ता दे रही है। यह सरासर कानून का मज़ाक है। गोशाला महासंघ के अनुसार 10 मई 2026 की सुबह करीमनगर टोल प्लाज़ा एवं शामीरपेट चेकपोस्ट पर पशुओं से भरे 26 वाहनों को रोका गया था, लेकिन कुछ घंटों बाद उन्हें छोड़ दिया गया। महासंघ ने जिन वाहनों पर संदेह जताया है। महासंघ का आरोप है कि इन वाहनों में

पशुओं को कृषि कार्य के नाम पर ले जाया जा रहा था, जबकि हैदराबाद जैसे महानगर में इतने बड़े स्तर पर पशुपालन अथवा चारागाह की कोई व्यवस्था नहीं है।

महासंघ ने आरोप लगाया कि कोमाराम भीम ज़िले के कौताला क्षेत्र से प्रतिमाह बड़ी संख्या में पशु हैदराबाद भेजे जा रहे हैं। आरोप है कि इस परिवहन को वैध दिखाने के लिए पशु-चिकित्सा विभाग के कुछ अधिकारी कथित रूप से फ़र्ज़ी प्रमाणपत्र जारी कर रहे हैं, जिनमें शहरी क्षेत्र में खेती के उद्देश्य से पशु परिवहन की अनुमति दर्शाई गई है।महासंघ ने कहा कि यह पूरा मामला तेलंगाना उच्च न्यायालय के 17 मार्च 2026 को दिए गए आदेश थ.झ. छे. 30824/2018 की भावना के विपरीत है। न्यायालय ने अपने आदेश में तेलंगाना गोवध निषेध एवं पशु संरक्षण अधिनियम, 1977 को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए थे।

गोशाला महासंघ ने गृह विभाग के समक्ष पाँच सूत्रीय माँगें रखीं। इनमें हैदराबाद में प्रवेश करने वाले सभी संदिग्ध पशु वाहनों को रोककर पशुओं को मान्यता प्राप्त गोशालाओं में भेजना, करीमनगर एवं शामीरपेट चेकपोस्ट के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जाँच, पुलिस-जीएचएमसी-गोशाला महासंघ की संयुक्त टास्क फोर्स का गठन, पिछले 72 घंटों में जारी पशु-चिकित्सा प्रमाणपत्रों का ऑडिट तथा सामान्य ट्रकों में पशु परिवहन करने वाले वाहनों को ज़ब्त करने की माँग शामिल है।

महासंघ ने गृह विभाग को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि निर्धारित अवधि में उक्त 26 वाहनों के संबंध में कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई और ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो संगठन तेलंगाना उच्च न्यायालय में गृह विभाग एवं संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अवमानना याचिका दायर करेगा।

गौरतलब है कि बकरीद से पहले शहर में पशुओं की माँग बढ़ने के बीच यह मामला सामने आया है। महासंघ का दावा है कि त्योहार की आड़ में हर वर्ष इस प्रकार की कथित अवैध तस्करी होती है और इस बार संगठन इसे लेकर कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है।

संस्कार, सेवा और सनातन की शक्ति से ही मजबूत बनेगा समाज : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने एकादशी के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और मानव सेवा के भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, मातृशक्ति एवं युवाओं ने भाग लेकर जरूरतमंद लोगों की सेवा की तथा सनातन संस्कृति के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। पूरे क्षेत्र में राधे-राधे और जय श्रीकृष्ण के जयकारों से भक्तिमय वातावरण बना रहा।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक महेश अग्रवाल ने समाज को भावुक और प्रेरणादायक संदेश देते हुए कहा कि आज दुनिया तेजी से आधुनिकता की ओर बढ़ रही है, लेकिन यदि हमारे जीवन से संस्कार, सेवा और मानवता समाप्त हो गई तो यह प्रगति अधूरी रह जाएगी।

उन्होंने कहा कि समाज की असली ताकत बड़े भवनों या धन-संपत्ति में नहीं, बल्कि लोगों के भीतर बसे प्रेम, सहयोग और सेवा भाव में होती है।

महेश अग्रवाल ने कहा कि सेवा का

भाव किसी विद्यालय या बाजार में नहीं मिलता, यह मां के संस्कारों और परिवार की शिक्षा से जन्म लेता है। एक मां अपने बच्चों को बचपन से दया, करुणा, सम्मान और सहयोग का पाठ पढ़ाती है और वही संस्कार आगे चलकर समाज को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कहा कि जिस घर में बुजुर्गों का सम्मान, गौसेवा, धर्म और जरूरतमंदों की सहायता का वातावरण होता है, वहां हमेशा सुख, शांति और भगवान की कृपा बनी रहती है।

उन्होंने कहा कि एकादशी केवल व्रत रखने का दिन नहीं है, बल्कि यह आत्मचिंतन और सेवा का पर्व है। इस दिन यदि कोई व्यक्ति भूखे को भोजन, प्यासे को पानी और दुखी को सहारा देता है तो वही सच्चे अर्थों में भगवान की पूजा करता है। उन्होंने कहा कि आज समाज में बहुत से लोग ऐसे हैं जिन्हें केवल भोजन ही नहीं, बल्कि अपनापन और सहारा भी चाहिए। ऐसे समय में प्रत्येक सक्षम व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपने सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में भाग ले।

महेश अग्रवाल ने युवाओं को विशेष संदेश देते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी देश और समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि युवा अपने जीवन में धर्म, संस्कार और सेवा को स्थान देंगे तो आने वाला समय भारत और सनातन संस्कृति के लिए स्वर्णिम होगा।

उन्होंने कहा कि केवल मोबाइल और सोशल मीडिया तक सीमित रहने से जीवन का उद्देश्य पूरा नहीं होता, बल्कि जब युवा समाज और जरूरतमंदों के लिए समय निकालते हैं, तब उनका जीवन वास्तव में सफल बनता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद लगातार अन्नदान, गौसेवा और धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को जोड़ने का कार्य कर रहा है। समूह का उद्देश्य केवल सेवा करना नहीं, बल्कि लोगों के भीतर मानवता और धर्म के प्रति जागरूकता पैदा करना भी है। जब समाज के लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ मिलकर सेवा करते हैं, तब सामाजिक एकता और भाईचारे की भावना मजबूत होती है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, विनोद तोषनीवाल, राजेश सर योगा, नीलम विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, रेनू गुप्ता, रेनू शर्मा एवं मोहित अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पीईपी के पूर्व प्रत्याशी नरसिंग राव के निवास पर हुआ सत्यनारायण स्वामी व्रत

बोनाला श्रीनिवास सहित कई दिग्गज नेताओं ने लिया आशीर्वाद

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जियागुड़ा, हैदराबाद में प्रजा एकता पार्टी (पीईपी) से कारवां विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी रह चुके श्रीमती और श्री वुल्कुंदाकर नरसिंग राव लक्ष्मी प्रसन्ना के निवास स्थान पर श्री सत्यनारायण स्वामी व्रत का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित होकर सभी ने भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस धार्मिक कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास शामिल हुए। उनके साथ गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के वरिष्ठ नेता व रणनीतिकार एमके नरेंद्र, आगामी निगम चुनावों के लिए पीईपी के आकांक्षी कॉर्पोरेटर वी. नवीन, अल्ले सत्यनारायण, डी. सुधाकर रेड्डी, पी. रविंदर कुमार और वरिष्ठ पत्रकार दंडोतकर श्रीनिवासुलु भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रजा एकता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास ने सभी के कल्याण की कामना करते हुए आभार व्यक्त किया।

पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि के अवसर पर अबिड्स सर्कल में उन्हें भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर खैरताबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एम. रोहित एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मुख्य रूप से परमेश्वरी सिंह लोध (उपाध्यक्ष डीसीसी एवं पूर्व कॉर्पोरेटर, मंगलहाट, गोशामहल विधानसभा) उपस्थित रहे और उन्होंने भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

1.22 करोड़ की हवाला राशि के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार
मुंबई से सिकंदराबाद लाया जा रहा था कैश

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुंबई से हैदराबाद हवाला की नकदी ले जा रहे एक 40 वर्षीय व्यक्ति को सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने पकड़ लिया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि उसके पास से 1.22 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मंगलवार को सरकारी रेलवे पुलिस सिकंदराबाद और आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) के कर्मचारियों द्वारा चलाए गए एक संयुक्त चेकिंग अभियान के दौरान देवगिरी एक्सप्रेस से हवाला का पैसा ले जा रहे इस व्यक्ति को पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि बोलारम और मलकाजगिरी रेलवे स्टेशनों के बीच इस व्यक्ति को एक बैग ले जाते देख अधिकारियों को शक हुआ। पूछताछ के दौरान पता चला कि वह महाराष्ट्र के अमरावती जिले का रहने वाला है। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि 25 मई को उसने मुंबई में एक ज्वेलरी स्टोर (आभूषण की दुकान) चलाने वाले व्यक्ति से 1,22,70,000 रुपये की राशि प्राप्त की थी। पुलिस के अनुसार, जौहरी के निर्देश पर वह इस नकदी को देवगिरी एक्सप्रेस से सिकंदराबाद ले जा रहा था, ताकि इसे सिकंदराबाद के मोंडा मार्केट इलाके में एक आभूषण की दुकान से जुड़े दूसरे व्यक्ति को सौंपा जा सके। पुलिस ने कहा कि यह नकदी आभूषण व्यवसाय से जुड़े हवाला से संबंधित थी। हालांकि, वह इस नकदी के कब्जे, स्वामित्व, स्रोत या इसके उपयोग के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज पेश करने या संतोषजनक स्पष्टीकरण देने में विफल रहा। जीआरपी ने बताया कि इसके बाद 1.22 करोड़ रुपये की राशि को जब्त कर लिया गया।

पटेल की 150वीं जयंती पर होगा सरदार पटेल एकता महासम्मेलन 31 को

विभिन्न समाज एवं संस्थाओं से अधिकाधिक सहभागिता का आह्वान

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत भारती द्वारा आगामी रविवार, 31 मई 2026 को भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में भव्य सरदार पटेल एकता महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। संस्था की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि इस आयोजन को सफल बनाने हेतु विभिन्न समाजों, संस्थाओं एवं धर्मप्रेमियों से अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया गया है। कार्यक्रम के निमंत्रण हेतु संस्था पदाधिकारियों ने विभिन्न समाजों एवं संगठनों से संपर्क किया। मुसापेट स्थित श्री पाटीदार भवन में श्री कच्छ कड़वा पाटिदार समाज के ट्रस्टी दामोदरभाई लींबाणी, प्रकाशन मंत्री केशवलाल चौधरी, भूतपूर्व महामंत्री हंसराजभाई दड़गा, भूतपूर्व ट्रस्टी नारायणभाई रवाणी, मुसापेट-कुकटपल्ली विभागीय समाज चेयरमैन किशोरभाई दड़गा सहित अनेक पदाधिकारियों को निमंत्रण प्रदान किया गया।

अमीरपेट समाजवाड़ी में ट्रस्टी चेयरमैन कांतिलाल प्रेमजी गोराणी, कार्यकारिणी सदस्य मोहनभाई प्रेमजी छाभैया, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती दिनाबेन मोहन छाभैया, भगवतीबेन कांतिलाल गोराणी, विनोदभाई सोमजीयाणी एवं मेहुलभाई जबुवाणी सहित समाज के विभिन्न सदस्यों से कार्यक्रम में भागीदारी का आग्रह किया गया। इसके अतिरिक्त वी.एन.बी. विभाग में ट्रस्टी जयंतिलाल रामजी सुराणी, मंत्री रमेशभाई दाना लींबाणी एवं नितिनभाई दयाराम दिवाणी सहित विभिन्न समाज प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम संयोजकों ने बताया कि भारत भारती विगत 21 वर्षों से राष्ट्रीय एकात्मता को समर्पित होकर कार्य कर रही है। संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष विनय पत्राले के नेतृत्व में एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को आगे बढ़ाया जा रहा है।

संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि हैदराबाद का सरदार पटेल के जीवन में विशेष महत्व रहा है। ऑपरेशन पोलो के ऐतिहासिक निर्णय के कारण ही हैदराबाद स्वतंत्र भारत का हिस्सा बन पाया। इसी कारण हैदराबाद की जनता स्वयं को सरदार पटेल का ऋणी मानती है।

भारत भारती ने देशभर के 150 लघु भारत शहरों में सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाने का संकल्प लिया है। संस्था का उद्देश्य नई पीढ़ी तक सरदार पटेल के राष्ट्रनिर्माण में योगदान एवं राष्ट्रीय एकता के संदेश को पहुँचाना है।

आयोजकों के अनुसार 31 मई, रविवार को शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक यह कार्यक्रम हैदराबाद के नुमाइश एक्झीबिशन मैदान में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में देशभर से अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित होकर राष्ट्रीय एकात्मता पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। इसके पश्चात रात 9 बजे से विशाल लोक डायरो का भी आयोजन होगा, जिसमें गुजरात की प्रसिद्ध लोक गायिका हेतल वैद्य, लोक गायक जयदीप भाटी, लोक साहित्यकार आनंदभा गढवी तथा कलाकार सुरेश पटेल, महेंद्र, मयूर जानी एवं मेहुल पटेल अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे।

संस्था ने सभी समाजबंधुओं, धर्मप्रेमियों एवं नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया है।

पद्मिनी एकादशी पर राम रस-छाछ सेवा का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुंभ मेला अग्रवाल बंधु अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में पद्मिनी एकादशी के पावन अवसर पर रिकाबगंज स्थित भंडारा चौक में सेवा भाव एवं जनकल्याण की भावना के साथ राम रस-छाछ सेवा का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं एवं राहगीरों ने उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ राम रस सेवा का लाभ प्राप्त किया। भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस सेवा कार्यक्रम को लोगों ने सराहा तथा आयोजकों के सेवा कार्य की प्रशंसा की। आयोजकों ने बताया कि पद्मिनी एकादशी के अवसर पर समाज में सेवा, सहयोग एवं धर्म भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। इस अवसर पर मुख्य रूप से पंकज कुमार अग्रवाल, सुनील, तृषा अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल एवं महावीर मुरारका सहित अन्य भक्तगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजन के सफल संचालन में सभी सहयोगियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

गांधी भवन में चले लात-घूंसे, बैठक रद्द

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुधवार को गांधी भवन में आयोजित कांग्रेस हैदराबाद संसदीय क्षेत्र की बैठक में उस समय भारी हंगामा और अफरा-तफरी मच गई, जब प्रोटोकॉल को लेकर कुछ नेताओं के बीच तीखी बहस हो गई और बात हाथापाई तक पहुंच गई।

यह सारा तमाशा अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरूद्दीन और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर की मौजूदगी में हुआ। मंत्रियों के साथ मंच साझा करने को लेकर वरिष्ठ नेता फिरोज खान और एक अन्य नेता उस्मान अली हाजरी के बीच विवाद शुरू हुआ था।

फिरोज खान की मांग पर आपत्ति जताते हुए उस्मान अली हाजरी ने कथित तौर पर उन्हें जमीन पर धक्का दे दिया। इस बीच सरकार के सलाहकार वी. हनुमंत राव और कांग्रेस सांसद अनिल कुमार यादव ने स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन उस्मान अली हाजरी के समर्थकों ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता को भी एक तरफ धकेल दिया।

गांधी भवन में हुए इस हंगामे के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जमकर वायरल हो रहे हैं। इन दृश्यों और हंगामे से नाराज होकर मोहम्मद अजहरूद्दीन कार्यक्रम स्थल छोड़कर चले गए, जिसके बाद पोन्नम प्रभाकर ने अचानक बैठक समाप्त होने की घोषणा कर दी।

SHED on RENT
FACTORY SHED
lease /Rent. 5000 sq feet
TIN SHED with 10 hp power
at JIYAGUDA.
Good for Wood furniture,
Iron furniture, Steel
furniture, Packing etc.
Contact:
9848225473,
9948137195
(9am to 9pm)

राधे-राधे ग्रुप से आमजन में बढ़ रहा सेवा का भाव : निशा गुप्ता

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास बुधवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण कर मानव सेवा का संदेश दिया गया। इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए निशा गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप लगातार सेवा कार्यों के माध्यम से आमजन में मानवता, सहयोग और सेवा का भाव जागृत कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आते हैं, तभी सच्चे अर्थों में सामाजिक एकता और संस्कार मजबूत होते हैं।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल अन्नदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों को सेवा, संस्कार और सनातन संस्कृति से जोड़ने का भी कार्य कर रहा है। ग्रुप के नियमित सेवा कार्यों से नई पीढ़ी भी प्रेरित हो रही है और समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो रहा है।

कार्यक्रम में सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, गोपाल गोयल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, प्रीतिका अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, गजराज श्रीमाल, सुरेश डालमिया एवं गुरबीर सिंह मक्कड़ सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

डॉ. राव को पद्म श्री मिलने पर मुशीराबाद मुन्नूरु कापू संगम और पेन नेटवर्क ने दी बधाई

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एमकेवीवीजी ट्रस्ट के पूर्व ट्रस्टी थोटा रघु गारू ने मुशीरबाद के मुन्नूरु कापू संगम के सदस्यों और पेन नेटवर्क की टीम के साथ एआईजी हॉस्पिटल्स के निदेशक व वरिष्ठ सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. जी. वी. राव से मुलाकात की। इस दौरान पूरी टीम ने उन्हें प्रतिष्ठित मपद्म श्रीफ पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बधाई देने पहुंचे इस प्रतिनिधिमंडल में कैलास नागेश, मुशीरबाद

आकुला सदानंद पटेल , पूर्व उपाध्यक्ष - यस बैंक (मुंबई) एवं साउथ जोनल हेड - जियो फाइनेंस

बेथी श्रीधर पटेल, सेवा उद्योग एवं कोल्ड स्टोरेज उद्यमी, मेडचल। आकुला श्रीनिवास पटेल , फार्मा उद्योग, चेरलापल्ल। डॉ. पीएलएन पटेल , चिकित्सक, मुशीरबाद एवं अन्य उपस्थित थे।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने दी बकरीद की मुबारकबाद

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने राज्य के लोगों, विशेषकर मुस्लिम समुदाय को 28 मई को मनाये जाने वाले बकरीद के त्योहार की मुबारकबाद दी है।

राज्यपाल ने बुधवार को अपने संदेश में सभी मुस्लिम भाई-बहनों की सुख, शांति और अच्छी सेहत की कामना की। उन्होंने कहा कि बकरीद का त्योहार त्याग, बलिदान और सर्वोच्च भक्ति का प्रतीक है।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा में उमड़ा भक्तों का उत्साह

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केबीआर नेशनल पार्क में आयोजित इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा एवं आरती में बुधवार को भारी उत्साह देखने को मिला। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना में शामिल हुए और गणपति बप्पा के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। पूजा आयोजन में उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं भक्ति भाव से आरती में भाग लिया। आयोजन में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले, विजय कुमार ताम्बी, रामनिवास पंडित, अशोक लाखोटिया, प्रवीण अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, भरत कुमार सोनरहलिया, सुभाष बड़ेगांव वाले, विजय तंबी, विनय कुमार सोंथालिया, सुरेश कुमार अग्रवाल, सीए राजेंद्र कुमार, पल्लवी, संध्या अग्रवाल, विजया लक्ष्मी सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। बारिश के मौसम के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दी। भक्तों ने इच्छापूर्ति गणेशजी के समक्ष सुख-समृद्धि एवं मंगलकामना की प्रार्थना की। पूजा के दौरान धार्मिक भजनों एवं मंत्रोच्चारण से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

कथित भड़काऊ टिप्पणियों को लेकर बाल्का सुमन के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र सेना (बीआरएस) नेता और चेन्नूर के पूर्व विधायक बाल्का सुमन के कथित भड़काऊ बयानों को लेकर उनके खिलाफ नामपल्ली पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज की गयी है। खैरताबाद जिला कांग्रेस समिति के अध्यक्ष मोथा रोहित मुदीराज ने बुधवार को यह शिकायत दर्ज करते हुए आरोप लगाया कि श्री सुमन के बयान ने हिंसा भड़काई और राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति के लिए गंभीर खतरा पैदा किया। शिकायत के अनुसार, श्री सुमन पर आरोप है कि उन्होंने लोगों को सरकारी दफ्तरों में आग लगाने, सिंगारेनी की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, रेल लाइनों को अवरुद्ध करने और हिंसक गतिविधियों में शामिल होने के लिए उकसाने वाली टिप्पणियां कीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.